NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 338 लखनऊ, गुरुवार 06 अगस्त 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

संसद में कब बोलेंगे गृह मंत्री अमित शाह? विपक्ष के सवालों के बीच आ गई बड़ी खबर

एजेंसी।

दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह विदेशी योगदान (विनियमन) संशोधान विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान संसद को संबोधित करने के लिए तैयार हैं, यह कदम विपक्ष द्वारा सदन में उनकी अनुपस्थिति पर हो रही लगातार आलोचना के बीच आया है। मॉनसून सत्र में राम मंदिर चढ़ावा चोरी और छम्म्ज प्रश्नपत्र लीक जैसे मुद्दों पर गतिरोधा के कारण अब तक प्रश्नकाल नहीं हो सका है और कई विधोयक बिना बहस के पारित हुए हैं। संसदीय कार्य मंत्री ने सदन के सुचारू संचालन के लिए विपक्ष से सहयोग माँगा है।सरकारी सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री अमित शाह के संसद में बोलने की उम्मीद है, जब श्विदेशी योगदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा और उसे पारित करने की प्रक्रिया होगी। यह तब हो रहा है जब विपक्ष सदन में उनकी गैर–मौजूदगी को लेकर

आलोचना कर रहा है। संसद में जारी गतिरोध को खत्म करने की कोशिश में, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की और मॉनसून सत्र के बाकी समय में सदन के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस का सहयोग मांगा।कुछ राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि स्वतंत्रता दिवस के बाद, संसद का एक विशेष सत्र बुलाकर पिछले सत्र में पारित नहीं हो सके परिसीमन विधेयक और नारी शक्ति वंदन (संशोधन) विधेयक को दोबारा पेश किया जा सकता है। हालांकि, सरकार के सूत्रों ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई कदम उठाने की योजना नहीं है। सूत्रों ने बताया कि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि 13 अगस्त को मानसून सत्र संपन्न होने से पहले इसी सत्र में परिसीमन विधोयक लाया जाएगा या नहीं।हालांकि, विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को सदन में चर्चा और पारित कराने के लिए पेश किये जाने के दौरान गृह मंत्री अमित शाह के संसद में बोलने की संभावना है। विपक्ष सदन की कार्यवाही के दौरान शाह की अनुपस्थिति को लेकर लगातार सवाल उठा रहा है। इस बीच, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि संसद भवन परिसर में दोनों नेताओं के बीच हुई मुलाकात के दौरान संसद की कार्यवाही में बने गतिरोध को समाप्त करने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब संसद के मानसून सत्र में अयोध्या स्थित राम मंदिर से कथित चढ़ावा चोरी और छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई के मुद्दों को लेकर लगातार गतिरोध की स्थिति बनी हुई है। मानसून सत्र शुरू होने के बाद से लोकसभा में अब तक एक भी दिन प्रश्नकाल नहीं हो सका है। हंगामे के बीच पांच विधेयक बिना चर्चा के पारित किए जा चुके हैं।

मेरठ से सोनभद्र तक बिछेगा एक्सप्रेस-वे का जाल, अनुपूरक बजट में गंगा और विन्ध्य एक्सप्रेस-वे विस्तार

,संवाददातां

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने अनुपूरक बजट 2026–27 के माध्यम से राज्य के विकास को एक नई ऊंचाई देने का खाका तैयार किया है। विधानसभा में पेश किए गए इस बजट में एक्सप्रेस–वे नेटवर्क के अभूतपूर्व विस्तार, नए औद्योगिक क्षेत्रों के निर्माण और विदेशी निवेश (थ्क्प्) को आकर्षित करने के लिए हजारों करोड़ रुपये के वित्तीय प्रावधान किए गए हैं। सरकार का सीधा फोकस राज्य में आधुनिक आईटी ढांचे और मजबूत औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए रोजगार और निवेश के नए अवसर पैदा करना है।गंगा और विन्ध्य एक्सप्रेस–वे का महाविस्तारअनुपूरक बजट में एक्सप्रेस–वे परियोजनाओं के विस्तार पर विशेष जोर दिया गया है। गंगा एक्सप्रेस–वे को प्रयागराज, मिर्जापुर, वाराणसी और चंदौली होते हुए सोनभद्र तक ले जाने (विन्ध्य एक्सप्रेस–वे) हेतु भूमि

क्रय के लिए 6,500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, मेरठ से हरिद्वार तक गंगा एक्सप्रेस–वे के विस्तारीकरण के लिए 5,700 करोड़ रुपये की भूमि क्रय राशि तय की गई है। साथ ही, सोनभद्र से चंदौली एवं गाजीपुर तक पूर्वांचल लिंक स्पर के निर्माण हेतु भूमि अधिग्रहण के लिए 2,300 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।जेवर एयरपोर्ट, नोएडा एलिवेटेड और नए ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस–वे राज्य में ट्रैफिक को सुगम बनाने और लॉजिस्टिक्स को रफ्तार देने के लिए कई नए ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट्स को हरी झंडी मिली है। जेवर एयरपोर्ट से गंगा एक्सप्रेस–वे (वाया बुलंदशहर) कनेक्टिविटी के लिए 250 करोड़ रुपये तथा आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे से गंगा एक्सप्रेस–वे (हरदोई वाया फर्रूखाबाद) लिंक के लिए 400 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वहीं, दिल्ली–नोएडा सीमा पर यातायात को सुचारू करने के लिए चिल्ला रेगुलेटर से नोएडा एलिवेटेड फ्लाई ओवर हेतु 100 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के बाढ़ पीड़ितों को दिया भरोसा, संकट में केंद्र आपके साथ खड़ा है

एजेंसी।

असम। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने असम के बाढ़ प्रभावित शिवसागर का दौरा कर केंद्र की ओर से राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्यों के लिए हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया और आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार असम को पूरी आर्थिक मदद देगी, जिससे बाढ़ प्रभावित लोगों को शीघ्र सहायता मिल सके।केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने बुधवार को मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ असम के शिवसागर जिले में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के कामों के लिए हर जरूरी मदद देगी। नड्डा ने बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित बिहुबोर नेपाली खुटी इलाके का दौरा किया, प्रभावित परिवारों से बातचीत की और हाल

की बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने राज्य प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे राहत कार्यों और पुनर्वास गतिविधियों की भी समीक्षा की।वहां के लोगों को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से, मैं हिमंत बिस्वा सरमा और आप सभी को भरोसा दिलाता हूं कि राहत कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। राज्य को पूरी आर्थिक मदद दी जा रही है। केंद्र की टीमें यहां हुए नुकसान का जायजा ले रही हैं। हम पुनर्वास के कामों में पूरी तरह से जुटे हुए हैं।प्रभावित गांवों का दौरा करने के बाद उन्होंने कहा कि मुझे मुख्यमंत्री के साथ शिवसागर जाने का मौका मिला। मैंने देखा है कि कितना नुकसान हुआ है। पूरे के पूरे गांव प्रभावित हुए हैं। लोगों के घर उजड़ गए हैं, साथ ही फसलें और संपत्ति भी बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। हमने लोगों को हो रही दिक्कतों पर चर्चा की। राहत का काम तेजी से किया गया है और यह प्रभावित इलाकों तक पहुंच गया है। भारत सरकार की तरफ से मदद में कोई कमी नहीं होगी। चाहे आर्थिक मदद हो, नुकसान का मुआवजा हो या पुनर्वास का काम, केंद्र सरकार असम के साथ खड़ी रहेगी। हिमंत बिस्वा सरमा अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहे हैं, और मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि केंद्र सरकार हर संभव मदद करेगी।मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने नड्डा के दौरे के लिए उनका आभार जताया और भरोसा जताया कि वे जमीनी हालात के बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जानकारी देंगे। सरमा ने कहा कि नड्डा जी ने खुद तबाही का मंजर देखा है। मुझे यकीन है कि वे प्रधानमंत्री को हालात के बारे में बताएंगे ताकि असम के लोगों को राहत और पुनर्वास के लिए जरूरी हर तरह की मदद मिल सके।

यूपी के सभी सरकारी स्कूलों का होगा सुरक्षा आडिट, योगी सरकार ने जारी किया आदेश

संवाददाता।

लखनऊ। प्रदेश के सभी परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, कंपोजिट व कस्तूरबा गांधी बालिका

विद्यालयों में जल्द ही व्यापक सुरक्षा ऑडिट शुरू होगा। शासन ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। इस दौरान स्कूल भवनों की मजबूती, बिजली और अग्नि सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, बाल संरक्षण, स्वास्थ्य सुविधाएं, दिव्यांग विद्यार्थियों की व्यवस्था और आपदा से निपटने की तैयारियों की विस्तार से जांच होगी। आवश्यकता पड़ने पर प्रत्येक स्कूल के लिए नई स्कूल आपदा प्रबंधन योजना भी तैयार कराई जाएगी। ऑडिट के दायरे में 1. 40 लाख से अधिक सरकारी स्कूलों में 2,444 राजकीय हाईस्कूल व इंटर कॉलेज, 4,513 सहायता प्राप्त हाईस्कूल व इंटर कॉलेज, 25,137 कंपोजिट व कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, 1,08,461 प्राथमिक व उच्च प्राथमिक परिषदीय विद्यालय शामिल हैं। अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने सभी जिलाधिकारियों को तय कार्ययोजना के अनुसार कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। यह व्यवस्था इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ के आदेशों के अनुपालन में लागू की जा रही है।कार्ययोजना राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की स्कूल सुरक्षा नीति–2016, सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और केंद्र सरकार के वर्ष 2021 के दिशा–निर्देशों पर आधारित है। स्कूल सुरक्षा की निगरानी के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति पहले ही गठित है।हर जिले में बनेगी 31 सदस्यीय टीमअब जिलों में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्कूल सुरक्षा समन्वय समिति बनेगी। समिति सुरक्षा प्रोटोकाल लागू कराने, नियमित ऑडिट, जोखिम आकलन, मॉकड्रिल, विद्यार्थियों व शिक्षकों के प्रशिक्षण व सुरक्षा संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान की जिम्मेदारी निभाएगी।सुरक्षा ऑडिट के लिए एजेंसी का चयन किया जा चुका है। टीम का ओरिएंटेशन हो चुका है और अगले दो से तीन माह में सर्वे शुरू होगा। हर जिले में 31 सदस्यीय इस टीम में सिविल इंजीनियर, अग्नि एवं ऊर्जा सुरक्षा विशेषज्ञ, आईटी विशेषज्ञ और फील्ड अधिकारी शामिल होंगे। ऑडिट में चारदीवारी, जर्जर व 30 से 40 वर्ष पुराने भवन, बिजली व्यवस्था, खेल के मैदान, लैब की स्थिति, रोड सेफ्टी, अग्निशमन उपकरण, शौचालय, फर्नीचर, आपातकालीन निकासी मार्ग व भूकंप और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के स्कूलों का विशेष जोखिम आकलन किया जाएगा।

राहुल गांधी फैला रहे झूठ का पुलिंदा! संबित पात्रा बोले- बच्चों के कंधे पर कर रहे राजनीति

एजेंसी।

दिल्ली। संबित पात्रा ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली में हुए प्रदर्शन के दौरान कोई फायरिंग नहीं हुई थी, और राहुल दूसरों के कंधे पर बंदूक रखकर राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी द्वारा बच्चों का इस्तेमाल कर छात्रों के विरोधा–प्रदर्शन पर सरकार को घेरने की कोशिश को गलत बताया और इसे श्झूठ का पुलिंदाश करार दिया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को छात्रों के विरोधा–प्रदर्शन पर सरकार के रवैये को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला। पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए गांधी ने 15 साल की लड़की के माफी मांगने वाले वीडियो को जबरदस्ती दिलवाया गया बयान बताया। गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए बीजेपी ने कहा कि बच्चों का इस्तेमाल राजनीति के लिए नहीं किया जाना चाहिए।प्रेस कॉन्फ्रेंस में बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि मासूम बच्चों का इस्तेमाल करके या उनके कंधे पर बंदूक रखकर राजनीति करने की कोशिश कभी नहीं करनी चाहिए, जैसा कि राहुल गांधी कर रहे हैं। बच्चे हमारे देश का भविष्य हैंय उनकी कोई गलती नहीं है। आज जो बच्चे राहुल गांधी के साथ थे, उनसे मैं बहुत प्यार से कहना चाहता हूँरू निडर रहें... हम उस झूठी कहानी और श्झूठ के पुलिंदेश को बेनकाब करना चाहते हैं जिसे

राहुल गांधी फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, और उस चुनिंदा नजरिए को भी जो उन्होंने अपनाया है। देश के बच्चों को निडर रहना चाहिए। जब भी आंदोलन या ऐसी किसी चीज की जरूरत पड़े, तो उनसे डरना नहीं चाहिए। संबित पात्रा ने कहा कि कुछ देर पहले विपक्ष के नेता (स्वच) राहुल गांधी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कुछ बातें कहीं। उनके साथ वे बच्चे भी थे जिन्होंने 20 तारीख को दिल्ली में श्संसद तक मार्चश (डंतबी जव च्तसपंउमदज) विरोधा प्रदर्शन में हिस्सा लिया था। मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूँ कि मैं जो प्रेस कॉन्फ्रेंस या ब्रीफिंग अभी कर रहा हूँ, वह राहुल गांधी के लिए है, उन बच्चों के लिए नहींय आखिर बच्चे तो बच्चे ही होते हैं। वे हमारे देश का भविष्य हैं। उन्होंने आगे कहा कि सबसे पहले, मैं फिर से वही बात दोहराना चाहता हूँ जो बीजेपी ने इसी मंच से और सदन के बाहर भी साफ तौर पर कही है कि 20 तारीख को दिल्ली में श्संसद तक मार्चश विरोध प्रदर्शन के दौरान कोई गोली नहीं चली थी... हमने उस समय भी पूरी जिम्मेदारी के साथ यही बात कही थी, क्योंकि यह एक संवेदनशील मामला है। पात्रा ने आगे कहा कि झारखंड के बच्चे भी बच्चे ही हैं। वे भी विरोधा कर रहे हैं। राहुल गांधी को झारखंड के कुछ बच्चों से भी बात करनी चाहिए। उन्हें उनका दर्द और तकलीफ समझनी चाहिए... इस चुनिंदा रवैये के कारण, जहाँ झारखंड के युवाओं के साथ अन्याय हो रहा है, राहुल गांधी इस मुद्दे को अपनी सुविधा के अनुसार दबा रहे हैं। वे झारखंड क्यों नहीं जा रहे हैं? उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी का यह कहना कि अमित शाह सदन में नहीं आ रहे हैं... राहुल जी, क्या आप सदन को चलने भी दे रहे हैं?... राहुल गांधी और उनके सांसद इतना हंगामा करते हैं कि सदन को दो मिनट के भीतर ही स्थगित करना पड़ता है... जिस विभाग पर चर्चा हो रही होती है, उसके प्रभारी मंत्री हमेशा मौजूद रहते हैं। जब गृह मंत्री के विभाग पर चर्चा होती है, तो वे निश्चित रूप से मौजूद रहते हैं, और असल में, वे मौजूद हैं भी। पात्रा ने हमला जारी रखते हुए कहा कि दूसरों के कंधे पर बंदूक रखकर नैरेटिव बनाने की यह कोशिश राजनीति में सही नहीं है.. मुस्कान नाम की युवती के बारे में.. चाहे आप मुस्कान शर्मा हों या मुस्कान खान, आप हमारे देश की बेटी हैं। यह देश श्सबका साथ, सबका विश्वास, सबका विकासश की सामूहिक कोशिश से आगे बढ़ता है। इसलिए, राहुल गांधी ने जो बांटने वाला एजेंडा आगे बढ़ाने की कोशिश की है,

पीडीए में अब पीड़ित पंडित भी!अखिलेश यादव का ब्राहमण दांव, बोले- कृष्ण सुदामा की दोस्ती पुरानी

संवाददाता।

लखनऊ। अखिलेश यादव ने जनेश्वर मिश्र की जयंती पर प्रबुद्धजन सम्मेलन में भाजपा सरकार पर राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी, कानून–व्यवस्था और पेपर लीक को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने में पीड़ित पंडित को शामिल कर ब्राह्मणों को साधाने का प्रयास किया और कृष्ण–सुदामा की दोस्ती का उदाहरण देते हुए सपा के सम्मान के वादे को दोहराया, जो आगामी चुनावों की रणनीति का हिस्सा है। समाजवादी पार्टी (च्) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को उत्तर प्रदेश सरकार पर कई मुद्दों को लेकर निशाना साधा। इन मुद्दों में राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी का मामला, कानून–व्यवस्था, किसानों के लिए खाद की उपलब्धता, स्वास्थ्य सेवाएँ और सड़क निर्माण परियोजनाएँ शामिल थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि ठश्रच सरकार का कार्यकाल भ्रष्टाचार, प्रशासनिक विफलताओं और जनता का भरोसा टूटने वाला रहा है। समाजवादी नेता जनेश्वर मिश्र की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद आयोजित श्प्रबुद्धजन सम्मेलनश

को संबोधित करते हुए, अखिलेश यादव ने अयोध्या के राम मंदिर में दिए गए दान में कथित अनियमितताओं को लेकर सरकार की कड़ी आलोचना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जनेश्वर मिश्र जी के कार्यक्रम की जहाँ उन्हें परमिशन देनी थी, उन्होंने परमिशन नहीं दी इसलिए हमें इस कार्यालय में आयोजन करना पड़ रहा है। जनेश्वर जी को याद करते हुए ये संकल्प लेते है कि उनका मिशन कभी भी रुकेगा नहीं, इसी तरह लगातार चलता रहेगा।अखिलेश यादव ने कहा कि जबसे च्क। से वो लोग हारे हैं तबसे च्क। की नई परिभाषा बना रहे हैं, च्क। में पीड़ित पंडित भी है। उन्होंने कहा कि भारत की धरती पर एक भी उदाहरण हो जहां पर हमारे पूजनीय शंकराचार्य जी को स्नान न करने से रोका गया हो। उन्हें धरना देना पड़ा लेकिन उसके बाद भी उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई। समाजवादियों ने बड़े पैमाने पर उनका सम्मान करने का काम किया। ये पेपर लीक नहीं होते, ये सरकार पेपर लीक करवाती है जिससे नौकरी न देना पड़े। हम लोगों ने 30 हजार से ज्यादा भर्ती केवल 9 महीने में कराकर दिखाई थी।यादव ने कहा कि अभी चुनाव में जो वोट पड़ेगा तो पता लगेगा इनके खिलाफ कितना मतदान होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिनको हाता नहीं भाता उन्होंने एक क्वेश्चन पूछा था कि अवसरवादी कौन होता है। जिन्होंने धुरंधर में जो नोटबंदी की बात कही है, जब कभी भी सरकार बनेगी तो ऐसे लोगों के खिलाफ भी हम लोग जांच करने का काम करेंगे। ब्राह्मणों को साधने की कोशिश करते हुए कहा कि भगवान कृष्ण और सुदामा की दोस्ती आज की नहीं है, बताओ कितने हजार साल पुरानी है, किस युग की है दोस्ती। समाजवादी पार्टी को जब भी मौका मिला है, हम लोगों ने सम्मान देने का काम किया है। भाजपा पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्वांचल वाला एक्सप्रेसवे समाजवादियों की देन थी। सपा सरकार बनेगी तो सबसे पहले बलिया को जोड़ने का काम करेंगे। इन्होने गंगा एक्सप्रेसवे में 35000 करोड़ लगाया है पता नहीं कैसे बनाया की पहली बारिश भी झेल नहीं पाया। आज सबसे बड़ा महापाप किसी ने किया है तो भारतीय जनता पार्टी ने किया है कि प्रभु श्री राम जी का चढ़ावा भी चोरी कर लिया। उन्हें रसीद इसलिए याद आ रही है क्योंकि नकली रसीद घोटाला करने वाले भी सरकार में हैं। प्रभु श्री राम इनको जीतने नहीं देंगे।

प्रदेश में 9 से 17 अगस्त तक चलेगा 'हर घर तिरंगा अभियान', 5 करोड़ तिरंगे फहराने का लक्ष्य

लखनऊ, (आरएनएस)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रभक्ति की भावना को जन–जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार 9 से 17 अगस्त तक पूरे प्रदेश में 'हर घर तिरंगा अभियान–2026' का आयोजन करेगी। अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए शासन ने सभी विभागों और जिलाधिकारियों को विस्तृत दिशा–निर्देश जारी कर दिए हैं। जिला स्तर पर सभी कार्यक्रमों के संचालन और समन्वय की जिम्मेदारी संबंधित जिलाधिकारियों को सौंपी गई है।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस वर्ष प्रदेश में 5 करोड़ तिरंगे फहराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और स्वतंत्रता संग्राम के प्रति सम्मान की भावना को सशक्त करना है। उन्होंने कहा कि अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ जनआंदोलन के रूप में आयोजित किया जाएगा।उन्होंने बताया कि अभियान का प्रथम चरण 6 से 8 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान विद्यालयों की दीवारों और सूचना पटों पर तिरंगे से प्रेरित चित्रकारी और कलाकृतियां बनाई जाएंगी। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के निर्देशों के अनुरूप शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी भवनों, रेलवे स्टेशनों, हवाई अड्डों, बस अड्डों, शॉपिंग मॉल, सार्वजनिक उद्यानों तथा अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर तिरंगा रंगोली प्रतियोगिताएं भी कराई जाएंगी।द्वितीय चरण 9 से 12 अगस्त तक आयोजित होगा। इस दौरान प्रत्येक जनपद के तकनीकी संस्थानों में स्वतंत्रता आंदोलन पर आधारित प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले संस्थानों को 26 जनवरी, 2027 को सम्मानित किया जाएगा। इसी चरण में जनपदों और प्रदेश स्तर पर तिरंगा महोत्सव तथा तिरंगा मेले भी आयोजित होंगे।तृतीय चरण 13 से 15 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थानों में तिरंगा रैलियां निकाली जाएंगी। शहीद स्मारकों और स्मृति स्थलों पर पुलिस एवं पीएसी बैंड द्वारा सुबह और शाम देशभक्ति की धुनें प्रस्तुत की जाएंगी। सभी कार्यक्रमों में अधिक से अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।जयवीर सिंह ने बताया कि अभियान के अंतर्गत घरों, सरकारी और गैर सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, औद्योगिक इकाइयों, शहीद स्मारकों तथा अमृत सरोवरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। 9 से 15 अगस्त तक सभी जनपदों में तिरंगा रैलियां आयोजित होंगी तथा रैलियों से पूर्व सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम्' का गायन कराया जाएगा।उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में 2 करोड़ तिरंगे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार किए जाएंगे, जबकि शहरी क्षेत्रों में 1 करोड़ तिरंगे राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से बनाए जाएंगे। इससे स्थानीय स्तर पर महिलाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर भी मिलेंगे।अभियान के तहत मेरठ, चौरी–चौरा, झांसी किला, बिठूर, रेजीडेंसी, बलिया और सुहेलदेव स्मारक सहित स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों पर 9 से 15 अगस्त तक विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को स्मरण करते हुए नई पीढ़ी को देश के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराया जाएगा।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल राष्ट्रीय ध्वज फहराने तक सीमित नहीं है, ।

दुग्ध उत्पादन में उत्तर प्रदेश ने बनाए नए कीर्तिमान, डेयरी कश्न्क्लेव में 17,994 लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ, 28 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश पर जोर

लखनऊ, (आरएनएस)। दुग्धशाला विकास विभाग की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को प्रदेश के सभी 75 जनपदों में दुग्धशाला विकास विभाग और पशुपालन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय जनपदीय स्तरीय डेयरी कॉन्क्लेव–2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर दुग्ध आयुक्त धनलक्ष्मी के. का संबोधन और विभागीय योजनाओं से संबंधित वीडियो वेब लिंक के माध्यम से प्रसारित किए गए।कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए दुग्ध आयुक्त ने कहा कि वर्ष 2024–25 में लगभग 248 मिलियन मीट्रिक टन दुग्ध उत्पादन के साथ भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश बन चुका है। इसमें उत्तर प्रदेश का योगदान लगभग 38.8 मिलियन मीट्रिक टन यानी करीब 16 प्रतिशत है, जिससे प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। उन्होंने कहा कि डेयरी क्षेत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने, महिला सशक्तीकरण, रोजगार सृजन तथा किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है।उन्होंने बताया कि नंद बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं से 17,994 लाभार्थियों को लाभान्वित किया जा रहा है। वहीं 4,951 प्रारंभिक दुग्ध सहकारी समितियों के गठन से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 2.25 लाख रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। कॉन्क्लेव के दौरान पूरे प्रदेश में मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ–संवर्धन योजना के 2,100 नवचयनित लाभार्थियों, मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के 1,500 से अधिक तथा नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के 450 से अधिक लाभार्थियों को चयन पत्र वितरित किए गए।दुग्ध आयुक्त ने बताया कि डेयरी क्षेत्र में 28 हजार करोड़ रुपये से अधिक के 829 निवेश समझौते किए जा चुके हैं। उत्तर प्रदेश दुग्धशाला विकास एवं दुग्ध उत्पाद प्रोत्साहन नीति–2022 के तहत प्रदेश में 39 लाख लीटर प्रतिदिन दुग्ध प्रसंस्करण एवं शीतलीकरण क्षमता बढ़ी है, जिससे लगभग 10 हजार लोगों को रोजगार मिला है। इसके अलावा निवेशकों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से लगभग 42 करोड़ रुपये का अनुदान भी उपलब्ध कराया गया है।कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन के अधिकारियों, पशुपालन विभाग, कृषि विज्ञान केंद्रों, दुग्ध संघों के प्रतिनिधियों, प्रगतिशील दुग्ध उत्पादकों, पशुपालकों, स्वयं सहायता समूहों तथा दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों ने भाग लिया। विभागीय विशेषज्ञों ने आधुनिक डेयरी तकनीक, वैज्ञानिक पशुपालन, पशु स्वास्थ्य, संतुलित पशु आहार तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी।दुग्ध आयुक्त ने किसानों, पशुपालकों और अन्य हितधारकों से विभागीय योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने, आधुनिक एवं वैज्ञानिक पशुपालन तकनीकों को अपनाने तथा उत्तर प्रदेश के डेयरी क्षेत्र को और अधिक समृद्ध, आत्मनिर्भर और रोजगारोन्मुख बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा उत्तर प्रदेश, कुशलिया बनी ग्रामीण विकास का मश्डल

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश सरकार ग्रामीण स्वायत्तता और ग्राम पंचायतों के सशक्तीकरण को विकास की आधारशिला मानते हुए प्रदेश की 57 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों को आधुनिक, डिजिटल और आत्मनिर्भर इकाइयों के रूप में विकसित करने की दिशा में व्यापक स्तर पर कार्य कर रही है। सरकार का लक्ष्य प्रधानमंत्री के श्ग्राम स्वराजश और श्आत्मनिर्भर भारतश के संकल्प को धरातल पर उतारते हुए गांवों को प्रशासनिक, वित्तीय और तकनीकी रूप से सशक्त बनाना है।सरकार का मानना है कि प्रदेश के समग्र विकास और मजबूत अर्थव्यवस्था का लक्ष्य तभी हासिल किया जा सकता है, जब ग्रामीण क्षेत्रों में पारदर्शी, जवाबदेह और तकनीक आधारित स्थानीय शासन व्यवस्था विकसित हो। इसी उद्देश्य से पंचायत सचिवालय, डिजिटल सेवाओं, ग्राम पंचायत विकास योजनाओं और आधुनिक बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है।इसी दिशा में गाजियाबाद जिले के रजापुर विकासखंड की ग्राम पंचायत कुशलिया को ग्रामीण विकास के एक सफल मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। पंचायत ने सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, डिजिटल सेवाओं की उपलब्धता, स्वच्छता, जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और जनभागीदारी के माध्यम से ग्रामीण विकास की नई मिसाल कायम की है।ग्राम पंचायत में स्थापित पंचायत सचिवालय के माध्यम से ग्रामीणों को जन्म एवं मृत्यु प्रमाण–पत्र, परिवार रजिस्टर की नकल, आय, जाति एवं निवास प्रमाण–पत्र, राशन कार्ड, फैमिली आईडी, आयुष्मान कार्ड, पैन कार्ड तथा विभिन्न पेंशन योजनाओं सहित अनेक सरकारी सेवाएं गांव में ही उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे लोगों को तहसील और जिला मुख्यालय के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है तथा समय और धन दोनों की बचत हो रही है।ग्रामीण शिक्षा और ज्ञान के विस्तार के लिए मुख्यमंत्री पुरस्कार योजना के तहत ग्राम पंचायत में अत्याधुनिक डिजिटल पुस्तकालय की स्थापना की गई है। यह पुस्तकालय विद्यार्थियों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं तथा अन्य पाठकों के लिए अध्ययन का प्रमुख केंद्र बन गया है।प्रदेश सरकार ने पंचायतों में ई–ग्राम स्वराज पोर्टल और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली को पूरी तरह लागू कर विकास कार्यों की योजना, धनराशि के हस्तांतरण और भुगतान प्रक्रिया को पूर्णतः ऑनलाइन एवं पारदर्शी बनाया है। साथ ही विकास कार्यों की निगरानी के लिए जियो टैगिंग और जीपीएस आधारित तकनीक का उपयोग किया जा रहा है, जिससे गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित हो रही है।कुशलिया ग्राम पंचायत ने स्वयं की आय बढ़ाने का भी सफल मॉडल विकसित किया है। पंचायत में घर–घर कूड़ा संग्रहण की व्यवस्था लागू की गई है, जिससे स्वच्छता के साथ उपयोगकर्ता शुल्क के रूप में पंचायत की आय भी बढ़ रही है। इस आय का उपयोग स्थानीय विकास कार्यों और नागरिक सुविधाओं के विस्तार में किया जा रहा है। सामुदायिक शौचालय, नियमित सफाई व्यवस्था और बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन से गांव में स्वच्छ वातावरण विकसित हुआ है।पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी पंचायत ने उल्लेखनीय कार्य किए हैं। तालाबों के संरक्षण, गंदे पानी को रोकने के लिए फिल्टर चौंबर निर्माण, अमृत सरोवर योजना के तहत जलाशयों के पुनर्जीवन तथा व्यापक पौधारोपण अभियान से भूजल स्तर सुधारने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिला है।ग्रामीणों के स्वास्थ्य और फिटनेस को ध्यान में रखते हुए गांव के खेल मैदान में आधुनिक ओपन जिम स्थापित किया गया है। इससे युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को गांव में ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं।प्रदेश सरकार महिलाओं की भागीदारी को भी पंचायत शासन में मजबूत कर रही है। महिला जनप्रतिनिधियों को प्रशासन, वित्तीय प्रबंधन और डिजिटल प्रणालियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वहीं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को बैंकिंग और सामुदायिक संपत्तियों के प्रबंधन से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है।सरकार के अनुसार ग्राम पंचायत विकास योजना के माध्यम से पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य, सौर ऊर्जा, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप प्रदेश की अनेक ग्राम पंचायतों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान भी प्राप्त हुए हैं।

सरकार का कहना है कि ग्राम पंचायत कुशलिया का मॉडल जनभागीदारी, पारदर्शी कार्यप्रणाली और नवाचार के माध्यम से ग्रामीण विकास की नई दिशा दिखाता है।

बीबीएयू में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ, 'विकसित भारत-2047' के लिए शिक्षा, नवाचार और उद्यमिता पर मंथन

लखनऊ, (आरएनएस)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के प्रबंध अध्ययन विभाग की ओर से बुधवार को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 रू विकसित भारत के लिए शिक्षा में परिवर्तन और उत्कृष्टता को बढ़ावा' विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। संगोष्ठी में शिक्षा, नवाचार, अनुसंधान, उद्यमिता और विकसित भारत–2047 के निर्माण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की गई।कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमरपाल सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस, मुंबई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीपक कुमार लल्ला, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड कॉमर्स के संकायाध्यक्ष प्रो. अमित कुमार सिंह तथा कार्यक्रम समन्वयक प्रो. तरुणा भी मंचासीन रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। विश्वविद्यालय कुलगीत के बाद अतिथियों का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. तरुणा ने संगोष्ठी की रूपरेखा और उद्देश्यों की जानकारी दी।अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 विकसित भारत–2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि व्यक्ति को स्वयं को पहचानने, समाज एवं राष्ट्र के हित में कार्य करने तथा एक उत्तरदायी नागरिक बनने के लिए भी प्रेरित करनी चाहिए। उन्होंने नवाचार, उद्यमिता, विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा अनुसंधान को विकसित भारत की आधारशिला बताते हुए युवाओं से रोजगार तलाशने के बजाय रोजगार सृजित करने वाला बनने का आह्वान किया। साथ ही समाज की वास्तविक समस्याओं पर आधारित शोध को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।मुख्य अतिथि प्रो. अमरपाल सिंह ने कहा कि युवा राष्ट्र निर्माण के सबसे प्रभावी माध्यम हैं।

बच्चों में देशप्रेम और नैतिकता जगाना सबसे बड़ी जरुरत- न्यायमूर्ति नीरज

प्रयागराज। भारत भाग्य विधाता और शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में विद्यालयों में बालक बालिकाओं के अंदर राष्ट्र प्रेम और नैतिकता जागृत हो इसके लिए चलाए जा रहे कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए न्यायमूर्ति नीरज तिवारी ने कहा कि आज की सबसे बड़ी जरूरत बालक और बालिकाओं के अंदर देशप्रेम और नैतिकता जगाना है।जीजीआईसी में आयोजित शहर के प्रधानाचार्यों की बैठक में बोलते हुए न्यायमूर्ति तिवारी ने कहा कि इस कार्यक्रम को शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में भी ले जाना चाहिए।भारत भाग्य विधाता के मार्गदर्शक सदस्य प्रो. के बी पांडेय पूर्व अध्यक्ष लोकसेवा ने बताया कि हम पहले नैतिकता अपने घर के बड़े बुजुर्गों से सीखते थे ,आज जेन जी के जमाने में बहुत कुछ बदल रहा है। ऐसे में भारत भाग्य विधाता का यह कार्यक्रम अत्यंत प्रभावी होगा। बच्चों के अंदर आजाद गाथा सुनकर देश प्रेम और नैतिकता को प्रेरित करेगा।

ष्आजादी चाहने वालों की आजाद गाथाष के संयोजक और गाथा सुनाने वाले वीरेन्द्र पाठक ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला और बताया कि चंद्रशेखर आजाद सहित प्रयागराज के शहीदों की कहानी को गत वर्ष भी बच्चों के बीच सुनाया गया था। इसका सकारात्मक परिणाम रहा। इस वर्ष भी खास तौर पर शहीदों के चरित्र को बच्चों को सुनाया जाएगा। जिससे उनके अंदर भी चंद्रशेखर आजाद व उन बलिदानियों की तरह देश प्रेम के लिए भाव जागृत हो। इस अवसर पर सह जिला विद्यालय निरीक्षक जितेन्द्र सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। जीजीआईसी की प्रधानाचार्य नीलम मिश्रा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए प्रधानाचार्य की ओर से इस तरह के कार्यक्रम को प्रोत्साहित करने का आश्वासन दिया।

हाई कोर्ट ने स्थागित किया अध्यक्ष राजस्व परिषद का आदेश

प्रयागराज। अध्यक्ष राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश के विवादित 3 जुलाई एवं 8 जुलाई के आदेश को लेकर बार एसोसिएशन बोर्ड आंफ रेवेन्यू के अधिवक्ता विगत कई दिनो से अंदोलित थे। उसे आज इलाहाबाद उच्च न्यायालय की पीठ में स्थापित कर दिया।

बार एसोसिएशन बोर्ड ऑफ रेवेन्यू की ओर से अधिवक्ता उमंग श्रीवास्तव ने अध्यक्ष राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ के आदेश 3 जुलाई के तीन सदस्यीय पीठ एवं 8 जुलाई जिसमें 5 सदस्यीय पीठ के गठन को चुनौती दी थी। उक्त याचिका मैं बार एसोसिएशन बोर्ड ऑफ रेवेन्यू की तरफ से सीनियर अधिवक्ता अनुपम कुलश्रेष्ठ ने अपनी दलीलें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कीं। अध्यक्ष राजस्व परिषद की ओर से एडिशनल एडवोकेट जनरल मनीष गोयल चीफ स्टैंडिंग काउंसिल जे० एन मौर्य को विधिवत सुनकर नयायालय ने राजस्व परिषद के आदेश को स्थगित करते हुए अग्रिम सुनवाई हेतु 25 अगस्त की तिथि निर्धारित की है। उपरोक्त आदेश की खबर सुनते ही राजस्व परिषद के अधिवक्ताओं मैं खुशी जाहिर करते हुए न्यायालय के आदेश का स्वागत किया है। बार एसोसिएशन के कार्यवाहक अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, महासचिव अनिरुद्ध शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता हरिश्चंद्र सिंह, संतोष कुमार तिवारी, सुरेंद्र कुमार, अरुणेश खरे, राजेश प्रताप सिंह समेत सैकडों अधिवक्ताओं ने न्यायालय के आदेश का स्वागत किया है। संयुक्त सचिव प्रेस सुरेंद्र कुमार ने कहां है कि न्यायालय के इस आदेश से अधिवक्ताओं के साथ–साथ प्रदेश भर के गरीब बाक्कारियों की जीत हुई है। बार एसोसिएशन बोर्ड आफ रेवेन्यू के पदाधिकारियो ने भी न्यायालय के आदेश पर खुशी जाहिर की है। सयुक्त सचिव लाइब्रेरी सूर्यकांत शर्मा मोनू, वरिष्ठ कार्यकारी सदस्य राजेश श्रीवास्तव, कृष्ण मुरारी त्रिपाठी, शरद पांडे, पूर्व महासचिव पंकज श्रीवास्तव मनीष कुमार पांडे पूर्व अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार सिंह ए पी सिंह समेत सैकड़ो अधिवक्ताओं ने माननीय न्यायालय के आदेश की सराहना की है।

सपा कार्यालय में मनाई गई स्व जनेश्वर मिश्र उर्फ छोटे लोहिया की जयंती

प्रयागराज। समाजवादी नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व जनेश्वर मिश्र उर्फ छोटे लोहिया की जयंती आज समाजवादी पार्टी कार्यालय में मनाई गई। सपा नेताओं ने उनके चित्र पर फूल माला अर्पित कर नमन किया तदुपरान्त गोष्ठी आयोजित कर उनके विचारों, संघर्षों पर चर्चा की गई।सपा जिला अध्यक्ष गंगापार अनिल यादव, यमुनापार अध्यक्ष पप्पू लाल निषाद एवं महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन ने स्व जनेश्वर मिश्रा को समाजवाद का पुरोधा बताते हुए कहा कि बलिया के छोटे से गांव में जन्मे जनेश्वर जी ने इलाहाबाद में उच्च शिक्षा हासिल की और अपनी राजनैतिक कर्म भूमि भी बनाया। डॉ राम मनोहर लोहिया जी के पदचिन्हों पर चलते हुए पूरा जीवन समाज के शोषितों, वंचितों के उत्थान के लिए समर्पित कर देने के कारण ही उन्हें छोटे लोहिया की उपाधि दी गई।वक्ताओं ने कहा कि उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। युवा पीढ़ी को उनके विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिए।सपा प्रवक्ता दान बहादुर मधुर ने कहा कि छोटे लोहिया की जयंती मनाने के लिए लखनऊ के ऐतिहासिक पार्क में अनुमति न देना भाजपाई सरकार की कुंठित एवं संकीर्ण मानसिकता है। एक महीने पूर्व से ही प्रस्तावित कार्यक्रम को अनुमति न देना सरकार की घबराहट साबित होती है। मेजा के भड़ेवरा में सपा के प्रदेश सचिव नरेन्द्र सिंह ने कार्यक्रम आयोजित कर जयंती मनाई। इस मौके पर पूर्व विधायक सत्यवीर मुन्ना, पंधारी यादव, रविन्द्र यादव एडवोकेट, तहजीब अली, मो सुएब, महबूब उस्मानी, वजीर खान, दिलीप उर्फ बबलू सोनी, संतोष यादव, बब्बन दुबे, देवीलाल यादव, अजय यादव, रंग बहादुर पटेल, मकबूल हाशमी आदि मौजूद रहे।

इस्लाम जिन्दा होता है हर करबोबला के बाद

प्रयागराज। वारसी कमेटी की तरफ से कमेटी के अध्यक्ष हजरत मौलाना मोहम्मद आरिफ वारसी, दरगाह मुतवल्ली ने चेहल्लुम के कार्यक्रम के मौके पर दरगाह हजरत सैय्यद रौशन अली शाह (र०अ०) के मकाम पर हजरत इमामे हसन हजरत इमामे हुसैन आली मकाम की शहादत को याद करते हुए और करबोबला के उन 72 जांनशीन शहीदों की शहादत मैदाने करबोबला के उस मंजर को याद करके आंखें नम हुईं।

अध्यक्ष ने शहीदे आजम इमामे आली मकाम की बारगाह में नजरे पजतन पाक पेश करते हुए सभी जायरीन व सदस्यगण सभी पदाधिकारीगण शामिल रहे और इस नजरे पंजतन पाक में सभी जाति धर्म व मजहब के लोग शामिल रहे। इस अवसर पर पंजतन पाक में इमामे आली मकाम की बारगाह में अमन चौन व शान्ति और मुल्क की खुशहाली और तरक्की की दुआयें की गयीं जिसमें हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई वगैरह सभी जाति धर्म के लोग नजरे पंजतन पाक में शिरकत किये और शहीदाने करबोबला के उस मंजर को फिर से याद किया और एकता की मिसाल कायम किया। अध्यक्ष मौलाना मो० आरिफ वारसी ने वहां उपस्थित सभी लोगों के साथ मिलकर नारा बुलन्द किया। बाद नजर के दरगाह हजरत सैय्यद रौशन अली शाह के गेट के बाहर पेश किया हुआ।पंजतनी शरबत अध्यक्ष ने अपने हाथों से सभी धर्म मजहब के लोगों को लंगर किया। अध्यक्ष के साथ सभी पदाधिकारी व सदस्यगण और तमाम लोग शामिल रहे। इस नजर में शामिले हाल लोग एवं पदाधिकारी तथा सदस्यगण इस्लाम उल्ला वारसी, अरूण कुमार कुशवाहा, इकबाल अहमद वारसी, संगम मिश्रा वारसी, गुलाम निजामउद्दीन वारसी (अयान), खुशहाल सिंह वारसी, मो० नसीम वारसी, राधा कनौजिया वारसी, गौसिया हबीबी, अनीसा बेगम वारसी, अनामिका शर्मा वारसी, इन्तेशा फात्मा वारसी, मो० निजामउद्दीन वारसी (शेरू), शनिपाल वारसी, अफसार अहमद वारसी (पप्पू), अमित कुमार वारसी (एडवोकेट), अन्सार अहमद वारसी, शेष कुमार जायसवाल वारसी, बृजेश बृजेश कुमार केसरवानी वारसी एडवोकेट, मो० आसिफ वारसी (सोनू), हिना खान वारसी, गुड्डू वारसी आदि शामिल रहे ।

लगातार बारिश से शहर में हुआ जलभराव

सड़कें लबालब, नाले उफनाये, 10 करोड़ खर्च के बाद भी शहर का कई इलाका डूबा

प्रयागराज। मंगलवार देर रात से शुरू हुई लगातार बारिश बुधवार सुबह भी जारी रही जिसके कारण शहर के कई प्रमुख और निचले इलाकों में व्यापक जलभराव हो गया। इससे नगर निगम की ओर से 10 करोड़ रुपये की लागत से नालों की सफाई के दावों की पोल खुल गई। सबसे अधिक जलभराव करेली क्षेत्र के मक्का मस्जिद, गौस नगर और जार्जटाउन इलाके में है। इसके अलावा नेता गली, मदीना कॉलोनी और राजू हलवाई वाली गली में पानी भरा है। इसके अतिरिक्त, चौफटका, खुल्दाबाद के अखबरपुर, दारागंज, अल्लापुर, कटरा, सिविल लाइंस, टैगोर टाउन, नैनी, झुंसी और पुराने कैंट क्षेत्र की सड़कों व गलियों में भी पानी भर गया।

सिविल लाइंस थाना, महिला थाना और जार्जटाउन थाना परिसर तक पानी पहुंच गया, जिससे कई कॉलोनियों में घरों और दुकानों के बाहर जलजमाव से लोगों को परेशानी हुई। जलभराव के कारण शहर की यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई। सिविल लाइंस, धरना स्थल, महिला थाना, सिविल लाइंस थाना, स्टेशन रोड, कटरा, दारागंज और करेली की प्रमुख सड़कों पर वाहनों की आवाजाही धीमी पड़ गई। दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों, स्कूली छात्रों और बाजार जाने वाले लोगों को घुटनों तक पानी से गुजरना पड़ा। कई दोपहिया वाहन पानी में बंद हो गए, जिन्हें लोगों को धक्का लगाकर निकालना पड़ा। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बारिश के दौरान हर साल ऐसी ही स्थिति होती है, लेकिन इसका कोई स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। नगर निगम प्रतिवर्ष नालों की सफाई पर करोड़ों रुपये खर्च करने का दावा करता है, फिर भी पहली तेज बारिश में ही शहर के प्रमुख इलाके जलमग्न हो जाते हैं। यह दर्शाता है कि या तो सफाई कार्य प्रभावी ढंग से नहीं हुआ है, या जल निकासी व्यवस्था में अभी भी गंभीर खामियां मौजूद हैं।

तेजी से बढ़ रहा गंगा-यमुना का जलस्तर

प्रयागराज। प्रयागराज में लगातार हो रही बारिश का असर अब गंगा और यमुना के जलस्तर पर भी दिखने लगा है। बुधवार को सुबह 8 बजे जारी बाढ़ नियंत्रण कक्ष की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 24 घंटे में दोनों नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

यमुना के नैनी में 18 सेंटीमीटर, गंगा के फाफामऊ में 31 सेंटीमीटर और छतनाग में 14 सेंटीमीटर जलस्तर बढ़ा है। हालांकि दोनों नदियां अभी खतरे के निशान 84.734 मीटर से काफी नीचे बह रही हैं और फिलहाल बाढ़ जैसी स्थिति नहीं है।बाढ़ नियंत्रण कक्ष के आंकड़ों के अनुसार बुधवार सुबह 8 बजे नैनी में यमुना का जलस्तर 74.96 मीटर दर्ज किया गया, जो पिछले दिन के 74.78 मीटर के मुकाबले 18 सेंटीमीटर अधिक है। वहीं फाफामऊ में गंगा 78.32 मीटर पर पहुंच गई है। मंगलवार के 78.01 मीटर के मुकाबले यहां 31 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई। छतनाग में गंगा का जलस्तर 74.59 मीटर रहा, जो पिछले दिन के 74.45 मीटर से 14 सेंटीमीटर अधिक है।पिछले कुछ दिनों से पहाड़ी और ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में हो रही बारिश का असर अब प्रयागराज में दिखाई देने लगा है। लगातार बारिश के कारण नदियों का जलस्तर धीरे–धीरे बढ़ रहा है। संगम क्षेत्र और आसपास के घाटों के निचले हिस्सों में भी पानी पहुंचने लगा है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए घाट किनारे दुकान लगाने वाले लोग अपना सामान सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहे हैं।

शिक्षा, संस्कार, नवाचार और तकनीक का संगम हैं नवोदय विद्यालय- कृष्ण कुमार यादव

प्रयागराज। नवोदय विद्यालय फाउंडेशन डे का आयोजन पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, हाथीजन में आज को किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि रूप में उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने प्राचार्य आरके दीक्षित और अन्य अतिथियों संग दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा मणिपुरी नृत्य, गरबा, देश भक्ति गीत सहित तमाम सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए। नवोदय विद्यालय के पुरा छात्र, संप्रति पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि एक सरकारी संस्था होने के बावजूद नवोदय विद्यालयों ने उत्कृष्ट शिक्षा, श्रेष्ठ परीक्षा परिणामों और सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के बल पर देश में विशिष्ट स्थान प्राप्त किया है। आज नवोदय से निकली प्रतिभाएं राजनीति, प्रशासन, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, शिक्षा, सेना, व्यवसाय, उद्यमिता और सामाजिक सेवा सहित अनेक क्षेत्रों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहरा रही हैं। श्हमीं नवोदय हेंश की भावना के साथ आज नवोदय एक ब्रांड बन चुका है। नवोदय फाउंडेशन डे पर आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में मानव व मयूर ठाकोर को प्रथम, मुद्रा को द्वितीय एवं वेद परमार को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य आर. के. दीक्षित ने कहा कि नवोदय विद्यालय का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के मेधावी विद्यार्थियों को उनकी सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि से परे गुणवत्तापूर्ण आधुनिक शिक्षा

सुबह 8 बजे तक शहर पूरी तरह साफ चाहिए, नहीं तो होगी कार्रवाई, नगर आयुक्तओजस्वी राज का सख्त अल्टीमेटम

(मथुरा)

मथुरा–वृंदावन नगर निगम के नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने मंगलवार को नगर निगम में अधीनस्थ अधिकारियों, सफाई निरीक्षकों और संबंधित एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक कर शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रतिदिन सुबह 8 बजे से पहले शहर के सभी डलाव घरों और गार्बेज वल्नरेबल प्वाइंट (जीवीपी) से कूड़े का उठान और सफाई का कार्य हर हाल में पूरा होना चाहिए। समयसीमा का पालन नहीं होने पर संबंधित अधिकारी, कर्मचारी और एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में नगर आयुक्त ने सभी सफाई निरीक्षकों को अपने–अपने क्षेत्रों का नियमित निरीक्षण करने और सफाई व्यवस्था की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वार्ड के डलाव घरों को चिन्हित कर उनकी नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। यदि किसी क्षेत्र में कोई समस्या आती है तो उसकी जानकारी तत्काल उच्चाधिकारियों को दी जाए, लेकिन लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नगर आयुक्त ने सभी चिन्हित डलाव घरों का सटीक लोकेशन सहित विस्तृत विवरण एक्सेल शीट में तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि सफाई व्यवस्था की नियमित समीक्षा की जा सके। उन्होंने सफाई कर्मियों की उपस्थिति पर भी जोर देते हुए कहा कि सभी कर्मचारी निर्धारित यूनिफॉर्म, पहचान पत्र, लॉग बुक और उपस्थिति पंजिका के साथ ड्यूटी पर मौजूद रहें।

बैठक में नेचर किंग कंपनी के प्रतिनिधि को भी तलब कर सुबह 8 बजे से पहले कूड़ा उठान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त ने साफ कहा कि यदि तय समय पर सफाई और कूड़ा उठान नहीं हुआ तो जिम्मेदार अधिकारियों, कर्मचारियों और संबंधित एजेंसी के खिलाफ कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। बैठक के अंत में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए गए।

प्रतिबंधित लकड़ियों की खुलेआम खरीद-फरोख्त ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर उठाए बड़े सवाल

बल्दीराय/सुल्तानपुर। ६ानपतगंज क्षेत्र में वन विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में चार अवैध आरा मशीनों पर छापेमारी कर उपकरण जब्त किए गए तथा संचालकों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया। विभाग की इस कार्रवाई को अवैध कारोबार पर शिकंजा कसने की पहल बताया जा रहा है, लेकिन इस कार्रवाई ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर कई और गंभीर सवाल भी खड़े कर दिए हैं। ६ानपतगंज में आरा मशीनों पर हुई कार्यवाई तो बल्दीराय क्षेत्र और हलियापुर क्षेत्र के आरा मशीनों को बरदान क्यों ?

बल्दीराय और हलियापुर के आसपास के क्षेत्रों में वर्षों से संचालित अनेक आरा मशीनों पर प्रतिबंधित प्रजातियों की लकड़ियां, विशेषकर आम, महुआ तथा अन्य मूल्यवान वृक्षों की लकड़ी खुलेआम देखी जाती रही है। यदि शासन के नियमों के अनुसार इन पेड़ों के कटान पर प्रतिबंध है और बिना अनुमति कटान अपराध की श्रेणी में आता है, तो फिर इन लकड़ियों का स्रोत क्या है? यह सवाल आम जनता के साथ–साथ पर्यावरण प्रेमियों के बीच भी चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि वन विभाग की मिलीभगत और संरक्षण के बिना इतना बड़ा कारोबार संभव नहीं है। यदि समय–समय पर प्रभावी निरीक्षण और सख्त निगरानी होती, तो अवैध लकड़ियों का भंडारण और कारोबार इतने लंबे समय तक नहीं चल सकता था। क्षेत्रवासियों का कहना है कि केवल मशीनें जब्त कर मुकदमा दर्ज करना पर्याप्त नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि प्रतिबंधित लकड़ियों की खरीद–बिक्री की पूरी श्रृंखला की निष्पक्ष जांच कराई जाए। यह भी पता लगाया जाए कि लकड़ी किन स्थानों से काटी गई, किसके संरक्षण में परिवहन हुआ और किन अधिकारियों की लापरवाही या मिलीभगत से यह अवैध कारोबार फलता–फूलता रहा है।

2 करोड़ की हेरोइन के साथ अलीगढ़ के दो तस्कर गिरफ्तार, स्कूटी बरामद

(मथुरा)

नशे के काले कारोबार के खिलाफ मथुरा में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स आगरा जोन और हाईवे थाना पुलिस को सफलता मिली है। दोनों टीमों की संयुक्त कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम ने दो अंतरजनपदीय ड्रग तस्करों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से लगभग एक किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 2 करोड़ रुपये बतायी जा रही है।मिली जानकारी के अनुसार कल देर रात एएनटीएफ ऑपरेशन यूनिट आगरा जोन के सीओ उमेशपवार और सीओ रिफाइनरी

प्रवीण तिवारी के निर्देशन में पुलिस टीम मंडी क्षेत्र में चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान स्कूटी संख्या यूपी 81 डीएफ 0865 पर आ रहे दो युवकों की गतिविधियां संदिग्ध लगीं।पुलिस ने पालीखेड़ा चौराहे के पास घेराबंदी कर जब उन्हें रोककर तलाशी ली, तो उनके पास से 1 किलो 172 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने तुरंत दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया और घटना में इस्तेमाल की जा रही स्कूटी को भी जब्त कर लिया। पकड़े गए तस्करों की पहचान अलीगढ़ के ऊपरकोट कोतवाली क्षेत्र के रहने वाले इमरान पुत्र सिराज और शहबाज

पुत्र परवेज के रूप में हुई है। कड़ाई से की गई पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि वे यह हेरोइन की खेप कासगंज से लाए थे और मथुरा में इसे सप्लाई करने की योजना थी। हालांकि, डिलीवरी देने से पहले ही वे पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पुलिस ने दोनों तस्करों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।फिलहाल पुलिस पकड़े गए आरोपियों से यह पता लगाने में जुटी है कि कासगंज में यह माल उन्हें किसने सौंपा था और मथुरा में इसकी डिलीवरी किसे दी जानी थी। इस पूरे ड्रग नेटवर्क की जड़ों तक पहुंचने के लिए आगे की छानबीन जारी है।

छात्रों की गूंज कार्यक्रम की तैयारियां तेज, बैठक कर कांग्रेस ने बनाई रणनीति

युवाओं के अधिकारों और आवाज को मिलेगी नई दिशा रू अभिषेक सिंह राणा

सुल्तानपुर। आगामी 8 अगस्त को प्रयागराज के के.पी. ग्राउंड में आयोजित होने वाले छात्रों की गूंज कार्यक्रम में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आगमन को लेकर बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में एक महत्वपूर्ण तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने की। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, संगठनात्मक जिम्मेदारियों, जनसंपर्क अभियान तथा जिले से अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं, छात्र–युवाओं एवं आमजन की सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान विभिन्न ब्लॉकों, नगर इकाइयों एवं न्याय पंचायत स्तर पर जिम्मेदारियां तय करते हुए सभी पदाधिकारियों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि प्रयागराज में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम युवाओं की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती देने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने सभी कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों से आह्वान किया कि वे अपने–अपने क्षेत्रों से अधिक से अधिक छात्रों युवाओं को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रेरित करें, ताकि सुल्तानपुर जिले की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी छात्रों, युवाओं, बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं सहित देश के ज्वलंत मुद्दों पर सीधे संवाद करेंगे। ऐसे में यह कार्यक्रम युवाओं की उम्मीदों और उनके अधिकारों की आवाज को बुलंद करने का एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।

विप्रा ने अवैध रूप से विकसित कॉलोनीयों के प्रति की बड़ी कार्यवाही

कोसी और नन्द गाँव रोड पर अवैध रूप से विकसित 2 कश्लोनीयां पर चला विप्रा का बुलडोजर

(घ्मथुरा)

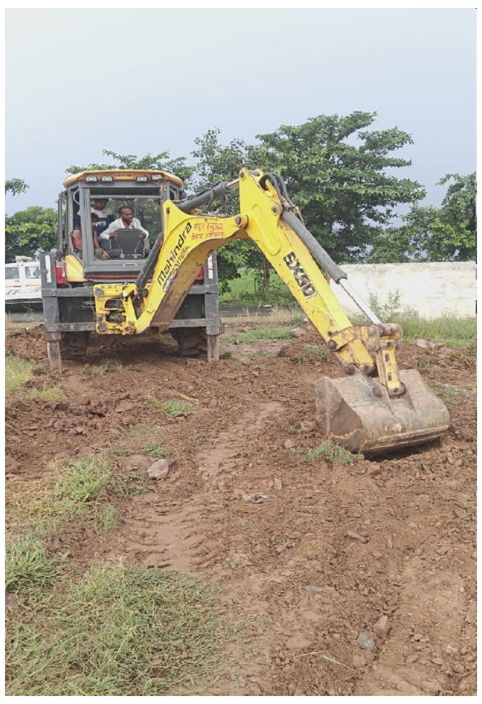

मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण ने अवैध प्लाटिंग और बिना मानचित्र स्वीकृत कराए अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनियों के खिलाफ बुधवार को अब तक की सबसे बड़ी ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की। विप्रा की उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन के निर्देशन और सचिव आशीष कुमार सिंह के नेतृत्व में प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने भारी पुलिस बल और बुलडोजर के साथ कोटवन–कोसी राष्ट्रीय राजमार्ग एवं नंदगांव रोड क्षेत्र में छापा मारकर लगभग 14,500 वर्ग मीटर (करीब 3.5 एकड़) में बसाई जा रही दो अनाधिकृत कॉलोनियों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

घ्कोटवन–कोसी हाईवे पर 10,000 वर्ग मीटर भूमि पर घ्दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के सामने, कोटवन (कोसी राष्ट्रीय राजमार्ग) पर लगभग 10 हजार वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बिना अनुमति भूमि का सब–डिवीजन कर तथा जी.एस.बी. रोड का निर्माण कर अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही थी। घ्उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 की धाराओं के तहत वाद संख्या योजित किया गया था। सुनवाई के बाद प्राधिकरण द्वारा 13 मार्च 2026 को ही ध्वस्तीकरण के अंतिम आदेश पारित कर दिए गए थे।

घ्दूसरा मामला नंदगांव रोड पर 4,500 वर्ग मीटर की कॉलोनी जमींदोज करने का है। बठैन रोड जांव गांव ६ नंदगांव रोड पर श्याम लाल द्वारा लगभग 4,500 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में अवैध रूप से सड़क, नालियां व विद्युत पोल गाड़कर कॉलोनी विकसित की जा रही थी। घ्इस मामले में 23 जून 2026 को ध्वस्तीकरण का आदेश दिया गया था।

घ्प्राधिकरण द्वारा नियत अवधि में विकासकर्ताओं को अवैध निर्माण खुद हटाने का मौका दिया गया था, किंतु भू–माफियाओंध्डेवलपर्स द्वारा अनाधिकृत निर्माण नहीं हटाया गया। इसके क्रम में बुधवार को प्राधिकरण के प्रवर्तन दल ने मौके पर पहुंचकर दोनों कॉलोनियों की सड़कों, विद्युत पोलों, ड्रेन व निर्माण कार्यों को ध्वस्त कर पूरी जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त करा लिया।

६ उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन का कहना है कि ६"प्राधिकरण क्षेत्र में बिना ले–आउट स्वीकृत कराए अवैध कॉलोनाइजिंग किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अवैध कॉलोनियों एवं अनाधिकृत निर्माणों के विरुद्ध यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

सपा के बैनर तले हुआ निषाद महासम्मेलन

सुलतानपुर। लम्भुआ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बाबा भूतनाथ धाम, धनहुआ मुरारचक में श्रीकांत निषाद के नेतृत्व में निषाद जागरूकता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में निषाद समाज के लोगों एवं समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर सामाजिक, शैक्षिक एवं राजनीतिक जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लम्भुआ विधानसभा के संभावित प्रत्याशी शिक्षक श्यामलाल निषाद गुरूजी ने अपने संबोधन में कहा कि दूसरों को पार लगाने वाले निषाद समाज के विकास की नाव आज भंवर में फंसी हुई है।

गड्ढामुक्तसड़क के दावों की खुली पोल, शासन की मंशा पर विभागीय लापरवाही भारी

बल्दीराय/सुल्तानपुर। तहसील क्षेत्र का लँगड़ी बाजार–विसावां मार्ग इन दिनों बदहाल व्यवस्था और विभागीय उदासीनता की जीती–जागती तस्वीर बन गया है। सड़क पर बड़े–बड़े गड्ढे, कीचड़, जलभराव और फुटपाथ पर उगी झाड़ियां राहगीरों व स्कूली छात्रों के लिए रोजाना खतरा बन चुकी हैं। सरकार द्वारा चलाए जा रहे षगड्ढामुक्त सड़क अभियानष के दावों की इस मार्ग पर पूरी तरह पोल खुलती दिखाई दे रही है।

छात्रों की सुरक्षा भगवान भरोसे

लँगड़ी बाजार में हनुमत जूनियर हाई स्कूल, मंगला प्रसाद इंटर कॉलेज और महाराणा प्रताप विद्यालय स्थित हैं। प्रतिदिन लगभग आधा दर्जन ग्राम सभाओं के सैकड़ों छात्र–छात्राएं इसी मार्ग से विद्यालय आते–जाते हैं। सड़क पर फैले कीचड़ और गहरे गड्ढों के कारण बच्चों को जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ रहा है। बरसात के दौरान गड्ढों में भरा पानी दुर्घटनाओं की आशंका और बढ़ा देता है।पीडब्ल्यूडी और ग्राम पंचायत दोनों सवालों के घेरे में

सड़क की मरम्मत और रखरखाव की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग की है, लेकिन लंबे समय से सड़क की मरम्मत नहीं होने से विभागीय कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं बाजार क्षेत्र में सड़क किनारे नालियों का निर्माण न होने से बारिश का पानी सड़क पर भर जाता है, जिससे कीचड़ और जलभराव की समस्या विकराल हो गई है। इससे ग्राम पंचायत और संबंधित जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली भी कटघरे में है।

फुटपाथ पर झाड़ियां, पैदल चलना भी मुश्किल सड़क किनारे बने फुटपाथों पर झाड़ियां और घास उग आने से पैदल चलने वालों को मजबूरन सड़क पर उतरना पड़ता है। तेज रतार वाहनों के बीच यह स्थिति कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो झाड़ियों की सफाई कराई गई और न ही सड़क की मरम्मत।शासन की मंशा पर भ्रष्ट तंत्र भारीप्रदेश सरकार लगातार सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने, गुणवत्तापूर्ण निर्माण और नियमित रखरखाव के निर्देश जारी कर रही है। इसके बावजूद ६ारातल पर जिम्मेदार अधिकारी इन आदेशों को गंभीरता से लागू नहीं कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क मरम्मत के नाम पर बजट तो खर्च दिखाया जाता है, लेकिन वास्तविक कार्य नजर नहीं आता। यदि समय रहते सड़क की मरम्मत, नाली निर्माण और झाड़ियों की सफाई नहीं कराई गई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।जनता की मांगक्षेत्रवासियों ने जिलाधिकारी, लोक निर्माण विभाग और संबंधित अधिकारियों से लँगड़ी बाजार –विसावां मार्ग की तत्काल मरम्मत, जलनिकासी के लिए नालियों का निर्माण तथा फुटपाथ से झाड़ियों की सफाई कराने की मांग की है, ताकि छात्रों, किसानों और आम राहगीरों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।

जहरीले जंतु के काटने से महिला की मौत, मचा कोहराम

कुड़वार थाना क्षेत्र के सोहगौली गांव से जुड़ा मामला

कुड़वार/सुल्तानपुर। सुबह पशुओं को चारा देने गई अधेड़ महिला को जहरीले जंतु ने काट लिया। गंभीर हालत में परिजन लेकर जिला मेडिकल कालेज पहुंचे। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। परिजनो की सूचना पर स्थानीय पुलिस ने विधिक कार्यवाही की।

बुधवार को स्थानीय थाना क्षेत्र सोहगौली गांव निवासी केश कुमारी(50) पत्नी राम करन यादव हर दिन की तरह पशुओं को चारा देने गई। जहां उन्हें किसी जहरीले जंतु ने काट लिया। हालत गंभीर होने के बाद परिजन लेकर जिला मेडिकल कॉलेज गए।जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। मृतक घोषित होने के बाद परिजन शव लेकर अपने घर चले आए। जिसकी सूचना परिजनो ने स्थानीय पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मृतका की तीनों बेटियों राजकुमारी, लालजी व कमला की शादी हो चुकी है। जबकि बेटे अमित यादव व राम विशाल यादव अविवाहित है। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। राजस्व निरीक्षक शिव प्रसाद ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है क्षेत्रीय लेखपाल से रिपोर्ट मंगाई गई है। जिससे परिवार को सांत्वना राशि दिलाई जा सके। प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि सूचना पर शव का पंचनामा करके मर्चरी भेज दिया गया है। रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

बच्चों में देशप्रेम और नैतिकता जगाना सबसे बड़ी जरूरत -न्यायमूर्ति नीरज

विजडम इंडिया

प्रयागराज (विनोद द्विवेदी जिला संवाददाता) भारत भाग्य विधाता और शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में विद्यालयों में बालक बालिकाओं के अंदर राष्ट्र प्रेम और नैतिकता जागृत हो इसके लिए चलाए जा रहे कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए न्यामूर्ति नीरज तिवारी ने कहा कि आज की सबसे बड़ी जरूरत बालक और

बालिकाओं के अंदर देशप्रेम और नैतिकता जगाना है।

जीजीआईसी में आयोजित शहर के प्रधानाचार्यों की बैठक में बोलते हुए न्यायमूर्ति तिवारी ने कहा कि इस कार्यक्रम को शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में भी ले जाना चाहिए।

भारत भाग्य विधाता के मार्गदर्शक सदस्य प्रो. के बी पांडेय पूर्व अध्यक्ष लोकसेवा ने बताया कि हम पहले नैतिकता अपने घर के बड़े बुजुर्गों से सीखते थे ,आज जेन जी के जमाने में बहुत कुछ बदल रहा है। ऐसे में भारत भाग्य विधाता का यह कार्यक्रम अत्यंत प्रभावी होगा। बच्चों के अंदर आजाद गाथा सुनकर देश प्रेम और नैतिकता को प्रेरित करेगा।

ष्आजादी चाहने वालों की आजाद गाथाष के संयोजक और गाथा सुनाने वाले वीरेन्द्र पाठक ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला और बताया कि चंद्रशेखर आजाद सहित प्रयागराज के शहीदों की कहानी को गत वर्ष भी बच्चों के बीच सुनाया गया था। इसका सकरात्मक परिणाम रहा। इस वर्ष भी खास तौर पर शहीदों के चरित्र को बच्चों को सुनाया जाएगा। जिससे उनके अंदर भी चंद्रशेखर आजाद व उन बलिदानियों की तरह देश प्रेम के लिए भाव जागृत हो।

सह जिला विद्यालय निरीक्षक जितेन्द्र सिंह ने कहा कि विद्यालयों में ष्संस्कृति एवं विरासत क्लबष के जरिए यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जेन जी के बच्चों के अंदर उन महान विभूतियों की कहानी को बताना एकमात्र उद्देश्य है कि भारतीय संस्कृति कैसी थी । आज लोग प्रधानमंत्री को गाली दे देते हैं, क्या वह अपने घर के माता–पिता को भी गाली देंगे ? और फिर यही रवैया क्या वह विद्यालय में अपने अध्यापक और प्रधानाध्यापक के साथ कर सकते हैं। बालक बालिकाएं नैतिक हो, अच्छा आचरण करें इसका यह प्रयास है।

ष्चलो कुछ अच्छा करेंष्. अभियान की व्याख्या सुनीता मिश्रा ने की।

इस अवसर पर जीजीआईसी की प्रधानाचार्य नीलम मिश्रा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए प्रधानाचार्य की ओर से इस तरह के कार्यक्रम को प्रोत्साहित करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में शहर के प्रमुख विद्यालयों के प्रधानाचार्य वोडल अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने इस तरीके के कार्यक्रम की उपयोगिता बताते हुए सहयोग का आश्वासन दिया।

पी डी टण्डन भारत रत्न थे उनके नाम को मिटाना उचित नहीं

विजडम इंडिया

प्रयागराज (विनोद द्विवेदी जिला संवाददाता) प्रयागराज के प्रबुद्ध जनों ने आज राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के कार्यों की चर्चा करते हुए उनके नाम पर बने पार्क का नाम बदलना उचित नहीं होगा का प्रस्ताव पारित किया गया। पंडित रामनरेश त्रिपाठी पिंडीवासा की अध्यक्षता में यह

कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें कहा गया कि अमर क्रांतिकारी राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन राजनीति के पुरोधा थे। हिंदी को आज सम्मान उन्हीं की वजह से मिला। साथ ही सामाजिक कार्यों के प्रणेता थे। उनके कारण प्रयागराज में कई संस्थाएं आज भी समाज सेवा के कार्य में लगी हैं जिसमें हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रमुख है।

वक्ताओं ने बताया कि आज हिंदी को जो सम्मान है वह सिर्फ राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की वजह से है। वह राजनीति के पुरोधा थे। लोग उनके साथ रहकर राजनीति सीखते थे। पंडित मोतीलाल नेहरू ने जवाहरलाल नेहरू से कहा था कि अगर राजनीति करनी है तो तुमको टंडन जी के साथ कुछ दिन रहना पड़ेगा।

वक्ताओं ने टंडन जी जैसे ईमानदार लोगों की कहानी सुनाई कि किस तरह से नगर प्रमुख रहते हुए उन्होंने अंग्रेजों के राज में भी अंग्रेज अफसर पर बकाया, होने पर पानी के कर के लिए उनका नल कटवा दिया था।

कार्यक्रम का संचालन डॉ प्रमोद शुक्ला ने किया। पूर्व सभासद खत्री सभा के सदस्य अजय मेहरोत्रा राकेश तिवारी, मणि तत्रिपाठी प्रीती रावत तापस घोष प्रीति रावत, प्रभात मिश्र अंकुर रावत मनोज , कमलेश शुभम पाण्डेय, आदि प्रमुख थे।

एक प्रस्ताव वीरेन्द्र पाठक द्वारा रखा गया कि पीडी टंडन महान व्यक्ति थे उनकी स्मृति में पार्क का नाम रखा गया है। इसे बदला ना जाए । इस हेतु पत्राचार व जन जागरण किया जाएगा, तथा लोगों को पुरुषोत्तम दास टंडन के बारे में अवगत कराया जाएगा।

अध्यक्षता कर रहे हैं रामनरेश त्रिपाठी व अन्य ने सर्वसम्मत से इसे पास किया।

आर्टिकल 370 पर बदजुबानी कर रहे थे जरदारी और शहबाज शरीफ, मोदी ने खुद आगे आकर दिया करारा जवाब

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच श्एक्सश पर अपने संदेश में कहा कि सात वर्ष पहले आज ही के दिन अनुच्छेद 370 और 35ए इतिहास बन गए थे और इसके साथ ही जम्मू–कश्मीर तथा लद्दाख के विकास का नया अध्याय शुरू हुआ।जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने की सातवीं वर्षगांठ पर पाकिस्तान ने एक बार फिर पुराना राग अलापने की कोशिश की, लेकिन उसकी इस बदजुबानी का करारा जवाब खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने साफ शब्दों में कहा कि 5 अगस्त 2019 का ऐतिहासिक फैसला जम्मू–कश्मीर और लद्दाख के लिए एक निर्णायक नए युग की शुरुआत था। उन्होंने दो टूक कहा कि बीते सात वर्षों में इन दोनों क्षेत्रों ने विकास, सुशासन और सामाजिक सशक्तिकरण के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे समय आया, जब पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व ने भारत के इस संवैधानिक फैसले को लेकर फिर से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विवाद खड़ा करने की कोशिश की।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच श्एक्सश पर अपने संदेश में कहा कि सात वर्ष पहले आज ही के दिन अनुच्छेद 370 और 35ए इतिहास बन गए थे और इसके साथ ही जम्मू–कश्मीर तथा लद्दाख के विकास का नया अध्याय शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि वर्षों तक अपने संवैधानिक अधिकारों से वंचित रहे महिलाओं, अनुसूचित वर्गों और अन्य वंचित समुदायों को अब भारतीय संविधान का पूरा संरक्षण और अधिकार मिला है। शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, उद्यमिता और आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है और केंद्र सरकार इन क्षेत्रों को विकसित भारत की यात्रा का मजबूत भागीदार बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि इस वर्ष अनुच्छेद 370 हटाए जाने की वर्षगांठ इसलिए भी विशेष है क्योंकि यह जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के वर्ष में पड़ रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता के लिए डॉ. मुखर्जी ने जिस संकल्प का सपना देखा था, वह 5 अगस्त 2019 को साकार हुआ।दूसरी ओर, पाकिस्तान ने एक बार फिर 5 अगस्त को तथाकथित श्यौम–ए–इस्तेहसालश के रूप में मनाते हुए भारत के खिलाफ बयानबाजी की। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने दावा किया कि भारत ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू–कश्मीर

की विशेष स्थिति को समाप्त कर अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कश्मीर के लोगों को अपना नैतिक, राजनीतिक और कूटनीतिक समर्थन जारी रखेगा तथा इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहेगा।पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी इसी सुर में बयान देते हुए कहा कि जम्मू–कश्मीर विवाद का समाधान पाकिस्तान की विदेश नीति का प्रमुख आधार बना रहेगा। उन्होंने भारत पर मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप लगाए और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप की अपील की। वहीं उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने भी भारत के 5 अगस्त 2019 के फैसले को एकतरफा बताते हुए संयुक्त राष्ट्र से इस मामले में सक्रिय भूमिका निभाने की मांग दोहराई। कुल मिलाकर देखें तो पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व ने एक बार फिर वही पुराने आरोप लगाए, जिन्हें भारत लगातार खारिज करता रहा है।हालांकि पाकिस्तान की यह बयानबाजी इसलिए भी खोखली और दोगली नजर आती है क्योंकि जो देश कश्मीरियों के अधिकारों की दुहाई देता है, वही पाकिस्तान अधिकृत जम्मू–कश्मीर (पीओजेके) में अपने ही कब्जे वाले इलाके के लोगों पर दमनचक्र चला रहा है। हाल ही में खुद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने पीओजेके में आंदोलन कर रहे स्थानीय लोगों को भारत की तरह पाकिस्तान का दुश्मन तक करार दिया। पीओजेके में असीम मुनीर के नेतृत्व वाली पाकिस्तानी सेना के खिलाफ लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, जिन्हें दबाने के लिए बल प्रयोग किया जा रहा है। कई इलाकों में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं, बिजली की आपूर्ति बाधित की गई, राशन और आवश्यक सुविधाओं पर भी असर पड़ा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनकी आवाज को बलपूर्वक कुचला जा रहा है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि जो पाकिस्तान अपने अवैध कब्जे वाले कश्मीर में रहने वाले लोगों के साथ न्याय नहीं कर पा रहा, वह जम्मू–कश्मीर के लोगों की चिंता जताने का नैतिक अधिकार कैसे रखता है? स्पष्ट है कि कश्मीर के नाम पर पाकिस्तान की राजनीति महज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रचार और दुष्प्रचार तक सीमित रह गई है।दूसरी ओर, अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू–कश्मीर में विकास परियोजनाओं को तेज गति मिली है। श्रीनगर को यूनेस्को क्रिएटिव सिटी और वर्ल्ड क्राफ्ट सिटी जैसी वैश्विक पहचान मिली है। डल झील में संगीत फव्वारे पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने हैं। वैष्णो देवी और अमरनाथ यात्रा में रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी ने क्षेत्र में बढ़े विश्वास और बेहतर सुरक्षा व्यवस्था की पुष्टि की है। सड़क, रेल और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हुआ है, शिक्षा और उद्यमिता के नए अवसर पैदा हुए हैं तथा स्थानीय हस्तशिल्प और पर्यटन उद्योग को नई ऊर्जा मिली है। पत्थरबाजी खत्म हो गयी है, अलगाववादी टूट चुके हैं और आतंकवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है और लाल चौक पर तिरंगा शान से लहरा रहा है। बहरहाल, सात वर्षों बाद तस्वीर बिल्कुल साफ है। एक ओर पाकिस्तान है, जो अपने अवैध कब्जे वाले कश्मीर में रहने वाले लोगों को ही दमन, इंटरनेट बंदी, बिजली कटौती और सैन्य कार्रवाई के साये में जीने को मजबूर कर रहा है, जबकि दूसरी ओर भारत का मुकुट जम्मू–कश्मीर है, जो विकास, निवेश, पर्यटन, रोजगार और सुशासन की नई पहचान बना रहा है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिया गया 5 अगस्त 2019 का ऐतिहासिक निर्णय केवल एक संवैधानिक बदलाव नहीं था, बल्कि जम्मू–कश्मीर को अलगाववाद और पिछड़ेपन के दौर से निकालकर विकास और राष्ट्रीय एकीकरण की मुख्यधारा में लाने वाला निर्णायक मोड़ साबित हुआ।

सम्पादकीय

विश्वसनीय संकेत अभी नहीं

क्या नए बिल और निलेकणी समिति के गठन से समस्याएं दूर हो जाएंगी? संभवतरू नहीं, क्योंकि वजह तकनीकी कमजोरियां नहीं हैं। इसके कुछ कारण नीतिगत हैं, तो कुछ सिस्टम में अंदर तक पहुंचा कथित भ्रष्टाचार। नरेंद्र मोदी सरकार ने परीक्षा व्यवस्था में उभरी खामियों का तकनीकी समाधान पेश करने की कोशिश की है। इसके अलावा कानूनी उपाय के जरिए अपने सख्त इरादे का संदेश देने का प्रयास उसने किया है। मगर अंदाज वही पुराना हैरू मीडिया में मोटी सुर्खियां बनाने वाली घोषणाएं करना, जिससे लोग मानने लगें कि सरकार सब कुछ दुरुस्त करने के लिए सचमुच दृढ़–संकल्प है! इस साल नीट पेपर लीक होने के बाद ऐसी ही धारणा बनाने के लिए निर्णय लिया गया था कि दोबारा होने वाली नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र वायु सेना के विमान से भेजे जाएंगे! उसी राह पर चलते हुए अब केंद्र ने पेपर लीक से संबंधित कानून को पहले से ज्यादा सख्त बनाने का बिल पेश किया है।मगर सख्त कानून, अत्यधिक कड़ी सजा के प्रावधान, और फास्ट ट्रैक कोर्ट जैसी बातें विभिन्न मामलों में इतनी बेअसर साबित हुई हैं कि उनसे युवा वर्ग को संतुष्ट करना अब कठिन हो सकता है। परीक्षा तंत्र को तकनीकी रूप से दुरुस्त करने के उपाय सुझाने के लिए नंदन निलेकणी की अध्यक्षता में बनी समिति उपजी शिकायतों को दूर कर पाएगी, इसकी संभावना भी कम ही है। इसलिए कि पेपर लीक या शिक्षा व्यवस्था में उभरी खामियों की वजह तकनीकी कमजोरियां नहीं हैं। इसकी कुछ वजहें नीतिगत हैं, जबकि ज्यादा दिक्कत सिस्टम में फैले कथित भ्रष्टाचार से उभरी है। यहां इसे अवश्य ध्यान में रखना चाहिए कि कितना भी दोषमुक्त डिजिटल सिस्टम कायम कर लिया जाए, वह संदिग्ध नियुक्तियों, संस्थाओं की कमजोरी, और शासन–तंत्र में नैतिकता के ह्रास से उत्पन्न होने वाली समस्याओं की भरपाई नहीं कर सकता। ना ही उससे शिक्षा को मुनाफे के कारोबार में तब्दील करने वाली नीतियों से बनी स्थिति का समाधान ढूंढा जा सकता है। पेपर लीक के हालिया मामलों में अंदर तक पहुंच रखने वाले लोगों, कोचिंग संस्थानों, और लीक पेपर खरीदने को तैयार लोगों के बाजार की मिलीभगत के गंभीर आरोप लगे हैं। नीलेकणी समिति इसका क्या समाधान पेश करेगी? अतरू मामला व्यवस्थागत है, जिसका सीधा संबंध राजनीतिक इच्छाशक्ति से है। इस स्थिति को सरकार सचमुच बदलना चाहती है, इसके विश्वसनीय संकेत अभी नहीं मिले हैं।

यह सिर्फ धर्मेंद्र प्रधान का मामला नहीं

दुनिया के संभवत किसी दूसरे देश में नैतिकता की उतनी बात नहीं होती होंगी, जितनी भारत में होती हैं। भारत ने दया, करुणा, सत्य, प्रेम, भाईचारे आदि के जितने प्रतीक गढ़े हैं, दुनिया के किसी और देश में उतने नहीं होंगे। भारत में तो एक सतयुग ही था, जिसमें सत्य हरिश्चंद्र थे। लेकिन यह भी सही है कि सत्य, अहिंसा, प्रेम, भाईचारे, करुणा, दया आदि से जितनी दूरी भारत में है उतनी शायद ही कहीं और होगी। इस पर लंबी बहस हो सकती है। इसलिए उसमें जाने की जरुरत नहीं है। लेकिन दुनिया के जिन देशों में सत्य और नैतिकता आदि का ढोल रोज नहीं बताया जाता है वहां लोग ज्यादा नैतिक होते हैं। वहां लोग नैतिक जिम्मेदारी लेते हैं और अगर कोई अपराध किया है तो उसे भी स्वीकार करके सजा पाते हैं। भारत में कोई नैतिक जिम्मेदारी नहीं लेता है और अपराध करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया व्यक्ति भी अदालत में खड़े होकर कहता है कि वह बेकसूर है और उसका पूरा परिवार और ज्यादातर मामलों में पूरी जाति उसके बचाव में खड़ी होती है।भारत की राजनीति में भी नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देने का कोई सिद्धांत नहीं रहा है। नैतिक जिम्मेदारी लेकर कुछ मंत्रियों आदि ने जरूर इस्तीफे दिए, जिनकी आज तक चर्चा होती है। लाल बहादुर शास्त्री, माधवराव सिंधिया या नीतीश कुमार का जिक्र किया जाता है। यह संयोग है कि इन तीनों के इस्तीफे ट्रेन दुर्घटना को लेकर हुए थे। इनके रेल मंत्री रहते ट्रेन दुर्घटनाएं हुईं और उसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने इस्तीफा दिया। यह अलग बात है कि रेल मंत्रालय में विफल होने के बाद भी इन सभी लोगों को दूसरे मंत्रालयों में अहम जिम्मेदारी मिली। लाल बहादुर शास्त्री तो बाद में प्रधानमंत्री बने। बहरहाल, भारत में गंभीर से गंभीर विफलता या आर्थिक अपराध में शामिल होने के आरोपों के बाद भी इस्तीफा कराना बड़ा मुश्किल होता है। आर्थिक अपराध के मामलों में तो अब गिरफ्तार होकर जेल जाने के बाद भी नेता इस्तीफा नहीं देते हैं। दिल्ली का मुख्यमंत्री रहते अरविंद केजरीवाल ने कमाल की मिसाल बनाई। वे कई महीने जेल में रहे और उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया। हेमंत सोरेन ने थोड़ी शर्म दिखाई और गिरफ्तारी से चंद मिनट पहले इस्तीफा दे दिया। अगर गिरफ्तारी की बाध्यता नहीं होती तो वे भी इस्तीफा नहीं देते। सवाल है कि ऐसा क्यों होता है कि भारत में केंद्र या राज्य का मंत्री या मुख्यमंत्री किसी भी विवाद में फंसने या अपनी कैसी भी विफलता के बाद इस्तीफा नहीं देते हैं? इसे दो पहलुओं से देख सकते हैं।

उन्नत बचपन की पहली शर्त- स्वस्थ भोजन, स्वस्थ भविष्य

महाराष्ट्र सरकार का निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने यह स्वीकार किया है कि बच्चों का स्वास्थ्य किसी भी राजनीतिक या आर्थिक हित से बड़ा है। अब आवश्यकता इस बात की है कि देश के सभी राज्य इस दिशा में समान साहस और दूरदर्शिता दिखाएं। विकसित भारत की आधारशिला स्मार्ट शहर नहीं, बल्कि स्वस्थ बच्चे हैं।विकसित भारत का स्वप्न केवल आधुनिक इमारतों, तेज अर्थव्यवस्था, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक और विश्वस्तरीय आधारभूत संरचनाओं से पूरा नहीं होगा। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके बच्चे होते हैं। यदि बचपन स्वस्थ, संस्कारित, ऊर्जावान और मानसिक रूप से सुदृढ़ है, तो राष्ट्र का भविष्य स्वतः सुरक्षित हो जाता है। यदि बचपन ही अस्वस्थ, मोटापे, मधुमेह, कुपोषण और गलत खान–पान की आदतों से घिर जाए, तो विकास की पूरी अवधारणा खोखली सिद्ध होने लगती है। इसलिए बच्चों का स्वास्थ्य केवल स्वास्थ्य मंत्रालय का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य के सभी स्कूलों और उनके आसपास जंक फूड की बिक्री, वितरण तथा प्रचार पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय इसी व्यापक दृष्टि का परिचायक है। यह केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के प्रति उत्तरदायित्व का गंभीर संदेश है। यह स्वीकार करने का साहसिक प्रयास है कि बच्चों की सेहत बाजार के मुनाफे से कहीं अधिक मूल्यवान है। यदि यह निर्णय प्रभावी ढंग से लागू होता है तो यह पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकता है। आज सबसे बड़ी चिंता यह नहीं है कि बच्चे भोजन कम खा रहे हैं, बल्कि यह है कि वे पोषण कम और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ अधिक खा रहे हैं। रंग–बिरंगे पैकेट, आकर्षक विज्ञापन, कार्टून पात्रों की ब्रांडिंग, सोशल मीडिया का प्रभाव और हर गली–मोहल्ले में उपलब्ध फास्ट फूड ने बच्चों की स्वादेंद्रियों पर ऐसा कब्जा कर लिया है कि घर का पौष्टिक भोजन उन्हें फीका लगने लगा है। यह परिवर्तन केवल खान–पान की आदत का बदलाव नहीं है, बल्कि धीरे–धीरे उनके शरीर, मस्तिष्क और व्यवहार को भी प्रभावित कर रहा है। वैज्ञानिक शोध लगातार यह बताते रहे हैं कि अधिक वसा, अधिक नमक और अधिक चीनी वाले खाद्य पदार्थ बच्चों में मोटापा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, हार्मोन असंतुलन तथा मानसिक एकाग्रता में कमी जैसी अनेक समस्याओं का कारण बन रहे हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जो बीमारियां पहले चालीस–पचास वर्ष की आयु में दिखाई देती थीं, वे अब किशोरावस्था और बचपन में ही दस्तक देने लगी हैं। यह केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि आने वाले समय में देश की उत्पादक क्षमता और मानव संसाधन पर भी गहरा प्रभाव डालने वाला संकट है। बचपन की सबसे बड़ी आवश्यकता स्वाद नहीं, पोषण है। शरीर के विकास के साथ–साथ मस्तिष्क का तीव्र विकास भी बचपन में ही होता है। यदि इस अवस्था में बच्चों को संतुलित भोजन, ताजे फल, हरी सब्जियां, दूध, दालें, मोटे अनाज और प्राकृतिक खाद्य पदार्थ पर्याप्त मात्रा में मिलें, तो उनका शारीरिक और मानसिक विकास कहीं अधिक प्रभावी होता है। इसके विपरीत जंक फूड क्षणिक स्वाद तो देता है, लेकिन शरीर को आवश्यक पोषक तत्व नहीं देता। परिणामस्वरूप बच्चा बाहर से स्वस्थ दिखाई देता है, किंतु भीतर से अनेक पोषण संबंधी कमियों का शिकार बनने लगता है। दुर्भाग्य यह है कि जंक फूड आज केवल भोजन नहीं रहा, बल्कि एक आक्रामक व्यावसायिक संस्कृति बन चुका है। विज्ञापनों के माध्यम से बच्चों के मन में यह धारणा बैठा दी गई है कि आधुनिकता का अर्थ पैकेटबंद भोजन है। लोकप्रिय खिलाड़ी, फिल्मी कलाकार और डिजिटल प्रभावक अनजाने में बच्चों को ऐसे उत्पादों की ओर आकर्षित करते हैं, जिनका अत्यधिक सेवन उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। ऐसे में केवल परिवारों को दोष देना उचित नहीं होगा। सरकार, उद्योग, विद्यालय, अभिभावक और समाज–सभी को अपनी–अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि जीवनशैली का निर्माण करने वाली प्रयोगशाला भी हैं। यदि स्कूल परिसर में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए, पोषण शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए, विद्यालयों में रसोई बाग विकसित किए जाएं, बच्चों को स्वयं पौधे लगाने और प्राकृतिक भोजन के महत्व से जोड़ा जाए, तो यह परिवर्तन अधिक स्थायी होगा। केवल प्रतिबंध लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। स्वस्थ विकल्पों को स्वादिष्ट, आकर्षक और सुलभ बनाना भी उतना ही आवश्यक है। भारत की पारंपरिक भोजन संस्कृति विश्व की सबसे संतुलित और वैज्ञानिक भोजन प्रणालियों में मानी जाती है। बाजरा, ज्वार, रागी, दालें, छाछ, दही, अंकुरित अनाज, मौसमी फल, सब्जियां और घर का ताजा भोजन हमारे पूर्वजों की स्वस्थ जीवनशैली की पहचान रहे हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम आधुनिकता के नाम पर अपनी इस समृद्ध खाद्य संस्कृति को त्यागने के बजाय उसे नए स्वरूप में बच्चों तक पहुंचाएं। यदि विद्यालयों की कैंटीन में स्थानीय और पारंपरिक पौष्टिक व्यंजन उपलब्ध कराए जाएं, तो बच्चे धीरे–धीरे उसी स्वाद के अभ्यस्त हो सकते हैं। यह भी समझना होगा कि जंक फूड का प्रश्न केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अस्वस्थ बचपन का अर्थ है भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ता खर्च, कार्यक्षमता में कमी, उत्पादकता का ह्रास और राष्ट्रीय आय पर प्रतिकूल प्रभाव। आज यदि बच्चों के पोषण पर निवेश किया जाता है तो वह आने वाले दशकों में स्वस्थ, सक्षम और नवाचारी नागरिकों के रूप में अनेक गुना लाभ देता है। इसलिए बच्चों के स्वास्थ्य पर खर्च को व्यय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सबसे लाभकारी निवेश माना जाना चाहिए। अभिभावकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि घर में ही पैकेटबंद स्नैक्स, शीतल पेय और अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ नियमित रूप से उपलब्ध होंगे, तो बच्चे उनसे दूर नहीं रह पाएंगे। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि परिवार स्वयं संतुलित भोजन करेगा, साथ बैठकर भोजन करने की परंपरा विकसित करेगा और बच्चों को रसोई से जोड़कर भोजन बनाने की प्रक्रिया में सहभागी बनाएगा, तो उनमें स्वस्थ भोजन के प्रति स्वाभाविक रुचि विकसित होगी।सरकारों को भी केवल स्कूलों तक सीमित न रहकर व्यापक नीति अपनानी होगी। बच्चों को लक्षित करने वाले भ्रामक खाद्य विज्ञापनों पर नियंत्रण, पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर स्पष्ट चेतावनी, अत्यधिक चीनी और नमक वाले उत्पादों की पहचान को सरल बनाना, खेल मैदानों की संख्या बढ़ाना, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण जागरूकता अभियान तथा स्थानीय स्तर पर सामुदायिक भागीदारी जैसे कदम समान रूप से आवश्यक हैं। यदि स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग मिलकर साझा रणनीति बनाएं तो परिणाम कहीं अधिक प्रभावी होंगे।

अंत में अब काकरोच का लेबल!

हरिशंकर व्यास

सन् 2026 की 20 जुलाई से 25 जुलाई के बीच भारत में वह हुआ, जिसकी दुनिया के किसी लोकतांत्रिक देश ने कल्पना नहीं की। दुनिया के अखबारों, टीवी चौनलों और डिजिटल मंचों पर भारत बतौर श्कॉकरोचश्च की पहचान के साथ उभरा। कभी श्सांप–संपेरों के हिंदुस्तानश्च की इमेज थी। पर 1947 में स्वतंत्रता के बाद के दशकों में लोकतंत्र, भारत–निर्माण, आईटी, उभरती आर्थिकी, परमाणु ताकत, आईआईटी–आईआईएम सहित शिक्षा की बेहतरी तथा विशाल जनसंख्या के बाजार के नाते भारत प्रतिष्ठित हुआ। वह सब अब हाशिए में है और अब भारत श्कॉकरोचश्च है। भारत में मनुष्य, नवजात पीढ़ी श्कॉकरोचश्च है, जिस पर लाठियां, पैलेट गन की गोलियां बरसी। यह वैश्विक अजूबा है और तभी दुनिया के हर कोने में अखबारों के पहले पेज पर, बैनर हेडलाइंस, ब्रेकिंग न्यूज की तरह छपा। सवाल है, कौन दोषी, किसने कॉकरोच भारत बनाया है? क्या संघ परिवार और उसके प्रचारक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह नहीं? इसलिए श्कॉकरोचश्च फर्जी हिंदू राष्ट्र, फर्जी अमृतकाल का वह कलंक है, जिससे भले मोदी सरकार और भक्त हिंदू शर्मिंदा न हों, लेकिन विश्व मानव समाज अवश्य 145 करोड़ लोगों के भारत को जुगुप्सा, वितृष्णा से देख, समझ रहा है।

सोचें, इक्कीसवीं सदी में दुनिया में आगे भारत अब क्या इमेज लिए है? एक ऐसा देश, जो स्वयं को श्विश्वगुरुश्च, श्लोकतंत्र की जननीश्च, श्विकसित भारतश्च और श्विश्वबंधुश्च बताता है, वहां श्कॉकरोचश्च है, श्कॉकरोच राजनीतिश्च है, श्कॉकरोच आर्थिकीश्च है, आदि–आदि। मोदी ने, अमित शाह ने पहले भारत के नागरिकों के आगे अनागरिक होने की तलवार लटकाई। पश्चिम बंगाल के लाखों दस्तावेजयुक्त वैध मतदाताओं को अनागरिक बनाकर उन्हें मताधिकार से बाहर किया। इसे चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट ने अपराध नहीं माना। फिर पूरे भारत के नागरिकों में ही मनुष्य को सर्वोच्च अदालत से श्कॉकरोचश्च परजीवी होने की तख्ती मिली!

बावजूद इसके हिंदू राष्ट्र के भक्त हिंदुओं को शर्म नहीं आई, न ग्लानि हुई। इन हिंदुओं के हिंदू होने के डीएनए की सचमुच जांच होनी चाहिए। ये कौन से, क्या हिंदू हैं, इसका जवाब सनातन धर्म का शायद ही कोई ग्रंथ दे पाए। मैं हिंदू हूं, राष्ट्रवादी हूं और मुझे इतना सामान्य ज्ञान है कि सनातन धर्म में मानव जन्म को परम प्राप्ति कहा गया है। जन्म–जन्मांतर के विश्वासी हम सनातनियों का मूल सूत्र है कि मनुष्य, ईश्वर की सबसे बड़ी कृति है। भगवान ने (श्रीमद्भागवत पुराण 11.9.29) अपनी मायाशक्ति से वृक्ष, सरीसृप (सांप आदि), पशु, पक्षी, मच्छर, मछलियां आदि अनेक योनियां बनाईं। परंतु उन्हें तब तक संतोष नहीं हुआ, जब तक उन्होंने मनुष्य शरीर की रचना नहीं की। और ईश्वर स्वयं मनुष्य शरीर में ब्रह्म (ईश्वर) को जानने और देखने की बुद्धि देखकर अत्यंत प्रसन्न हुए। ऐसा ही आदि शंकराचार्य का दिया सूत्र (विवेकचूड़ामणि, श्लोक 2) है कि समस्त प्राणियों में मनुष्य जन्म सबसे दुर्लभ है। मनुष्य होने के बाद पुरुषत्व, फिर वैदिक धर्म का मार्ग जानना, फिर विद्वान होना, और उसके बाद आत्मा–अनात्मा का विवेक प्राप्त करके ब्रह्म में स्थित होना, यह सब सौ करोड़ जन्मों के पुण्यों के बिना संभव नहीं है।

तभी, जब मैंने चीफ जस्टिस का श्कॉकरोचश्च वाला वाक्य और बाद में उनकी सफाई सुनी, तो बतौर ब्राह्मण मुझे ग्लानि हुई कि हम आज के ब्राह्मण कैसे हैं! कितने अविवेकी, बुद्धिहीन हो गए हैं! देश की सर्वोच्च अदालत का चीफ जस्टिस मनुष्य पर श्कॉकरोचश्च का लेबल चस्पां कर रहा है! जाहिर है, चीफ जस्टिस का विवेक भी नरेंद्र मोदी नाम के कथित कल्कि अवतार के समय में ब्राह्मणों के विवेक, पुरुषत्व, ज्ञान और बुद्धि, सभी के पतन की बानगी है। सोचें, गंभीरता से सोचें कि चीफ जस्टिस के साथी जजों से लेकर सर्वज्ञ, अजैविक भगवान नरेंद्र मोदी, उनकी सरकार के मंत्रियों, संघ और हिंदू साधु–संतों में किसी के भीतर भी इस शब्द को बदलवाने, शब्द–वापसी, पछतावा, शर्म या खेद प्रकट कराने की बुद्धि या हिम्मत नहीं आई। जबकि आदि शंकराचार्य ने मनुष्य के पुरुषत्व (सत्यनिष्ठ निर्भयता), विद्वत्ता तथा आत्मा–अनात्मा के विवेक के माध्यम से ब्रह्म में स्थित होने तक की क्षमता में हर मनुष्य से मानवीय व्यवहार और संवेदना की अपेक्षा की है।जार्ज ऑरवेल का एक महान उपन्यास है, श्एनिमल फार्मश्च। इसमें मनुष्य की प्रवृत्तियों की वास्तविकताओं पर पशुओं के जंगल राज की कहानी है। उन्होंने दिखाया है कि कैसे सुअर सत्ता हथिया लेते हैं और समानता के नाम पर नया अत्याचार खड़ा कर देते हैं। लेकिन ऑरवेल भी यह नहीं सोच सकते थे कि किसी लोकतंत्र में, मानव समाज में मनुष्यों की तुलना कीड़े–मकोड़ों, कॉकरोचों से होगी और शासन फिर इन कॉकरोचों को आंसू गैस के गोलों से खत्म करने के आदेश देगा। इसलिए मसला गहरा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में एक नागरिक को (भले वह परजीवी हो) श्कॉकरोचश्च करार देना नए भारत के वर्तमान और भविष्य की दशा–दिशा है। पिछले बारह वर्षों से सरकार ने नौजवानों (बहुसंख्य आबादी को ही) अवसरों से वंचित किया है। किसानों को उनकी फसल का वाजिब दाम नहीं मिल रहा। लोगों को सही शिक्षा, सही चिकित्सा और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के बजाय उन्हे पैसा बांटकर, झांसा देकर परजीवी और आश्रित बनाया है। बेमतलब की डिग्रियां बांटी जा रही हैं। परीक्षाओं के नाम पर लूट है, झांसा है। स्वाभाविक है कि सामान्य छात्र हो या वकीलों तथा स्नातक–स्नातकोत्तर डिग्रियां लिए नौजवान, बेगारी का जीवन जीते हुए है। यूथ (जैसे सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे वकील थे) भटकते–भटकते अन्याय और अवसरों की गुहार लगाता है, तो उसे क्या तमगा मिलता है? श्कॉकरोचश्च (परजीवी)! और फिर दुनिया के आगे श्कॉकरोच भारतश्च! याद करें पिछले बारह वर्षों के अनुभवों पर। मोदी सरकार ने लोगों को (उनकी देखा–देखी बाकी सरकारों और पूरी राजनीति ने भी) लाभार्थी, खैराती और परजीवी बनाने का मिशन चला रखा है, और फिर उनकी नागरिकता पर भी सवाल खड़ा किया।

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज का दिन बढ़िया रहेगा। जमीन–जायदाद से जुड़ा रुका हुआ काम आज पूरा हो सकता है और पिछले कुछ समय से चल रही व्यस्तता के आज अच्छे परिणाम भी मिलेंगे।

वृष राशि–
आज का दिन खुशियां लेकर आने वाला है। आप जिस काम के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, आज उसके सकारात्मक परिणाम मिलने वाले हैं।

मिथुन राशि–
आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जायेंगे, कन्फ्यूजन की स्थिति खत्म होगी। किसी काम से आज आपको बड़ा फायदा होने वाला है, साथ ही अधूरा काम पूरा हो जायेगा।

कर्क राशि–
आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। जीवनसाथी आज कुछ ऐसा काम करेगा, जिसे देखकर आपका मन प्रसन्न हो जायेगा।

सिंह राशि–
आज आपका दिन शानदार रहने वाला हैं। इस राशि के लोग आज समझदारी से काम करेंगें तो आपको फायदा जरूर होने वाला है। बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है।

कन्या राशि–
आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अगर आज कहीं यात्रा पर जा रहे है तो फायदा होने वाला है।

तुला राशि
आज आपका मन अध्यात्म में अधिक लगा रहेगा। आज आप में प्रेरणा अधिक रहेगी नौकरीपेशा वालों आज आपका प्रभाव बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि–
आज का दिन नई सौगात लेकर आयेगा। कारोबार में वृद्धि के लिये आज का दिन शुभ है।

धनु राशि–
आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपकी सेहत पहले से बेहतर होगी। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीजें सुधर रही हैं।

मकर राशि–
आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज व्यापारियों के लिए दिन शुभ हैं।

कुम्भ राशि–
आज का दिन नया बदलाव लाने वाला है। प्रॉपर्टी डीलर के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा। अचानक धनलाभ होगा।

मीन राशि–
आज का दिन आपके लिये अच्छा रहने वाला है। आज आपके काम में आत्मविश्वास की झलक दिखाई देगी।

दीक्षोत्सव खेल सप्ताह के दूसरे दिन शानदार प्रदर्शन

–250 खिलाड़ियों ने किया उत्साहपूर्ण प्रतिभाग

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 31वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में आयोजित पांच दिवसीय "दीक्षोत्सव खेल सप्ताह2026" के अंतर्गत दूसरे दिन विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन उत्साह एवं खेल भावना के साथ किया गया। खेल सप्ताह का आयोजन 03 अगस्त 2026 से निरंतर किया जा रहा है। दूसरे दिन की खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ दीक्षोत्सव खेल समिति के संयोजक प्रो. हिमांशु शेखर सिंह द्वारा प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों को अनुशासन, खेल भावना एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। खेल प्रतियोगिताओं के प्रभारी डॉ. कपिल सिंह राणा ने बताया कि आज कुलपति ब्रिगेड एवं कुलसचिव ब्रिगेड के मध्य पुरुष एवं महिला वर्ग में टेबल टेनिस प्रतियोगिता आयोजित की गई। वहीं भारतीय पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छात्र–छात्राओं के लिए कबड्डी, बोरा दौड़ एवं नींबू–चम्मच दौड़ का भी आयोजन किया गया।टेबल टेनिस प्रतियोगिता में कुलपति ब्रिगेड के डॉ. अंशुमान पाठक ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब प्राप्त किया, जबकि कुलसचिव ब्रिगेड के शिव कुमार सिंह उपविजेता रहे।

महिला वर्ग में कुलपति ब्रिगेड की तरफ से डॉ. मोहनी पाण्डेय विजेता, कुलसचिव ब्रिगेड की एकता सिंह उपविजेता रही। छात्र–छात्राओं की कबड्डी प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में शारीरिक शिक्षा विभाग की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया, जबकि आशा भगवान बक्श सिंह पी०जी० कॉलेज, पूरा बाजार की टीम उपविजेता रही। महिला वर्ग में विश्विद्यालय परिसर की टीम विजेता तथा रामनगर पी जी कॉलेज, बाराबंकी की टीम उपविजेता रही। नींबू–चम्मच दौड़ में पुरुष वर्ग में अनुराग यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सौरभ कुमार द्वितीय स्थान पर रहे। महिला वर्ग में संजना विश्वकर्मा प्रथम, काजल गुप्ता द्वितीय स्थान पर रही रुमाल झपट्टा मे पुरुष वर्ग – सनी विजेता एवं गगनपाल उपविजेता रहे। महिला वर्ग आंचल सोनी विजेता, आंचल उपविजेता रही। दूसरे दिन की खेल प्रतियोगिताओं में 07 महाविद्यालयों एवं अवध विश्वविद्यालय परिसर के 05 विभागों के लगभग 250 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिताओं के दौरान खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन एवं खेल भावना का परिचय दिया। कार्यक्रम का सफल एवं प्रभावी संचालन डॉ० कुमार मंगलम सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो० शैलेंद्र वर्मा, प्रो. आशीष प्रताप सिंह, प्रो. सुरेंद्र मिश्रा, डॉ. अर्जुन सिंह, डॉ अनुराग पाण्डेय,डॉ मनीष सिंह , डॉ. राम जी सिंह , आनंद दुबे, धीरज यादव, देवेंद्र यादव, अर्पिता, आशुतोष पटेल, विशाल अन्ना सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

कांग्रेसियों ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ दी तहरीर

अयोध्या। कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष चेतनारायण सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस जनों ने नगर कोतवाल मनोज शर्मा को प्रार्थना पत्र देकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन व प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के समक्ष प्रभु हनुमान जी को भारतीय जनता पार्टी का झंडा थमा कर नचवाने की विरोध में प्रथम सूचना रिपोर्ट अंकित करने हेतु एक तहरीर दी है। उक्त आशय कीजानकारी देते हुए जिला कांग्रेस प्रवक्ता शीतला पाठक ने बताया तहरीर में नगर कोतवाल से सुसंगत धाराओं में मुकदमा कायम करने की मांग करते हुए कहा 6 जुलाई को लखनऊ में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के रोड शो में उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष पंकज चौधरी की अगुवाई में हमारे आराध्य प्रभु हनुमान जी को अपनी पार्टी का झंडा थमा कर जिस प्रकार से उन्हें नचाया गया इसकी जितनी निंदा की जाए कम है और यह सनातन धर्म का बहुत बड़ा अपमान है भाजपा की इस कृत से हम सब की आस्था को गहरा आघात पहुंचा है। श्री पाठक ने बताया कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष चेतनारायण सिंह के साथ पर पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह , पूर्व जिला अध्यक्ष रामदास वर्मा, पी सी सी सदस्य उग्रसेन मिश्रा,जिला उपाध्यक्ष राम अवध पासी, अशोक कुमार सिंह , महिला कांग्रेस की रेनू राय , डॉ विनोद गुप्ता, धर्मेंद्र सिंह फास्टर आदि प्रमुख लोग शामिल रहे।

अधिवक्ता की हार्ट अटैक से मौत

सोहावल–अयोध्या। फैजाबाद बार एसोसिएशन में वकालत करने वाले वरिष्ठ एवं युवा अधिवक्ता राम प्रकाश पाठक उम्र 54 वर्ष निवासी पूरे देवी तिवारी लहरपुर को सोमवार की रात हार्ट अटैक आने के कारण लखनऊ में इलाज के दौरान एक निजी चिकित्सालय में मौत हो गई। मौत की खबर फैलते ही फैजाबाद और सोहावल दोनों अधिवक्ता संघ में अशोक की लहर दौड़ गई। अधिवक्ताओं ने शोक व्यक्त करते हुए अपने को कार्य से विरत रखा। अधिवक्ता पाठक अपने पीछे एक पुत्र एक पुत्री सहित पत्नी और परिजनों को पीछे छोड़ गए हैं जिन्हें सांत्वना देने वालों का गांव में तांता लगा हुआ है। पाठक का अंतिम संस्कार मंगलवार को दोपहर बाद सरयू तट ढेमवा के शमशान घाट पर किया गया। यहां बड़ी संख्या में अधिवक्ता ग्रामीण सगे संबंधी रिश्तेदार और इष्ट मित्र मौजूद रहे।

पत्रकार की जीवन रक्षा के लिए दीपू ने फिर उपलब्ध कराया ब्लड

अयोध्या। गंभीर बीमारी के चलते जिला चिकित्सालय के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती वरिष्ठ पत्रकार विनय कुमार सिन्हा की जीवन रक्षा के लिए ब्लड की आवश्यकता थी। उपचार के दौरान रक्त की आवश्यकता होने पर जिला चिकित्सालय के आकस्मिक चिकित्सा अधिकारी चिकित्सक डॉ.वीरेंद्र वर्मा ने तत्परता दिखाते हुए रक्त की व्यवस्था कराई। इमरजेंसी चिकित्सक डॉ वीरेंद्र वर्मा की पहल पर संकल्प संस्थान के अध्यक्ष डॉ. आशीष पांडेय दीपू ने एक यूनिट रक्त उपलब्ध कराया। जिससे मरीज के उपचार में महत्वपूर्ण सहयोग मिला। डॉ.वीरेंद्र वर्मा की संवेदनशीलता और त्वरित प्रयासों की परिजनों ने सराहना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। संकल्प संस्थान के अध्यक्ष डॉ. आशीष पांडेय दीपू अब तक 141 यूनिट रक्तदान करा चुके हैं। वह पिछले 15 वर्षों से अयोध्या में समय समय पर रक्तदान शिविरों का आयोजन कर हजारों जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनके इस सामाजिक योगदान के कारण उन्हें पीएचडी खून वाला, ब्लड मैन और चलता–फिरता ब्लड बैंक के नाम से भी जाना जाता है। डॉ. आशीष पांडेय स्वयं 52 से अधिक बार रक्तदान कर चुके हैं। डा दीपू का कहना है कि रक्तदान महादान है और जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को आगे आना चाहिए।

बसपा ओबीसी सामाजिक भाईचारा समीक्षा बैठक में सांगठनिक मजबूती पर जोर

बस्ती। बहुजन समाज पार्टी ओबीसी सामाजिक भाईचारा अन्य पिछड़ा वर्ग संगठन बस्ती सदर विधानसभा स्तरीय समीक्षा बैठक हल्लौर नगरा गांव में आयोजित की गई। बैठक में ओबीसी समाज के लोगों को बहुजन समाज पार्टी से अधिक से अधिक जोड़ने तथा बसपा सरकार के कार्यकाल में ओबीसी समाज के हित में किए गए कार्यों को जन–जन तक पहुंचाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता ओबीसी सामाजिक भाईचारा बस्ती मंडल के मुख्य मंडल संयोजक के.पी. राठौर और संचालन जिला संयोजक एडवोकेट अनूप कुमार ने किया।

बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये बसपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट भीम राजभर ने कहा कि पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता बहन मायावती के संदेश को जनता तक ले जायं और बूथ स्तर के तैयारियों की नियमित समीक्षा करते रहें। विशिष्ट अतिथि पूर्व लोकसभा प्रत्याशी लवकुश पटेल, ओबीसी सामाजिक भाईचारा के जिला संयोजक के.सी. मौर्य ने बसपा सरकार के दौरान ओबीसी समाज के हित में किए गए कार्यों की जानकारी दी। कहा कि समाज के सभी वर्गों तक पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को पहुंचाकर वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनाने के लिए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना होगा। कहा कि बूथ जीत गये तो चुनाव जीत जायेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते के.पी. राठौर ने उपस्थित लोगों का आवाहन किया कि वे पार्टी के नीति, कार्यक्रम को जन–जन तक ले जाय और बसपा के नीति, कार्यक्रम की जानकारी दे। संचालन करते हुये जिला संयोजक एडवोकेट अनूप कुमार ने कहा कि परस्पर एकजुटता और भाई चारा से राजनीतिक, सामाजिक लक्ष्य पूरे होंगे। बैठक में अनेक लोगों ने बसपा की सदस्यता लिया।

बैठक में गोंड महेश चंद्रवंशी, दीपलाल भारती, उमाशंकर राव, आनंदपाल उर्फ बबलू पाल, शत्रुघ्न यादव, सुरेन्द्र कुमार चौधरी, चौधरी राम सिंह पटेल, अभय पटेल सिल्लो, दिवाकर, शहाबुद्दीन शाह, महेश कुमार, अनिल कुमार मौर्य, दयाशंकर गौतम, शिवकुमार प्रजापति, राजेंद्र प्रसाद, गुलाब चंद्र राव, असरफी लाल, अभिषेक कुमार, राम उजागिर गुप्ता, रामचंद्र यादव, कृष्णानंद प्रजापति, मनीराम चौधरी, घिराऊ चौधरी, बजरंगी प्रसाद चौधरी, रामकुमार पाल, महेन्द्र कुमार गौड़, जेशराम चौधरी, मुकेश चौधरी, ओरी मौर्य, शिवप्रसाद चौहान, उदयभान चौधरी, रमाकान्त यादव, रामकेश चौधरी, आसाराम चौहान, विष्णु चौधरी, मनोहर निषाद, मनोरथ गौड़, राजन गौड़, हरिराम पासवान, टिकोरी यादव, ध्रुवनाथ चौहान, परशुराम राजभर, नन्दलाल, चन्द्रभान, पल्टनराम, रामअवध, काली चरन, रामभिलन, जगन्नाथ सहित बड़ी संख्या में बसपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी

सांसद अवधेश प्रसाद के अपमान पर सपाइयों का आक्रोश

मिल्कीपुर–अयोध्या। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं फैजाबाद (अयोध्या) के सांसद अवधेश प्रसाद के चित्र पर कथित रूप से जूते–चप्पलों से प्रहार, जातिसूचक शब्दों के प्रयोग तथा पुतला फूंके जाने की घटना के विरोध में मंगलवार को मिल्कीपुर विधानसभा से पूर्व प्रत्याशी अजीत प्रसाद के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध दर्ज कराया। कार्यकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी मिल्कीपुर को सौंपकर दोषियों के विरुद्ध तत्काल कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि सांसद अवधेश प्रसाद एक वरिष्ठ जनप्रतिनिधि हैं, जिन्होंने लंबे समय तक विधायक, मंत्री और वर्तमान सांसद के रूप में जनता की सेवा की है। उनके चित्र का सार्वजनिक रूप से अपमान, जातिसूचक टिप्पणियां करना और पुतला दहन जैसी घटनाएं लोकतांत्रिक मूल्यों एवं सामाजिक सौहार्द के विपरीत हैं। ऐसे कृत्य से न केवल एक जनप्रतिनिधि का बल्कि उनके समर्थकों और समाज के बड़े वर्ग की भावनाओं को भी ठेस पहुंची है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि घटना में शामिल सभी लोगों के विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज कर कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाए। साथ ही सांसद अवधेश प्रसाद एवं उनके परिवार की सुरक्षा बढ़ाई जाए, क्योंकि इस प्रकार की घटनाओं से उनकी सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो सकता है। इस अवसर पर अजीत प्रसाद ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन किसी भी जनप्रतिनिधि के सम्मान को ठेस पहुंचाने, जातिसूचक भाषा का प्रयोग करने और सामाजिक वैमनस्य फैलाने वाले कृत्यों को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष एवं शीघ्र कार्रवाई की मांग की। सपा प्रवक्ता लवलेश पांडेय ने बताया कि ज्ञापन सौंपने वालों में सपा जिला महासचिव बख्तियार खान, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के विधानसभा अध्यक्ष सोहनलाल रावत, जिला उपाध्यक्ष रामजी पाल, डॉ वेद प्रकाश यादव, रामसतन कोरी, सुनील कुमार कोरी, विश्राम रावत,राम बहादुर यादव, राम तेज यादव,बाबूराम चौहान, प्रहलाद रावत,घनश्याम गुप्ता,विश्वनाथ रावत, राम केवल रावत,अखिलेश कुमार,शिव नारायण, परशुराम रावत,शेर बहादुर पासवान,राम बहादुर पासी, अनमोल सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आवंटी ने कहा नहीं दी है नोटिस, केवल मौखिक सूचना दी गई

अयोध्या। जिला प्रशासन ने मंगलवार को सिविल लाइन में रामपथ किनारे स्थित नगर निगम के बंगला नंबर चार को जबरिया खाली करवा दिया। मुलायम सरकार में पत्रकारिता प्रशिक्षण संस्थान के संचालन के लिए वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय शीतला सिंह को मंडलायुक्त आवास के सामने स्थित यह बंगला आवंटित हुआ था। वरिष्ठ पत्रकार के बेटे ने प्रशासन पर अवैधानिक रूप से बंगला खाली कराने का आरोप लगाया है और इस संबंध में कोई नोटिस न दिए जाने की बात कही है। यह बंगला 17 जुलाई को आदित्य विक्रम अग्रवाल ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के नाम एलाट कर दिया गया है। दावा किया गया था कि बंगला तीन साल से खाली है। संपादक शीतला सिंह के निधन के बाद जिला प्रशासन ने उस बंगले को रिक्त मानते हुए उसे खाली करने का नोटिस दिए जाने की बात कही है। नोटिस के अनुपालन में बंगला नंबर चार पर मंगलवार को प्रशासन ने ताला तोड़कर कब्जा ले लिया। बंगले का सारा सामान निकाल बाहर कर दिया और अपना ताला जड़ दिया। प्रकरण में आवंटी स्वर्गीय शीतला सिंह के पुत्र सूर्य नारायण सिंह का कहना है कि इस बारे में न तो ट्रस्ट और न ही परिवार को कोई नोटिस रिसीव कराई गई। संपादक की पत्नी का निधन होने के कारण 28 जुलाई को तेरहवीं थी। इसी बीच 21 जुलाई को बंगला तीन साल से खाली बताते हुए ज्वाइंट मजिस्ट्रेट को अलॉट कर दिया गया। मामले में आवंटी के परिवार को कोई नोटिस रिसीव नहीं कराई गई। केवल 26 जुलाई को तहसीलदार ने परिवार को घर पहुंच मौखिक सूचना दी और बंगला तत्काल खाली करने को कहा। तेरहवीं कार्यक्रम को लेकर मोहलत मांगी गई थी,लेकिन प्रशासन लगातार दबाव बनाए हुए था और आज सामान घर का सामान जिसमें पांच तख्त,दो सोफा सेट,बिस्तर,90 कुर्सियां,चार अलमारी,गैस चूल्हा सहित बर्तन,आवश्यक कागजात आदि जबरदस्ती बाहर निकाल अपना ताला जड़ दिया। उनका खाना है प्रशासन को विधिक नोटिस देनी चाहिए थी।

जिलाधिकारी ने बच्चे का वजन कराकर सैम-मैम स्थिति की ली जानकारी

श्रावस्ती। आम जनमानस को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग ने विकास खण्ड सिरसिया के अन्तर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र चौलाही पहुंचकर चल रहे वीएचएन0डी0 सत्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उपकेंद्र परिसर में साफ–सफाई, टीकाकरण, दवाओं की उपलब्धता, उपस्थिति पंजिका तथा मरीजों को दी जा रही प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं का गहनता से जायजा लिया। जिलाधिकारी ने केन्द्र पर आयी गर्भवती महिलाओं से बात कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा उनको दी जा रही दवाओं आदि की जानकारी भी ली। उन्होंने स्टॉक रजिस्टर की जांच करते हुए निर्देश दिया कि आवश्यक और जीवनरक्षक दवाओं की कोई कमी नहीं होनी चाहिए। सभी दवाएं निःशुल्क एवं समय पर मरीजों को वितरित की जाएं। इसके अलावा जिलाधिकारी ने ए0एन0सी0 रजिस्टर, ड्यू लिस्ट रजिस्टर एवं सैम–मैम रजिस्टर का निरीक्षण किया तथा सैम–मैम बच्चों की जानकारी भी ली, जिस पर ज्ञात हुआ कि कुल 196 बच्चे पंजीकृत है। जिलाधिकारी ने पोषाहार वितरण की जानकारी ली, जिस पर ज्ञात हुआ कि माह जुलाई तक का पोषाहार वितरित कर दिया गया है।उपस्थिति पंजिका का अवलोकन कर सभी डॉक्टरों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को समय पर केंद्र पर उपस्थित रहने के सख्त निर्देश दिए गए। केंद्र परिसर एवं शौचालयों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने और मरीजों के लिए पेयजल की उचित व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए। एएनएम एवं आशा कार्यकर्ताओं द्वारा चलाए जा रहे टीकाकरण अभियानों तथा गर्भवती महिलाओं को दी जाने वाली सुविधाओं की समीक्षा की गई।तदोपरान्त जिलाधिकारी ने जन आरोग्य केन्द्र चिल्हरिया का भी औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने केन्द्र पर उपस्थित ए0एन0एम0 से स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अपने सामने ही केन्द्र पर आये बच्चे का वजन कराया और सैम–मैम की स्थिति की जानकारी ली। इसके अलावा जिलाधिकारी ने केन्द्र पर दी जाने वाली अन्य सुविधाओं व मशीनों की उपब्धता के बारे में जानकारी ली, जिस पर ए0एन0एम0 द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि केन्द्र पर रेडियंट वार्मर मशीन उपलब्ध नहीं है, जिस पर जिलाधिकारी ने मशीन की उपब्धता सुनिश्चित कराने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया।

जिलाधिकारी ने ठोस अपशिष्ट के उचित प्रबन्धन पर दो ग्राम पंचायतों को किया सम्मानित

श्रावस्ती। जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग की अध्यक्षता में जिला स्वच्छता समिति की बैठक मंगलवार को देर सायंकाल कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। जिसमें स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजना के अंतर्गत चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों यथा व्यक्तिगत शौचालय निर्माण कार्य ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के कार्य, आदर्श मॉडल ग्राम पंचायत तथा उनके सत्यापन संबंधित विषय पर चर्चा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि माह अगस्त से प्रत्येक ग्राम पंचायतों में स्वच्छता शुल्क अनिवार्य रूप से लागू किया जाए। इसके तहत लोगों से 01 रूपये प्रतिदिन के हिसाब से शुल्क लिया जाएगा। जिससे लोगों को कम से कम शुल्क में डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन की सुविधा उपलब्ध हो सके और ग्राम पंचायतों को स्वच्छ बनाया जा सके इसके अलावा वित्तीय वर्ष 2026–27 में जनपद का निर्धारित लक्ष्य 6500 के सापेक्ष व्यक्तिगत शौचालय निर्माण हेतु चयनित लाभार्थियों का सत्यापन कराते हुए उनको शौचालय से आच्छादित किया जाए। ग्राम पंचायत में निर्मित सामुदायिक शौचालय का दैनिक संचालन कराते हुए सससमय केयर टेकर को मानदेय भुगतान कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित किया कि आरआरसी0 का नियमित रूप से संचालन कराया जाएं। नगर क्षेत्रों में प्लास्टिक रिसाईकिलिंग प्लांट लगाने हेतु कार्ययोजना बनायी जाए। जिससे नगर के प्लास्टिक कचरा कम हो सके इसके अलावा स्वच्छ भारत मिशन(ग्रामीण) अन्तर्गत ग्राम पंचायतों में निर्मित कूड़ा पृथक्करण केन्द्र, वर्मी कम्पोस्ट यूनिट पर केयर टेकर तैनात करते हुए दैनिक संचालन कराना एवं ओ0एस0आर0 जनरेटर कराना तथा स्वच्छ भारत मिशन(ग्रामीण), अन्तर्गत प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन यूनिट एवं गोबरधन प्लाण्ट की स्थापना हेतु शासनादेशानुसार राज्य स्तर से प्राप्त क्रेडिट लिमिट को निर्गत किये जाने के सम्बन्ध में चर्चा की गई। अन्त में जिलाधिकारी ने स्वच्छ भारत मिशन फेज–2 के अन्तर्गत ठोस अपशिष्ट के उचित प्रबन्धन करने वाली दो ग्राम पंचायतों क्रमशः कटरा एवं टण्डवा महन्थ के सचिवों एवं प्रशासकों को प्रमाण पत्र व स्वच्छता किट प्रदान कर सम्मानित किया।

जयन्ती पर याद किये गये छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र

बस्ती। समाजवादी चिन्तक अपनों में छोटे लोहिया के रूप में लोकप्रिय पूर्व केन्द्रीय मंत्री जनेश्वर मिश्र को उनकी जयन्ती पर याद किया गया। बुधवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर उपाध्यक्ष जावेद पिण्डारी की अध्यक्षता में आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने उन्हें याद किया। मो. स्वाले, डा.आरडी. गोस्वामी, मुरली पाण्डेय, मु. सलीम, अजीत सिंह आदि ने कहा कि वे आखिरी सांस तक समाजवादी थे और उन्हें समाजवाद की चलती फिरती पाठशाला कहा जाता था। राजनीति में उन्होंने सदैव सादगी बनाये रखी और कार्यकर्ताओं को सर्वोच्च सम्मान दिया। युवा पीढ़ी को उनके जीवन संघर्ष और राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरणा लेनी चाहिये। कहा कि आज जब देश में साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण हो रहा है ऐसे में हमें अपने गंगा जमुनी तहजीब को बचाये रखना होगा, यही जनेश्वर मिश्र जैसे महान नेता के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।सपा नेता गुलाब सोनकर, राघवेन्द्र सिंह, जमील अहमद, संजय गौतम, रामशंकर निराला, अनीस गौतम, गीता भारती, कैलाश शर्मा, रजनीश पाठक, बुद्धिसागर बौद्ध, चन्द्रिका यादव, मो. उमर, रन बहादुर यादव, अरविन्द यादव, अभिषेक यादव, आदि ने जनेश्वर मिश्र को नमन् करते हुये कहा कि जनेश्वर मिश्र के प्रभाव से बडी संख्या में युंवा जुड़े और समाजवादी विचारधारा को देश भर में स्वीकारोक्ति मिली।

पलिया शाहबदी में मियावाकी पद्धति से स्थापित होगा संजीवनी उपवन

अयोध्या। नगर निगम अयोध्या और आईपीएल संस्था के संयुक्त प्रयास से सीएसआर फंड के माध्यम से पलिया शाहबदी क्षेत्र में मियावाकी पद्धति पर आधारित संजीवनी उपवन तथा जानकी जलाशय का विकास किया जाएगा। परियोजना का शुभारंभ मंगलवार को आयोजित भूमि पूजन समारोह में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक कौशल किशोर तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्य सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक कौशल किशोर ने कहा कि रामनगरी को अधिक हरित और पर्यावरणीय दृष्टि से समृद्ध बनाने की दिशा में यह उपवन एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि प्रकृति संरक्षण समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है और ऐसे प्रयास जनसहभागिता से ही सफल हो सकते हैं।महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि नगर निगम अयोध्या शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में हरित आवरण बढ़ाने के लिए लगातार छोटे–बड़े उपवन विकसित कर रहा है। यह परियोजना भी उसी अभियान की एक महत्वपूर्ण कड़ी होगी। मियावाकी पद्धति से तैयार होने वाला संजीवनी उपवन कम स्थान में घना, जैव विविधता से भरपूर और पर्यावरण संरक्षण के लिए अत्यंत उपयोगी होगा। इसके साथ ही विकसित किया जाने वाला जानकी जलाशय वर्षा जल संरक्षण, भूजल संवर्धन तथा स्थानीय पारिस्थितिकी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राज्य सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी ने कहा कि जानकी जलाशय जल संरक्षण के क्षेत्र में एक प्रेरणादायी मॉडल बनेगा और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक सिद्ध होगा। आईपीएल संस्था की ओर से कार्यक्रम का संचालन कर रहे पवन पांडे ने बताया कि इस परियोजना को चरणबद्ध तरीके से लगभग दो वर्षों में विकसित किया जाएगा। पांडे ने बताया कि भूमि पूजन के साथ ही कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। निर्धारित समय सीमा में परियोजना को पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर इंडिया पेस्टिसाइड्स लिमिटेड के निदेशक विश्वास स्वरूप अग्रवाल, कंपनी के सी एस आर निदेशक रामकृष्ण सुब्रमण्यम ने कार्यक्रम के समापन अवसर पर धन्यवाद ज्ञापित किया।

पंछी विहार घूमने गए दो युवकों की दबंगों ने हाकी-डंडों से पीटा

मिल्कीपुर–अयोध्या। इनायतनगर थाना क्षेत्र स्थित पंछी विहार में घूमने गए दो युवकों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि दबंगों ने दोनों युवकों को दौड़ा–दौड़ाकर हॉकी और डंडों से पीटा, जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में एक युवक का हाथ फ्रैक्चर होने की बात सामने आई है।खंडासा थाना क्षेत्र के भवन नगर निवासी शिव गौतम पुत्र रामबोध अपने मित्र विष्णु कौशल पुत्र शिव प्रकाश कौशल निवासी गदुरही बाजार के साथ 3 अगस्त की शाम सिद्धनाथ मंदिर, मिल्कीपुर दर्शन करने पहुंचे थे। मंदिर में पूजा–अर्चना के बाद दोनों पास स्थित पंछी विहार घूमने गए थे। शिकायत के अनुसार, वहां पहले से मौजूद अंकित यादव पुत्र विंध्याचल, अशोक कुमार पुत्र रामलाल निवासी कुंधना खुर्द, रितेश तिवारी निवासी मिल्कीपुर और हरिभान दुबे निवासी इनायतनगर पूरे गंगा दुबे ने शिव गौतम को बुलाकर नाम और आने का कारण पूछा। आरोप है कि इसके बाद सभी ने एक राय होकर जातिसूचक गालियां देते हुए हॉकी–डंडों से दोनों युवकों की पिटाई कर दी।मारपीट में शिव गौतम के सिर, हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई हैं, जबकि विष्णु कौशल का बायां हाथ फ्रैक्चर हो गया। उसके सिर और पीठ पर भी चोटें आई हैं। पीड़ित शिव गौतम ने घटना की लिखित शिकायत 3 अगस्त की देर शाम इनायतनगर पुलिस को दी। पुलिस ने दोनों घायलों का मेडिकल परीक्षण कराकर इलाज कराया है। हालांकि अभी तक मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है। मंगलवार शाम करीब पांच बजे प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है। दोनों घायलों का मेडिकल कराया गया है। मामले की जांच की जा रही है, जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

-महापौर ने मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम पर दिया

अयोध्या। अयोध्या नगर निगम में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में नागरिकों की 16 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से आठ का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जनसुनवाई की अध्यक्षता करते हुए महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि वर्षाकाल को देखते हुए नगर में जलभराव वाले स्थानों पर प्राथमिकता के आधार पर एंटी–लार्वा दवा का छिड़काव कराया जाए, ताकि मच्छरजनित बीमारियों का प्रकोप न बढ़े और नगरवासियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़ें नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने अधिकारियों को लंबित शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में सड़क निर्माण, नाली निर्माण, जलभराव, पेयजल आपूर्ति, सीवर लाइन की खुदाई तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं पर सुनवाई की गई। इस अवसर पर अपर नगर आयुक्त भारत भार्गव, सुमित कुमार सहित नगर निगम के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

राष्ट्र सर्वोपरि का संदेश लेकर हर वार्ड में निकलेगी तिरंगा यात्रा

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी द्वारा 10 से 14 अगस्त तक आयोजित होने वाली तिरंगा यात्रा अभियान की तैयारियों को लेकर भाजपा महानगर कार्यालय में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अभियान की रूपरेखा, विभिन्न कार्यक्रमों एवं मंडलवार तिरंगा यात्राओं की जानकारी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को दी गई। कार्यशाला में भाजपा महानगर प्रभारी विजय प्रताप सिंह ने कहा कि तिरंगा यात्रा अभियान का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रहित सर्वोपरि की भावना को मजबूत करना तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और देश की रक्षा में बलिदान देने वाले वीरों के प्रति सम्मान का भाव जागृत करना है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान शहीदों की प्रतिमाओं एवं स्मृति स्थलों की साफ–सफाई और सजावट की जाएगी। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों तथा देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों के स्वजन का सम्मान किया जाएगा। साथ ही घर–घर संपर्क कर लोगों से अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर पूरे सम्मान के साथ तिरंगा फहराने का आग्रह किया जाएगा। भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि महानगर की मुख्य तिरंगा यात्रा 13 अगस्त को गांधी पार्क से शहीद स्मृति स्थल तक निकाली जाएगी। इसके अलावा अयोध्या में राम मंदिर से लता चौक तक भी तिरंगा यात्रा का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि मंडल स्तर पर भी तिरंगा यात्राओं का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। 10 अगस्त को पूरा मंडल में ब्लॉक मुख्यालय से पुलिस चौकी तक तथा अयोध्या मंडल में छोटी देवकाली चौराहे से लता चौक तक यात्रा निकलेगी।

किसानों की विभिन्न समस्याओं के संबंध में सौंपा ज्ञापन

चित्रकूट। भारतीय किसान यूनियन के प्रतिनिधि मंडल ने जिला महामंत्री अरुण कुमार पांडेय के नेतृत्व में एसडीएम राजापुर पूजा गुप्ता को किसानों की विभिन्न समस्याओं के संबंध में ज्ञापन सौंपा।प्रतिनिधि मंडल में तहसील अध्यक्ष राजकिशोर सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष जसवंत सिंह चौहान, तीरथ सिंह फौजी एवं पप्पू सिंह सहित अन्य पदाधिकारी रहे। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि क्षेत्र के किसान लंबे समय से अनियमित विद्युत आपूर्ति एवं अन्य बिजली संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अधिशासी अभियंता विद्युत राजापुर किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान कर विद्युत व्यवस्था को सुचारु नहीं कराते हैं तो भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले किसान सात अगस्त से विद्युत विभाग का घेराव कर आंदोलन शुरू करेंगे। एसडीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

एसपी ने पुलिस कार्यालयों का किया किया निरीक्षण

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने मंगलवार को महिला थाना, यातायात कार्यालय, अपराध शाखा तथा शिवरामपुर पुलिस चौकी का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अभिलेखों, मालखाने, बैरक, साफ–सफाई और सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान एसपी ने लंबित विवेचनाओं एवं प्रार्थना–पत्रों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फरियादियों की शिकायतों का निष्पक्ष ढंग से समाधान किया जाए और अनावश्यक लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण किया जाए। इसके साथ ही एसपी ने क्षेत्र में प्रभावी गश्त बढ़ाने, अपराध नियंत्रण पर विशेष ध्यान देने तथा सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आमजन की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहते हुए पुलिसिंग को और प्रभावी बनाया जाए।

मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना के तहत 28 लाभार्थियों का चयन

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के साथ–साथ दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। प्रदेश सरकार ने इसके लिए श्मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ–संवर्धन योजनाश की शुरुआत की। इस योजना के तहत वर्ष 2026–27 के लिए 28 लाभार्थियों का चयन किया गया। जिन्हें बुधवार को विकास भवन में आयोजित डेयरी कानक्लेव में चयन पत्र वितरित किया जाएगा। नंदबाबा दुग्ध मिशन के नोडल अधिकारी मनोज दुबे ने बताया कि मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार की अध्यक्षता में नंद बबा डिस्ट्रिक्ट एग्जीक्यूटिव कमेटी द्वारा ई–लॉटरी के माध्यम से 28 लाभार्थियों (14 महिला, 14 पुरुष) का चयन किया गया। उन्होंने बताया कि चयनित लाभार्थियों को बुधवार को विकास भवन सभागार में आयोजित डेयरी कॉन्क्लेव में चयन पत्र वितरित किया जाएगा। इस योजना के तहत पशुपालकों को उन्नत नस्ल की 2 स्वदेशी गायों की डेयरी इकाई स्थापित करने के लिए 80 हजार रुपये तक का अनुदान दिया जा रहा है। योजना का मुख्य उद्देश्य उन्नत नस्ल की स्वदेशी गौवंश को बढ़ावा देना जिससे ज्यादा दुग्ध उत्पादन के साथ साथ संकर नस्ल की गायों में फैल रही तरह तरह की बीमारियों जैसे लम्पी रोग आदि से निजात दिलाते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के नए अवसर पैदा करना है। बताया कि इस योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को दो उन्नत नस्ल की स्वदेशी गायों की इकाई लगानी होती है। इसकी कुल स्थापना लागत का 40 प्रतिशत या अधिकतम 80,000 रुपये तक का अनुदान शासन द्वारा सीधे बैंक खाते में भेजा जाता है। बताया कि सरकार ने इस योजना में महिला सशक्तिकरण को विशेष प्राथमिकता दी है। कुल निर्धारित लक्ष्य का 50 प्रतिशत हिस्सा केवल महिला दुग्ध उत्पादकों और महिला पशुपालकों के लिए आरक्षित किया गया है। इससे ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में बहुत मदद मिलेगी।

तेज रफ्तार बाइक सवार ने मारी टक्कर, महिला घायल

मड़िहान, मीरजापुर। तेज रफ्तार बाइक सवार ने दुकान के पास खडी एक महिला को टक्कर मार दी। घायल महिला ने पुलिस से शिकायत की पर कार्रवाई के नाम पर पुलिस कोरा आश्वासन दे रही है। जानकारी के मुताबिक मड़िहान थाना क्षेत्र के ग्राम सभा गोपालपुर पसिया गांव निवासी उषा मौर्य पत्नी विजय मौर्य ने बताया कि 28 जुलाई 2026 की शाम करीब 7रू30 से 8रू30 बजे के बीच वह अपने घर के सामने स्थित दुकान पर खड़ी थीं। इसी दौरान गांव की तरफ से आ रहे हरी प्रसाद पुत्र सिताराम ने तेज रफ्तार बाइक से उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला सड़क पर गिर गई और उठने तक में असमर्थ हो गईं। आसपास के लोग और परिजन तत्काल उन्हें उपचार के लिए कलवारी स्थित जीवन ज्योति हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां उनका इलाज कराया गया। पीड़िता का आरोप है कि उन्होंने घटना के संबंध में 29 जुलाई 2026 को ही थाना मड़िहान में लिखित प्रार्थना पत्र दे दिया था, लेकिन अभी तक न तो आरोपी के खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई हुई और न ही पुलिस द्वारा मौके पर जांच की गई। महिला का कहना है कि वह थाने पर गई तो उन्हें केवल जांच का आश्वासन दिया जा रहा है। घटना को लेकर ग्रामीणों में भी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि घायल महिला को न्याय दिलाते हुए आरोपी बाइक चालक के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए।

कच्चे मकान के बंडेर में महिला ने फांसी लगाकर दी जान

मीरजापुर। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के बंजारी कलां गांव में सोमवार की देर शाम अपने कच्चे मकान के भीतर बंडेर में दुपट्टे के सहारे फंदे से फांसी लगाकर महिला ने जान दे दी। घटना की जानकारी होने पर परिजनों में चीख पुकार मच गई। बंजारी कलां गांव निवासी बाबूलाल कोल की 27 वर्षीया पत्नी एकादशी देवी ने संदिग्ध परिस्थितियों में घर के भीतर बंडेर में दुपट्टे के फंदे से लटककर जान दे दी। सूचना पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार एसआई कृपाशंकर यादव ने घटना की जांच करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतका की आठ वर्ष पूर्व शादी हुई थी। मायका हलिया क्षेत्र के देवघटा पांडेय गांव में स्थित है। मृतका को दो लड़की और एक लड़का है। प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सपा मनाएगी आदिवासी दिवस

लालगंज, मीरजापुर। समाजवादी पार्टी छानवे विधानसभा के अध्यक्ष सोकिम अहमद झल्लू के नेतृत्व में विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम की अनुमति देने के संबंध में मांग की गई। उप जिलाधिकारी अजीत कुमार को दिए गए पत्रक में विधानसभा अध्यक्ष सोकिम अहमद झल्लू ने कहा कि 9 अगस्त को पूरे देश में विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाना है। इसी क्रम में हम लोग समाजवादी पार्टी के तत्वधान में यह कार्यक्रम छानवे विधानसभा पासवान चौकी पर करना चाहते हैं। समय 10 बजे से सायं काल 3 बजे तक सुनिश्चित किया गया है जिसमें अनुमति प्रदान किए जाने की कृपा करें। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता चौधरी श्याम नारायण यादव, छानवे विधानसभा महासचिव हरिशंकर यादव समेत पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विद्युत बिलों के लंबित बकाये का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करें, आवश्यक होने पर मुख्यालय से तत्काल धनराशि की मांग करें- जिलाधिकारी

कुशीनगर, (आरएनएस)। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में विद्युत विभाग के लंबित विद्युत बिलों के बकाया भुगतान, विद्युत देयों की वसूली एवं विद्युत आपूर्ति से संबंधित समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ विभागवार समीक्षा कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, पंचायत विभाग, ग्रामीण पेयजल, आंगनवाड़ी केंद्रों, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपलब्ध बजट के सापेक्ष लंबित विद्युत बिलों का तत्काल भुगतान सुनिश्चित किया जाए। जिन विभागों के पास वर्तमान में धनराशि उपलब्ध नहीं है, वे बिना विलंब अपने–अपने मुख्यालय को आवश्यक धनराशि की मांग करते हुए पत्र प्रेषित करें तथा उसकी प्रति जिला प्रशासन को भी उपलब्ध कराएं। उन्होंने निर्देश दिया कि विद्युत बिलों के भुगतान हेतु आवश्यक धनराशि की मांग के संबंध में संबंधित विभागों के मुख्यालय को जिलाधिकारी कार्यालय की ओर से भी आवश्यक पत्र प्रेषित किए जाएं, ताकि भुगतान की प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी न हो। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्युत बिलों की प्रभावी वसूली एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना सभी विभागों की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस कार्य में यदि किसी प्रकार के प्रशासनिक सहयोग अथवा संसाधनों की आवश्यकता होगी तो जिला प्रशासन हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगा।बैठक में विद्युत आपूर्ति, विभागीय समन्वय तथा अन्य संबंधित विषयों की भी विस्तृत समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जॉइंट मजिस्ट्रेट, अधीक्षण अभियंता विद्युत, अधिशासी अभियंता विद्युत, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी तथा संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रेमी संग पति की हत्या कराने वाली पत्नी समेत तीन आरोपी दोषी करार

चित्रकूट। खुद से आधी उम्र के प्रेमी की मोहब्बत में पड़कर पति की हत्या की साजिश रचने वाली महिला समेत तीन आरोपियों को न्यायालय ने दोषी करार दिया है। दोष सिद्ध होने के बाद आरोपी महिला समेत तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर जिला कारागार भेज दिया गया। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी श्यामसुंदर मिश्रा ने बताया कि बीती 18 फरवरी 2024 को भरतकूप थाना क्षेत्र के रसिन गांव के मजरा फाटापुरवा के निवासी रामशरण पटेल ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रामशरण के अनुसार बीती 18 फरवरी 2024 को सबेरे उसकी पौत्री भैंसों को चारा डालने के लिए गई थी। जहां उसके बेटे रामबाबू के घर का दरवाजा अंदर से बंद मिला और आवाज लगाने पर भी दरवाजा नहीं खुला। रामबाबू की पत्नी सविता बच्चों के साथ अपने मायके कंठीपुर गई थी। काफी देर तक दरवाजा न खुलने और फोन न उठने पर वह लोग घर के बाहर सीढ़ी लगाकर छत के रास्ते अंदर गए तो रामबाबू का रक्तरंजित शव चारपाई पर पड़ा था। किसी ने उसकों गोली मार दिया था। मृतक की पिता की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। पुलिस अधीक्षक एके सिंह ने इस ब्लाइंड मर्डर का खुलासा करने के लिए कई टीमों को जिम्मेदारी सौंपी थी।

नाबालिग प्रेमी ने गोली मारकर की थी हत्या

चित्रकूट। जांच में सामने आया कि मृतक की पत्नी सविता की दोस्ती आधी उम्र के बांदा जिले के बदौसा थाने के एक गांव निवासी लड़के से थी। इस लड़के ने सविता के साथ अपनी फोटो फेसबुक में डाल दी थी। इसका पता चलने पर रामबाबू ने उस लड़के को पीट दिया था। इसके बाद से दोनों के बीच विवाद हो गया था। इस दौरान योजनाबद्ध तरीके से सविता अपने बच्चों को लेकर मायके कंठीपुर चली गई, यहां से वह अपने प्रेमी से मोबाइल के जरिए सम्पर्क में रही। इसके बाद बीती बीती 17 फरवरी 2020 को सविता के प्रेमी ने रात में टिकुरी निवासी बरकत अली और अफजल उर्फ फैजल के साथ रामबाबू के घर पहुंचकर गोली मारकर उसकी हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया।

सजा के बिंदु पर होगी सनुवाई

चित्रकूट। मामले का खुलासा करने के साथ पुलिस ने पति की हत्या की साजिश रचने के मामले में सविता पटेल और उसके प्रेमी समेत अन्य आरोपियों को गिरतार कर लिया। आरोपी प्रेमी के नाबालिग पाए जाने पर उसका मुकदमा किशोर न्यायालय स्थानांतरित कर दिया गया। बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद मंगलवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेषमणि शुक्ला ने इस मामले में मृतक की पत्नी सविता पटेल, आरोपी बरकत अली और अफजल उर्फ फैजल को दोषी करार दिया और उसे हिरासत में जिला कारागार भेजने के आदेश दिए। सजा के बिंदु पर बुधवार को न्यायालय में सुनवाई होगी।

45 छात्रायें मण्डल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में चयनित

चित्रकूट। जिला समन्वयक बालिका शिक्षा संतोश साहू ने बताया कि कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय मण्डल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता चयन ट्रायल में लगभग 70 बालिकाओं ने सरदार बल्लभ भाई पटेल स्टेडियम बांदा में प्रतिभाग किया। जिसमें लगभग 45 छात्राओं का चयन किया गया। जिसमें कस्तूरबा बालिका विद्यालय शिवरामपुर, चकला चकौंध, मानिकपुर व मऊ की छात्राओं ने प्रतिभाग किया था। इस उपलब्धि के लिये डीएम पुलकित गर्ग, सीडीओ देवीदयाल पाल ने बालिकाओं को बधाई दी है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रंजना शुक्ला ने सभी छात्राओं को बधाई और शुभकामनायें देते हुये कहा कि सभी लोग अपने स्कूल और अपने जिले का नाम रोशन किया है और आप लोगों से आगे भी उम्मीद है कि सभी लोग राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन कर नाम रोषन करेंगी। जिला व्यायाम शिक्षक दयानन्द सिंह ने बताया कि जिन छात्राओं का मण्डल में चयन हुआ है उन सभी को 7 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण दिया जायेगा जिसमें जिला के खेल शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जायेगी। जो छात्रायें चयनित हुई हैं अपने–अपने खेलों में जैसे कि दौड़, कबड्डी, बालीबाल, ऊंची कूद, लम्बी कूद, खो–खो, गोला फेंक, चक्का फेंक, शतरंज, कैरमबोर्ड, तैराकी, भाला फेंक आदि खेलों में छात्रायें लगातार तैयारी करतीं रहें।

ईट लदे ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से बोलेरो ने मारी टक्कर, बोलेरो चालक घायल

मीरजापुर। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के वाराणसी–रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित लहुरियादह गांव में मंगलवार सुबह पांच बजे के करीब ईंट लादकर मध्य–प्रदेश की ओर जा रहे ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से बोलेरो ने टक्कर मार दी। जिससे बोलेरो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची ड्रमंडगंज पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से एनएचएआई की एंबुलेंस से घायल चालक को पास स्थित मध्यप्रदेश के हनुमना सीएचसी में उपचार हेतु भर्ती करवाया। मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले के चितरंगी थाना क्षेत्र के धवई गांव निवासी 28 वर्षीय लल्लू राम सोमवार की रात अपने गांव से सवारियों को बैठाकर मीरजापुर छोड़ने गए थे। सवारियों को छोड़ने के बाद मंगलवार भोर में घर लौट रहे थे। पांच बजे के करीब जैसे ही लहुरियादह गांव में पहुंचे तो अचानक झपकी आ जाने से ईंट लादकर मध्यप्रदेश की तरफ जा रहे ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से बोलेरो ने टक्कर मार दी। जिससे बोलेरो चालक लल्लू राम गंभीर रूप से घायल हो गए। उपनिरीक्षक सुभाष यादव ने बताया कि बोलेरो चालक को अचानक झपकी आ आ गई जिससे बोलेरो ईंट लदे ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से टकरा गई। हादसे में बोलेरो चालक को गंभीर चोटें आई हैं और बोलेरो का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। घायल बोलेरो चालक को उपचार हेतु एनएचएआई की एंबुलेंस से हनुमना सीएचसी भेजा गया है।

आपरेशन के बाद बुझ गई जिंदगी, संस्कृत्य हश्स्पिटल पर लापरवाही का गंभीर आरोप

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद के रवींद्र नगर थाना क्षेत्र स्थित सॉंकृत्य हॉस्पिटल में पथरी के ऑपरेशन के बाद एक युवक की मौत ने निजी अस्पतालों के गैर जिम्मेदार चिकित्सको की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। परिजनों का आरोप है कि सफल ऑपरेशन का दावा करने वाले सॉंकृत्य अस्पताल ने मरीज की बिगड़ती हालत को लगातार नजरअंदाज किया। दर्द से कराहते युवक को बार–बार सिर्फ ड्रिप चढ़ाकर घर भेज दिया और जब हालत बेहद नाजुक हो गई, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। रविवार देर रात इलाज के दौरान युवक ने तड़प–तड़पकर दम तोड़ दिया। मौत की खबर मिलते ही अस्पताल परिसर चीख–पुकार और आक्रोश से गूंज उठा। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ जमकर हंगामा किया और हास्पिटल प्रशासन व चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस दौरान मौके पर पहुची पुलिस को भीड के साथ धक्का–मुक्की करनी पडी। परिजनों के अनुसार युवक का लगभग 10 दिन पहले सॉंकृत्य हास्पिटल में पथरी का ऑपरेशन किया गया था। ऑपरेशन के बाद डॉक्टरों ने सब कुछ सामान्य बताते हुए उसे घर भेज दिया। लेकिन महज तीन दिन बाद ही युवक के पेट में असहनीय दर्द शुरू हो गया। दर्द लगातार बढ़ता गया और उसकी हालत बिगड़ने लगी।हर बार युवक ने बताया दर्द, हर बार ड्रिप लगाकर घर भेज दिया— मृतक के परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के बाद कई बार अस्पताल पहुंचने पर भी डॉक्टरों ने मरीज की गंभीर स्थिति को नहीं समझा। न कोई ठोस जांच कराई गई और न ही किसी बड़े अस्पताल के लिए रेफर किया गया। परिजनों का कहना है कि हर बार केवल ड्रिप और दवा देकर वापस घर भेज दिया गया, जबकि युवक दर्द से छटपटाता रहता था। और रविवार को जिंदगी की आखिरी जंग हार गया युवक–– बताया जा रहा है कि रविवार रात युवक की तबीयत अचानक अत्यधिक खराब हो गई। दर्द असहनीय होने पर परिजन उसे फिर सॉंकृत्य अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में इलाज शुरू हुआ, लेकिन देर रात उसकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि यदि समय रहते सही उपचार मिलता तो शायद उनकी आंखों के सामने उनका बेटा दम न तोड़ता।मौत के बाद अस्पताल बना रण क्षेत्र–– युवक की मौत की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में परिजन और स्थानीय लोग अस्पताल पहुंच गए। अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा हुआ। परिजनों ने डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में घोर लापरवाही का आरोप लगाते हुए दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग की। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस को आक्रोशित भीड के साथ धक्का–मुक्की का सामना भी करना पडा। सवाल यह उठ रहा है कि क्या ऑपरेशन के बाद मरीज की नियमित और समुचित निगरानी की गई? लगातार दर्द की शिकायत के बावजूद हास्पिटल द्वारा गंभीर जांच क्यों नहीं कराई गई? यदि मरीज की हालत बिगड़ रही थी तो उसे उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर क्यों नहीं किया गया? आखिर ऐसी कौन–सी चूक हुई कि ऑपरेशन के महज 10 दिन बाद युवक की मौत हो गई? इन सवालों के जवाब अब स्वास्थ्य विभाग और जांच एजेंसियों को तलाशने होंगे। फिलहाल परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दूसरी ओर अस्पताल का पक्ष अभी सामने नहीं आया है। युवक की मौत का वास्तविक कारण चिकित्सकीय एवं प्रशासनिक जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। यदि जांच में लापरवाही सिद्ध होती है, तो हास्पिटल पर कार्रवाई तय है। पुरानी यादें हुई ताजा–– बीते माह कसया स्थित लूना हॉस्पिटल में भी पथरी के ऑपरेशन के बाद एक महिला की मौत हो गई थी। उस मामले में भी परिजनों ने चिकित्सकीय लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया था। सूत्रों का दावा है कि उक्त प्रकरण में स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय पुलिस द्वारा जांच तो शुरू की गई, लेकिन बाद में मामला किसी ठोस नतीजे तक नहीं पहुंचा और कार्रवाई ठंडे बस्ते में है। हालाकि मीडिया लगातार इस मामले को प्रमुखता से उठाती रही है आज

आय, जाति व निवास प्रमाण पत्रों के भुगतान को मिली स्वीकृति

चित्रकूट। आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्रों की प्रिंटिंग आदि में होने वाले व्यय का भुगतान डिस्ट्रिक्ट ई–गवर्नेन्स सोसाईटी चित्रकूट के माध्यम से जिलाधिकारी द्वारा स्वी.ति प्रदान की गयी है।

शासनादेश एवं आयुक्त व सचिव राजस्व परिषद के निर्देशों के अनुपालन में जनपद में आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्रों के आवेदन पत्रों की प्रिंटिंग आदि पर होने वाले व्यय का भुगतान जनपद के लेखपालों को दिये जाने के लिए डीएम पुलकित गर्ग द्वारा स्वीकृति प्रदान की गयी है। तहसील कर्वी, मऊ, माणिकपुर एवं राजापुर में 1 मार्च 2025 से 31 मार्च 2026 की अवधि में निर्गत आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्रों के आधार पर संबंधित लेखपालों को प्रति आवेदन पांच रुपए की दर से भुगतान किया जाना है। इस अवधि में चारों तहसीलों से कुल 2,27,139 प्रमाण पत्र निर्गत किए गए हैं। जिनके सापेक्ष कुल 11 लाख 35 हजार 695 रुपये के भुगतान की स्वी.ति प्रदान की गयी है।

निर्धारित समयसारिणी के अनुसार कार्य पूर्ण करें : डीएम

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में छात्र–छात्राओं के छात्रवृत्ति आवेदन पत्रों की फीडिंग की प्रगति असंतोषजनक पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्धारित समयसारिणी के अनुसार कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि शासनादेश के अनुरूप केवल अभिभावक का आय प्रमाण पत्र ही संलग्न किया जाए तथा पात्र एवं वास्तविक विद्यार्थियों का सत्यापन शत प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। साथ ही छात्र–छात्राओं की न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति का विशेष ध्यान रखने तथा सभी अभिलेख एवं डेटा त्रुटिरहित अपलोड करने के निर्देश दिए, जिससे कोई भी पात्र छात्र छात्रवृत्ति से वंचित न रहे। मुख्य विकास अधिकारी को जिला स्तरीय अधिकारियों के माध्यम से विद्यालयों द्वारा किए जा रहे सत्यापन का रैंडम सत्यापन कराने के निर्देश दिए। बैठक में विद्यालय वाहनों की सुरक्षा पर विशेष बल देते हुए उन्होंने कहा कि वाहन चालकों की नियमित निगरानी की जाए तथा छात्र–छात्राओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मुकदमे में सुलह का दबाव बना रहे आरोपी

चित्रकूट। राजापुर कस्बा निवासी नेहा पत्नी धनराज सोनकर ने एसपी को सौपे गए पत्र में अवगत कराया कि उसने विगत माह थाना राजापुर में मुकदमा एक व्यक्ति के नाम दर्ज कराया था। पुलिस पर आरोप लगाते हुए बताया कि दो अन्य लोगों को मुकदमे में आरोपी नहीं बनाया गया। जिससे उनके हौसले बुलंद है। आए दिन धमकी दे रहे हैं। वह दोनों आरोपी और दो अन्य व्यक्ति मामले में सुलह समझौता कर मुकदमा उठाने का दबाव बना रहे हैं। अन्यथा की दशा में जान से मारने की धमकी दी है। पीड़िता ने सौंपे गए पत्र में माग की है कि दोनो आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई कराई जाए।

एएसपी ने परेड की सलामी लेकर किया निरीक्षण

चित्रकूट। एएसपी पीयूषकांत राय ने पुलिस लाइन्स में मंगलवार की साप्ताहिक परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया। पुलिसकर्मियों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ, तत्पर और अनुशासन बनाए रखने के लिए विभिन्न प्रकार के शारीरिक करायी। पुलिस लाइन का जायजा लेकर प्रभारी प्रतिसार निरीक्षक को सुधार के लिए निर्देशित किया। परिवहन शाखा जाकर थानों से आयी समस्त चारध दो पहिया वाहनों, 112 पीआरवी तथा परिवहन शाखा में रखे वाहनों का निरीक्षण कर प्रभारी परिवहन शाखा को वाहनों की कमियों को दूर करने के निर्देश दिए। डायल 112 कार्यालय, आवास परिसर, बैरक, सीपीसी कैन्टीन, मंदिर, भोजनालय, ऑर्मरी का निरीक्षण किया। साथ ही रिक्रूट आरक्षियों से व्यावहारिक परीक्षण के सम्बन्ध में जानकारी ली गई।

महिला पतंजलि योग समिति ने मनाया आचार्य बालकृष्ण का जन्मदिन

चित्रकूट। आयुर्वेदाचार्य बाल.ष्ण का जन्मदिन जड़ी बूटी दिवस के रूप में महिला पतंजलि योग समिति ने मनाया। जिसमें जिला प्रभारी मंजू केशरवानी ने बताया की जड़ी बूटी दिवस जनपद के कई स्थानों पर धूमधाम से मनाया गया। जड़ी बूटी के उपयोग एवं महत्व को बताकर वितरण किया। घी कुमार, गिलोय, तुलसी, हरजोर, अश्वगंधा, शतावर, दूधी, भूमि आंवला, पुनर्नवा, सहजन, गुलाब, गुड़हल, सदाबहार, पत्थरचट्टा, अजवाइन, नागदोन आदि जड़ी बूटियां के लगभग हजार पौधों एवं बीज का वितरण हुआ।

वंदन योजना के विकास कार्यो का डीएम ने लिया जायजा

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने वंदन योजना के अंतर्गत कराए गए विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करने के लिए विकासखंड कर्वी के ग्राम तरौंहा का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्षेत्रीय ग्रामीणों से संवाद कर विकास कार्यों एवं स्थानीय आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की।ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि ग्राम स्थित माँ झारखंडी धाम क्षेत्र की अत्यंत प्राचीन एवं धार्मिक मान्यता है। जहाँ प्रतिवर्ष शारदीय एवं चैत्र नवरात्र के अवसर पर नौ दिवसीय विशाल मेले का आयोजन होता है। इस अवसर पर डीएम ने माँ झारखंडी मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना कर देश, प्रदेश एवं जनपदवासियों के सुख, समृद्धि एवं मंगल की कामना की। ग्रामीणों द्वारा मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बाउंड्रीवॉल एवं यात्री शेड के निर्माण की मांग रखी गई। इस पर डीएम ने बताया कि संबंधित प्रस्ताव तैयार कर शासन को प्रेषित किया जा चुका है तथा आगामी वर्ष वंदन योजना के अंतर्गत आवश्यक कार्यों को प्रस्तावित कर स्वी.ति के लिए भेजा जाएगा। इसके उपरांत डीएम ने नगर पालिका परिषद द्वारा वंदन योजना के अंतर्गत कराए गए सीसी सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं निर्धारित मानकों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस मौके पर ईओ लालजी यादव, कनिष्ठ अभियंता शुभम तिवारी, सभासद शंकर यादव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आस्ट्रेलिया बनाम बांग्लादेश स्टार्क के निशाने पर होगा कपिल देव और स्टेन का बड़ा रिकार्ड

ब्रिस्बेन । बांग्लादेश के खिलाफ 13 अगस्त से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज में मिचेल स्टार्क के निशाने पर कपिल देव और डेल स्टेन का बड़ा रिकॉर्ड होगा। हालांकि, स्टार्क का कहना है कि व्यक्तिगत उपलब्धि उनके लिए टीम के बाद आती है। दरअसल, टेस्ट क्रिकेट में मिचेल स्टार्क ने अब तक कुल 433 विकेट चटकाए हैं। वहीं, क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में कपिल देव ने 434 और डेल स्टेन ने 439 विकेट निकाले हैं। अब अगर स्टार्क बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कुल मिलाकर 7 विकेट लेने में सफल रहते हैं, तो वो कपिल देव और स्टेन दोनों को एक साथ पीछे छोड़ देंगे। हालांकि, स्टार्क का कहना है कि व्यक्तिगत उपलब्धियां दूसरे नंबर पर आती हैं क्योंकि ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य अगले साल ओवल में होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए प्वाइंट हासिल करना है। बुधवार को आईसीसी ने स्टार्क के हवाले से कहा, इसका मतलब है कि मैंने काफी क्रिकेट खेला है। उन खिलाड़ियों (कपिल देव और डेल स्टेन) के साथ मेरा नाम लिया जाना बहुत अच्छी और विनम्रता वाली बात है। हालांकि, जब आप खेल रहे होते हैं, तो इन बातों का बहुत ज्यादा मतलब नहीं होता। आप बहुत आगे की नहीं सोचते। ऑस्ट्रेलिया अभी डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में पहले स्थान पर मौजूद है। ऑस्ट्रेलिया के लिए बांग्लादेश सीरीज के साथ सात महीने का मुश्किल टेस्ट शेड्यूल शुरू हो रहा है। कंगारू टीम साउथ अफ्रीका की मेजबानी करेगी और इसके बाद ऑस्ट्रेलिया को न्यूजीलैंड और भारत के घर में टेस्ट सीरीज खेलनी है।मौजूदा डब्ल्यूटीसी साइकल में स्टार्क शानदार फॉर्म में रहे हैं। वह 8 मुकाबलों में अब तक 46 विकेट निकाल चुके हैं और सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज में स्टार्क ने 31 विकेट निकाले थे। उन्होंने अपनी लंबी पारी का श्रेय लगातार सुधार और फिजिकल कंडीशनिंग के साथ–साथ टॉप लेवल पर लगातार सफलता के लिए छोटी–छोटी रणनीतिक बदलावों को दिया। उन्होंने कहा, जब आप 36 साल के होते हैं और 16 साल से खेल रहे होते हैं, तो आप सोचते हैं कि आपने कुछ सुधार किया है या किसी चीज में बेहतर हुए हैं। आप इतने लंबे समय तक इसलिए टिके रहते हैं क्योंकि आप विकसित हो पाते हैं, सीख पाते हैं और सुधार कर पाते हैं।

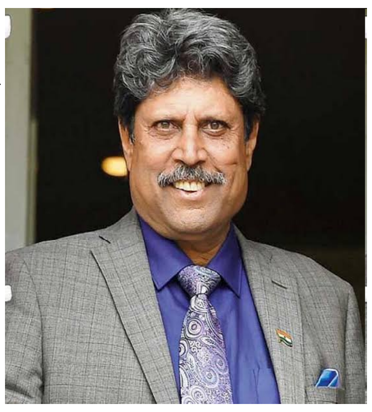

भारत बनाम श्रीलंका नेट गेंदबाज के तौर पर टीम इंडिया से जुड़े हर्ष, तनुष, विपराज और शिवांग

कोलंबो ,। श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भारतीय बल्लेबाजों की मदद की खातिर हर्ष दुबे, तनुष कोटियन और विपराज निगम और कलाई के स्पिनर शिवांग कुमार को बतौर नेट गेंदबाज टीम से जोड़ा गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को एक आधिकारिक अपडेट में कहा, हर्ष दुबे, शिवांग कुमार, तनुष कोटियन और विपराज निगम श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट की तैयारी में टीम की मदद करने के लिए नेट गेंदबाज के तौर पर भारतीय टीम में शामिल हुए हैं। यह जानकारी शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम के नॉनडेस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब (एनसीसी) ग्राउंड पर अपना पहला प्रैक्टिस सेशन शुरू करने के बाद दी गई। हालांकि, इन चारों खिलाड़ियों के मुख्य टीम या प्लेइंग इलेवन में शामिल होने की संभावना कम ही है, लेकिन यह अनुभव उनके लिए सीखने और आगे बढ़ने का एक बड़ा मौका है। घरेलू क्रिकेट में विदर्भ के लिए खेलने वाले बाएं हाथ के स्पिन–बॉलिंग ऑलराउंडर दुबे ने इस साल की शुरुआत में अफगानिस्तान के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया था। वह अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट, इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे मैच और जिम्बाब्वे में टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए भी टीम का हिस्सा थे।वहीं, मुंबई के ऑफ–स्पिनर कोटियन ने पिछले दो सीजन में घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। वह 2024ꝺ25 बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के लिए भी भारतीय टीम में रविचंद्रन अश्विन की जगह शामिल किए गए थे, जिन्होंने ब्रिस्बेन में तीसरे मैच के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी।लेग–स्पिनर विपराज निगम जून में श्रीलंका में हुई 50 ओवर की ट्राई सीरीज के दौरान भारत ए टीम का हिस्सा रहे थे। वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से अपना दमखम दिखा चुके हैं। घरेलू क्रिकेट में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले और आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलने वाले शिवांग, जून में न्यू चंडीगढ़ में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट से पहले भारतीय टीम के लिए नेट बॉलर थे। कोलंबो के एनसीसी में 7 से 9 अगस्त तक तीन दिन के प्रैक्टिस मैच में हिस्सा लेने के बाद, भारतीय टीम गॉल जाएगी, जहां 15 अगस्त से सीरीज का पहला टेस्ट मैच खेला जाना है। इसके बाद, 23 से 27 अगस्त तक सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा।

ईंधन कीमतों को काबू में रखने के लिए सरकार जारी रखेगी राहत उपाय

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में जारी तनाव और उससे तेल एवं गैस की कीमतों में आई तेजी के बीच केंद्र सरकार ने कहा है कि वह पेट्रोल और डीजल की कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए आगे भी आवश्यक वित्तीय और प्रशासनिक कदम उठाती रहेगी। सरकार का कहना है कि उपभोक्ताओं पर बढ़ती वैश्विक ऊर्जा कीमतों का बोझ कम से कम पड़े, इसके लिए स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि इस साल सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क में 10 रुपए प्रति लीटर की कटौती की थी। यह फैसला पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईंधन कीमतों में आई तेजी के प्रभाव को कम करने के लिए लिया गया था।मंत्री ने बताया कि शुल्क में इस कटौती के कारण वित्त वर्ष 2026–27 में सरकार को लगभग 1.23 लाख करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान होने का अनुमान है। हालांकि, इससे आम उपभोक्ताओं को राहत मिली और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को भी बढ़ती लागत के दबाव से कुछ हद तक राहत मिली।उन्होंने कहा कि उत्पाद शुल्क में कमी से सरकारी तेल कंपनियों द्वारा वहन की जा रही आंशिक घाटे की स्थिति को संतुलित करने में मदद मिली, जिससे वे बिना किसी व्यवधान के देश भर में ईंधन की आपूर्ति जारी रख सकीं।

पंकज चौधरी ने स्पष्ट किया कि सरकार भविष्य में भी ईंधन कीमतों में होने वाली अस्थिरता के प्रभाव को कम करने के लिए जरूरत के अनुसार कदम उठाएगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि ऐसे उपायों से देश की वित्तीय स्थिति पर अनावश्यक दबाव न पड़े और राजकोषीय अनुशासन बना रहे।सरकार की रणनीति राजस्व और खर्च के रुझानों पर लगातार नजर रखने, प्राथमिकताओं के अनुसार सरकारी व्यय में बदलाव करने और आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक वित्तीय फैसले लेने पर आधारित है।मंत्री के अनुसार, इससे सरकार अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में अचानक आने वाली तेजी जैसी अप्रत्याशित परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपट सकती है।

उन्होंने कहा कि सरकार बजटीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने, व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखने और राजकोषीय संतुलन के लक्ष्य पर आगे बढ़ने के साथ–साथ ऐसे झटकों का सामना करने की क्षमता भी बनाए रखेगी। ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए सरकार कई मोर्चों पर काम कर रही है, जिसमें कच्चे तेल के आयात स्रोतों में विविधता लाना, सामरिक पेट्रोलियम भंडार का विस्तार, वैकल्पिक और स्वच्छ ईंधनों को बढ़ावा देना तथा ऊर्जा दक्षता में सुधार जैसे कदम शामिल हैं। सरकार का मानना है कि इससे देश की अर्थव्यवस्था बाहरी ऊर्जा झटकों के प्रति कम संवेदनशील बनेगी और दीर्घकालिक आर्थिक विकास को मजबूती मिलेगी। इस बीच, सरकार ने जुलाई में रियायती दरों पर मिलने वाले रूसी कच्चे तेल की खरीद भी बढ़ा दी, जो उस महीने देश के कुल तेल आयात का 50 प्रतिशत से अधिक था।

कलाई की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे अल्काराज

ओहायो । विश्व के नंबर 2 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज सिनसिनाटी ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे। स्पेन का यह खिलाड़ी अपनी कलाई की चोट से उबरने में नाकाम रहा है, जिसके चलते उन्होंने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट के आयोजक ने बुधवार को अल्काराज के टूर्नामेंट से हटने की पुष्टि की। उन्होंने बताया, कार्लोस अल्काराज सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। हमारे 2025 के चौंपियन को ठीक होने के लिए शुभकामनाएं। अगले साल आपका स्वागत करने का इंतजार नहीं कर सकते। अल्काराज ने आखिरी बार अप्रैल में बार्सिलोना ओपन टूर्नामेंट खेला था। उससे ठीक पहले, अप्रैल की शुरुआत में ही वो मोंटे–कार्लो मास्टर्स के फाइनल तक पहुंचे थे। एटीपी विनध्लॉस इंडेक्स के अनुसार, 23 साल के अल्काराज का इस सीजन में 22–3 का रिकॉर्ड है, और वह एटीपी रैंकिंग में विश्व के नंबर 2 खिलाड़ी हैं। अल्काराज ने अपने सीजन की शानदार शुरुआत की थी और ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया। मेलबर्न की ट्रॉफी ही आखिरी बड़ी ट्रॉफी थी जो उनके पास नहीं थी। सिनसिनाटी ओपन का मेन ड्रॉ 13 अगस्त से शुरू होगा और 23 अगस्त तक चलेगा। मई में दुनिया के नंबर 2 खिलाड़ी ने विंबलडन और क्वीन्स क्लब चौंपियनशिप दोनों से नाम वापस ले लिया था, क्योंकि वह अपनी दाहिनी कलाई की लगातार चोट से ठीक हो रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने रोम में हुए इटैलियन ओपन और फ्रेंच ओपन में भी हिस्सा नहीं लिया था। पिछले सीजन अल्काराज ने जानिक सिनर को फाइनल में हराकर फ्रेंच ओपन का खिताब अपने नाम किया था।

कोलो कोलो फुटबाल क्लब से आधिकारिक तौर पर जुड़े वोजिन्हा, फीफा वर्ल्ड कप में यादगार रहा था प्रदर्शन

सैंटियागो ,,। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में केप वर्डे के लिए बतौर गोलकीपर यादगार प्रदर्शन करने वाले गोलकीपर वोजिन्हा आधिकारिक तौर पर चिली के क्लब कोलो कोलो से जुड़ गए हैं। क्लब में शामिल होने पर वोजिन्हा का भव्य स्वागत हुआ। वोजिन्हा को फैंस ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 का बेस्ट गोलकीपर चुना था। वह अपने प्रदर्शन के कारण जमकर सुर्खियां बटोरने में सफल रहे थे। जून में पुर्तगाली सेकंड–डिवीजन टीम चावेस से अलग होने के बाद वोजिन्हा एक फ्री एजेंट के तौर पर आए थे। 40 साल के वोजिन्हा ने कोलो कोलो के सैंटियागो हेडक्वार्टर में पेपरवर्क पूरा करने से पहले एक मेडिकल टेस्ट पास किया। कोलो कोलो में उनके आने की घोषणा जुलाई में की गई थी, लेकिन वीजा की समस्या और निजी दिक्कतों की वजह से उनके क्लब से जुड़ने में देरी हुई। सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, 40 साल के वोजिन्हा, जिनका पूरा नाम जोसिमार जोस एवोरा डायस है, को सैंटियागो के मोन्यूमेंटल डेविड अरेलानो स्टेडियम में दर्जनों मीडिया प्रतिनिधित्व के सामने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पेश किया गया।वोजिन्हा ने कहा, मुझे कुछ बड़ा होने की उम्मीद थी, क्योंकि हम कोलो कोलो के बारे में बात कर रहे हैं, एक क्लब जिसका इतिहास बहुत अच्छा है, लेकिन मुझे इतने सारे लोगों की उम्मीद नहीं थी। मुझे इतने सारे लोगों से मिलकर खुशी हुई। मुझे पूरी दुनिया, भगवान और सभी का शुक्रिया अदा करना है। ये गोलकीपर हाल ही में पुर्तगाल की दूसरी डिवीजन की टीम जी.डी. चावेस के लिए खेल रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड कप के बाद जो भी हुआ, उसके बाद भी वो अपनी जिंदगी से खुश और संतुष्ट हैं।उन्होंने कहा, मैंने 25 साल की उम्र में पेशेवर तौर पर खेलना शुरू किया था। मैं एक बहुत छोटे देश से आता हूं, जहां बहुत कम मौके मिलते हैं, लगभग बिल्कुल भी नहीं। मैं केप वर्डे के लोगों को प्रतिनिधित्व करता हूं, जो कड़ी मेहनत करते हैं और कभी हार नहीं मानते। मेरे लिए, इस देश का प्रतिनिधित्व करना बहुत फायदेमंद है।

कोलो कोलो ने सोमवार को चिली के बाकी 2026 घरेलू सीजन के लिए केप वर्डे के इंटरनेशनल गोलकीपर वोजिन्हा की साइनिंग पूरी की। कोलो कोलो चिली का सबसे सफल क्लब है और देश का एकमात्र कोपा लिबर्टाडोरेस विजेता है, जिसने 1991 में साउथ अफ्रीका अमेरिका की प्रीमियर क्लब प्रतियोगिता जीती थी। सैंटियागो की यह टीम 17 मैचों में 42 पॉइंट्स के साथ चिली प्राइमेरा डिवीजन में सबसे आगे है, जो दूसरे स्थान पर मौजूद यूनिवर्सिडाड डे चिली से 12 प्वाइंट्स ज्यादा है।

पीएलआई-आटो स्कीम के तहत आया 44,326 करोड़ रुपए का निवेशय 67,000 से ज्यादा रोजगार सृजित सरकार

नई दिल्ली । केंद्र सरकार की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट्स क्षेत्र में निवेश और रोजगार बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही है। भारी उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि 31 मार्च 2026 तक इस योजना के तहत 44,326 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित हुआ है, जबकि 67,820 लोगों को रोजगार मिला है।

मंत्रालय के अनुसार, इस योजना के चलते ऑटोमोबाइल क्षेत्र में वित्त वर्ष 2020 को आधार वर्ष मानते हुए 52,414 करोड़ रुपए की अतिरिक्त बिक्री (इंक्रीमेंटल सेल्स) दर्ज की गई है। इसके अलावा, पात्र कंपनियों को अब तक 2,386.36 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि वितरित की जा चुकी है।

देश भर में लागू की गई पीएलआई–ऑटो स्कीम का उद्देश्य उन्नत ऑटोमोबाइल तकनीकों के घरेलू निर्माण को बढ़ावा देना और वैश्विक ऑटो वैल्यू चेन में भारत की स्थिति को मजबूत बनाना है। सरकार का मानना है कि यह योजना भारत को ऑटोमोबाइल विनिर्माण के प्रमुख वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद करेगी।

मंत्रालय ने बताया कि योजना के तहत प्रोत्साहन प्राप्त करने के लिए कंपनियों को कम से कम 50 प्रतिशत घरेलू मूल्य संवर्धन (डीवीए) सुनिश्चित करना अनिवार्य है, जिसका उद्देश्य स्थानीय उत्पादन बढ़ाना, आयात पर निर्भरता कम करना और देश में विनिर्माण गतिविधियों को बढ़ावा देना है।

28 जुलाई 2026 तक 18 कंपनियों को डीवीए प्रमाणपत्र जारी किए जा चुके हैं। ये प्रमाणपत्र 155 एडवांस्ड ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी (एएटी) उत्पादों और उनके विभिन्न संस्करणों को कवर करते हैं। इससे संकेत मिलता है कि भारतीय ऑटो उद्योग नई तकनीकों के विकास और स्थानीय उत्पादन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

फ्लेक्स–फ्यूल वाहनों के मुद्दे पर मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि 20 प्रतिशत से अधिक एथेनॉल मिश्रित ईंधन पर चलने वाले वाहनों को बढ़ावा देने के लिए फिलहाल कोई अलग राष्ट्रीय चरणबद्ध नीति नहीं बनाई गई है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि उसने फ्लेक्स–फ्यूल वाहनों या इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देने से जुड़े प्रभावों पर कोई अलग अध्ययन नहीं कराया है। हालांकि, सरकार ने एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। मंत्रालय का कहना है कि इस दिशा में जल संरक्षण, खाद्य सुरक्षा और किसानों के हितों के बीच संतुलन बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति के तहत एथेनॉल उत्पादन के लिए कई प्रकार के कच्चे माल के उपयोग की अनुमति दी गई है, जिनमें गन्ना–आधारित उत्पाद, मक्का, क्षतिग्रस्त खाद्यान्न, टूटा हुआ चावल, मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त अनाज और राष्ट्रीय जैव ईंधन समन्वय समिति (एनबीसीसी) द्वारा अनुमोदित अधिशेष खाद्यान्न शामिल हैं। सरकार कम पानी वाली फसलों, विशेष रूप से मक्का, की खेती को भी बढ़ावा दे रही है ताकि एथेनॉल उत्पादन को अधिक टिकाऊ बनाया जा सके।

सीएसएएम और व्हाट्सएप यूजरनेम फीचर पर मेटा से जवाब मांगेगी सरकार, 5 अगस्त को हो सकती है अहम बैठक

नई दिल्ली ,। केंद्र सरकार सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स पर बढ़ती सुरक्षा और कंटेंट मॉडरेशन संबंधी चिंताओं को लेकर मेटा के वरिष्ठ अधिकारियों से जवाब मांगने की तैयारी में है। सरकार 5 अगस्त को मेटा के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक कर सकती है, जिसमें बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम), व्हाट्सएप के यूजरनेम फीचर, और वेरिफाइड व हाई–प्रोफाइल अकाउंट्स से जुड़े कंटेंट हटाने की प्रक्रिया सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के सचिव एस. कृष्णन ने मंगलवार को बताया कि सरकार पिछले कुछ समय से उठ रही विभिन्न चिंताओं पर कंपनी से स्पष्टीकरण चाहती है। उन्होंने यह जानकारी वॉयस ऑफ इंडिया नामक स्वतंत्र मल्टीमॉडल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मूल्यांकन प्लेटफॉर्म के लॉन्च के दौरान दी, जिसे एआई4भारत और जोश टॉक्स एआई ने संयुक्त रूप से विकसित किया है।बैठक में सबसे प्रमुख मुद्दों में से एक मेटा के प्लेटफॉर्म पर बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) से निपटने के लिए उठाए गए कदम होंगे। सरकार यह जानना चाहती है कि कंपनी ने इस प्रकार की आपत्तिजनक सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए क्या उपाय किए हैं और वे कितने प्रभावी साबित हो रहे हैं।एस. कृष्णन ने कहा कि इस विषय को पहले भी कंपनी के सामने उठाया गया था और अब सरकार यह समझना चाहती है कि मेटा ने इस दिशा में क्या प्रगति की है।सरकार व्हाट्सएप के प्रस्तावित यूजरनेम फीचर को लेकर भी अपनी चिंताएं दोहरा सकती है। मंत्रालय पहले ही व्हाट्सएप से कह चुका है कि वह इस फीचर को तब तक लागू न करे, जब तक पहचान की चोरी, ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर अपराध से जुड़े जोखिमों का संतोषजनक समाधान नहीं किया जाता।सरकार का मानना है कि यदि उचित सुरक्षा उपाय नहीं किए गए, तो यह फीचर लोगों के नाम पर फर्जी अकाउंट बनाकर ठगी करने वालों के लिए नया माध्यम बन सकता है।बैठक में मेटा की कंटेंट मॉडरेशन नीति और विशेष रूप से वेरिफाइड एवं प्रमुख व्यक्तियों के अकाउंट्स से जुड़े पोस्ट हटाने की प्रक्रिया पर भी चर्चा होने की संभावना है। सरकार का कहना है कि किसी वेरिफाइड यूजर का कंटेंट हटाने से पहले पर्याप्त जांच और सुरक्षा व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि गलती से महत्वपूर्ण सामग्री न हटे।

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान बने एलपीएल जाफना किंग के मालिक, श्रीलंका में क्रिकेट बिजनेस में बड़ा कदम!

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान की सह–स्वामित्व वाली एंकर स्पोर्ट्स ने लंका प्रीमियर लीग की सफल फ्रेंचाइजी श्जाफना किंग्सश का अधिग्रहण कर क्रिकेट में अपनी वैश्विक भागीदारी बढ़ाई है। यह रणनीतिक कदम श्एंकर जाफना किंग्सश के रूप में टीम को रीब्रांड करेगा और एंकर स्पोर्ट्स ।ठ के बढ़ते ग्लोबल मल्टी–क्लब नेटवर्क का हिस्सा बनेगा, जिससे श्रीलंकाई क्रिकेट में नए आयाम जुड़ेंगे।भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने श्रीलंका में फ्रैंचाइजी के मालिक बनकर क्रिकेट में अपनी भागीदारी बढ़ाई है। स्टॉकहोम स्थित उनके स्पोर्ट्स ओनरशिप ग्रुप, श्एंकर स्पोर्ट्स ।ठश ने कृ जिसके सह–मालिक बिजनेसमैन नागेंद्र सिद्दुतम हैं कृ लंका प्रीमियर लीग (स्च्स्) की फ्रैंचाइजी श्जाफना किंग्सश को खरीद लिया है। इस अधिग्रहण के बाद, टीम को श्एंकर जाफना किंग्सश के तौर पर रीब्रांड किया जाएगा। क्रिकइन्फो के अनुसार, जुलाई के आखिर में पिछली ओनरशिप खत्म होने के बाद, स्च्स् के इतिहास की सबसे सफल फ्रैंचाइजी के लिए यह एक नई शुरुआत है।यह टेकओवर, 23 जुलाई को श्रीलंका क्रिकेट (ैस्ब्) और स्च्स् के अधिकार रखने वाली कंपनी इनोवेशन प्रोडक्शन ग्रुप (प्च्ळ) द्वारा फ्रैंचाइजी का इमरजेंसी रेगुलेटरी कंट्रोल अपने हाथ में लेने के कुछ हफ्ते बाद हुआ। इस अधिग्रहण के साथ ही जाफना किंग्स, एंकर स्पोर्ट्स ।ठ के बढ़ते ग्लोबल मल्टी–क्लब नेटवर्क का हिस्सा बन गई है। प्च्ळ की एक मीडिया रिलीज के अनुसार, एंकर स्पोर्ट्स ।ठ पहले से ही बेल्जियम की यूरोपियन ज्20 प्रीमियर लीग में खेलने वाली टीम श्एंटवर्प एंकर्सश और कनाडा की सुपर60 लीग में हिस्सा लेने वाली पुरुषों और महिलाओं की टीमों वैंकूवर एंकर्सश की मालिक है।

आर्यभट्ट का जीरो का ट्रेलर रिलीज-पिता-पुत्र के भावनात्मक रिश्ते, संघर्ष और आत्मविश्वास की प्रेरक कहानी की झलक

आगामी हिंदी फिल्म श्आर्यभट्ट का जीरोश का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज हो गया है। 2 मिनट 38 सेकंड का यह ट्रेलर एक ऐसे आम युवा की असाधारण यात्रा की झलक दिखाता है, जो असफलताओं, टूटे हुए सपनों, प्रेम में हार, पारिवारिक जिम्मेदारियों और समाज के तानों के बीच अपनी पहचान और सम्मान हासिल करने के लिए संघर्ष करता है।पिता–पुत्र के रिश्ते की भावनात्मक गहराई, जीवन की कठिन चुनौतियाँ और कभी हार न मानने का संदेश ट्रेलर को बेहद प्रभावशाली बनाते हैं। ट्रेलर की शुरुआत एक शादी की विदाई के अनोखे दृश्य से होती है, जहाँ दुल्हन सबके सामने अपने पुराने प्रेमी को चूम लेती है।माहौल एक पल के लिए सन्नाटे में बदल जाता है, लेकिन तभी दूल्हा मुस्कुराते हुए कहता है, बैंड बजाओज़ ये तो लड़की का भाई है। इसी अप्रत्याशित और हल्के–फुल्के पल के साथ कहानी दर्शकों को ब्रह्मगुप्त श्रीवास्तव उर्फ श्बग्गूश की दुनिया में ले जाती है।हिमांश कोहली द्वारा निभाया गया बग्गू एक ऐसा युवा है जिसकी जिंदगी में कुछ भी आसान नहीं है। प्रेमिका की दूसरी शादी का दर्द, बार–बार परीक्षाओं में असफल होना, पिता के साथ लगातार टकराव और किस्मत के लगातार दिए गए झटकेकृइन सबके बीच भी वह हार नहीं मानता। ट्रेलर भावनात्मक और प्रेरणादायक संवादों से भरपूर है, जो सीधे दर्शकों के दिल को छूते हैं। अपनी मोहब्बत किसी और की गाड़ी में चली जाएज़ बुरा तो लगता है। और देखनाज़ कहीं सम्मान के चक्कर में अपमान ना हो जाए। जैसे संवाद फिल्म के भावनात्मक पक्ष को गहराई से सामने लाते हैं। कॉमेडी, इमोशन और इंस्पिरेशनल ड्रामा का संतुलित मिश्रण यह ट्रेलर इस बात का एहसास कराता है कि जिंदगी की हर हार, एक नई जीत की शुरुआत बन सकती है।संघर्ष से सफलता तक का सफर और फिर सफलता के बाद आने वाली नई चुनौतियाँ इस कहानी को हर आम इंसान से जोड़ती हैं। फिल्म में हिमांश कोहली के साथ सोनाली सहगल, रवि किशन, दर्शना बानिक, राजेश शर्मा, गोपाल दत्त, इश्लीन प्रसाद, अलका अमीन और नीरज सूद अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। वहीं अभिनेत्री शिल्पा शिंदे भी फिल्म में एक विशेष किरदार निभाती दिखाई देंगी। न्यूटेक मीडिया एंटरटेनमेंट और राधिका जी फिल्म्स के बैनर तले तथा ए2आर फिल्म्स के सहयोग से बनी इस फिल्म का निर्माण बीरेंद्र भगत, रवि एस. गुप्ता, संजय नागपाल और शैओ बालक

सिंह ने किया है।फिल्म के सह–निर्माता सुनील सिहाग, त्रिलोकी नाथ प्रसाद, स्वर्गीय कुलदीप भंडारी, आकांक्षा राहुल शर्मा और रीता गाडगे हैं।

मिर्जापुर द मूवी का पहला गाना दो नंबरी रिलीज, हरियाणवी सिंगर धांडा न्योलीवाला की आवाज का चला जादू

मिर्जापुर द मूवी की थिएटर रिलीज से पहले एक्सेल एंटरटेनमेंट और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने फिल्म के साउंडट्रैक एल्बम का पहला गाना दो नंबरी रिलीज कर दिया है. इस गाने को हरियाणवी म्यूजिक इंडस्ट्री के बड़े नाम धांडा न्योलीवाला ने लिखा, कंपोज किया और अपनी आवाज दी है. दमदार एनर्जी से भरपूर यह ट्रैक उनके बहुप्रतीक्षित बॉलीवुड डेब्यू का भी आगाज है. साथ ही यह एक्सेल एंटरटेनमेंट के नए लॉन्च हुए म्यूजिक लेबल एक्सेल म्यूजिक का पहला रिलीज भी है.धांडा न्योलीवाला अपने चार्टबस्टर गानों, अलग अंदाज और दमदार स्टेज परफॉर्मेंस के लिए जाने जाते हैं. उनके करोड़ों फैंस हैं और उनके कई गाने वायरल हो चुके हैं. अब वह अपने सिग्नेचर स्टाइल के साथ भारत की सबसे बड़ी एंटरटेनमेंट फ्रेंचाइजियों में से एक मिर्जापुर का हिस्सा बने हैं.खास बात यह है कि इस ट्रैक के साथ धांडा बॉलीवुड में अपना डेब्यू भी कर रहा है. दमदार हरियाणवी बीट्स और जबरदस्त एनर्जी से भरपूर यह गाना मिर्जापुर की बेबाक और दमदार दुनिया को पूरी तरह दर्शाने का वादा करता है. फिल्म की सिनेमाघरों में रिलीज से पहले यह ट्रैक उसके बढ़ते क्रेज में एक और नया रंग जोड़ने के लिए तैयार है.मिर्जापुर द मूवी दर्शकों को फिर से सीजन 1 की दुनिया में लेकर जाएगी. फिल्म में पहली बार बड़े पर्दे पर गुड्डू पंडित (अली फजल), मुन्ना भैया (दिव्येंदु) और कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) जैसे फ्रेंचाइजी के सबसे लोकप्रिय किरदारों की वापसी होगी. फिल्म में जितेंद्र कुमार, रवि किशन, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुगल, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, प्रमोद पाठक, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता शेखर गौर, श्वेता त्रिपाठी, सोनल एस. चौहान, अनंगशा बिस्वास, शाजी चौधरी, सतेंद्र सोनी, कुलभूषण खरबंदा और सुशांत सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे. मिर्जापुरः द मूवी को अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सेल एंटरटेनमेंट पेश कर रहे हैं. फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है, जबकि इसकी कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है. रितेश सिधवानी

और फरहान अख्तर ने इसे एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस किया है. वहीं कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी इसके सह–निर्माता हैं. यह फिल्म 4 सितंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में हिंदी और तेलुगु भाषा में रिलीज होगी।

राम कपूर ने किसी को असहज महसूस नहीं कराया, किसिंग विवाद पर बोलीं आकांक्षा चौधरी

नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहे रियलिटी शो लॉक अप 2 से निकलने के बाद भी आकांक्षा चौधरी चर्चा में बनी हुई हैं। इस बीच उन्होंने शो में महिला कंटेस्टेंट्स के माथे और गालों पर किस करने की राम कपूर की आदत को लेकर मचे विवाद के बीच उनका समर्थन किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि उन्होंने कभी भी राम कपूर को किसी को असहज महसूस कराते हुए नहीं देखा। आकांक्षा ने कहा कि वह समझती हैं कि इंडस्ट्री में ऐसी घटनाएं होती हैं, लेकिन राम कपूर की नीयत कभी भी गलत नहीं थी। उन्होंने कहा, जाहिर है, मैं मानती हूं कि इंडस्ट्री और बाहर भी ऐसा बहुत होता है। मैं उस बारे में कुछ नहीं कह रही। लेकिन क्योंकि मैं शो में थी और राम सर से रोज बात करती थी। सीक्रेट रूम में भी मैंने श्रेया की राम सर के बारे में कही हर बात सुनी थी। असल में ऐसा कुछ नहीं था। राम सर ने किसी को भी असहज महसूस नहीं कराया।घर के अंदर हुई एक बातचीत को याद करते हुए उन्होंने बताया कि श्रेया कालरा ने एक बार शिल्पा शिंदे के सामने कहा था कि राम कपूर उन्हें उनके अपने पिता से भी ज्यादा किस करते हैं।

उन्होंने कहा, जब मैं सीक्रेट रूम में थी, तो मुझे लगता है कि श्रेया ने शिल्पा शिंदे के सामने कहा था कि राम सर मुझे मेरे पिता से भी ज्यादा किस करते हैं। लेकिन तब शिल्पा जी ने कहा, नहीं, नहीं, वह ऐसा नहीं करते हैं। आकांक्षा ने आगे कहा कि श्रेया ने खुद साफ किया था कि उनका मतलब गलत तरीके से नहीं था। उन्होंने कहा, श्रेया ने कहा था, जाहिर है, मैं उस तरह से नहीं कह रही हूं। मेरा मतलब वैसा नहीं है। बस यह कह रही हूं कि वह बार–बार ऐसा करते हैं। तो वह इस बारे में बहुत सहज थीं।

वहीं, राम कपूर की पत्नी गौतमी कपूर जब शो में आई थीं, तो उन्होंने सभी से राम कपूर के व्यवहार के लिए माफी मांगी थी। उन्होंने कहा, अगर इनसे कोई गलती हो गई हो या इन्होंने आपको असहज किया हो तो मैं इनकी तरफ से माफी मांगती हूं। हालांकि, गौतमी ने बचाव करते हुए यह भी कहा कि उनके पति का स्वभाव ऐसा ही

है, वे टेडी बेयर की तरह हैं और उनका इरादा गलत नहीं था। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि राम कपूर हाल ही में सोशल मीडिया पर आलोचना का शिकार हुए थे। शो के कुछ क्लिप वायरल हुए थे जिनमें वे महिला कंटेस्टेंट्स का माथे और गालों पर किस करते हुए दिखे थे। कई दर्शकों का आरोप था कि इन हरकतों से कुछ कंटेस्टेंट्स असहज महसूस कर रही थीं।

बिग बास 20 प्रोमो रिलीज फैंस को सोच में डाल गए सलमान खान, बोले- जो करण अर्जुन में हुआ था, वो अब...

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान एक बार फिर अपना टीवी रियलिटी शो बिग बॉस से धमाका करने आ रहे हैं. बॉस सीजन 20 का टीजर जारी हो गया है. जियो–हॉटस्टार ने आज सोशल मीडिया पेज पर बिग बॉस 20 का टीजर रिलीज कर दिया है. बिग बॉस 20 शुरू होने में अब एक महीना बचा है और इससे पहले शो के टीजर ने धमाका मचा दिया है. सलमान खान ने टीजर में कुछ ऐसा बोला है, जिसे जानने के लिए सब बेताब है. प्रोमो में सलमान ने फैंस को ऐसा ट्विस्ट दिया है कि लोग अब जानने की कोशिश में लगे हैं आखिर शो में ऐसा क्या होगा.

बिग बॉस 20 के निर्माताओं ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर सलमान खान और घोड़े को दिखाते हुए एक नया प्रोमो शेयर किया. कैप्शन में लिखा है, एक से भले दो.. बिग बॉस 6 सितंबर से जियो हॉटस्टार और कलर्स टीवी पर शुरू हो रहा है. इस वीडियो में सलमान खान काले रंग की पैंट, काली टी–शर्ट और बिना आस्तीन की काली जैकेट पहने दमदार एंट्री करते नजर आ रहे हैं. वीडियो में एक्टर घोड़े को अस्तबल से बाहर लाते हुए कहते हैं, जो करण अर्जुन में हुआ था, वो अब बिग बॉस में होगा. थतास्तु.

बिग बॉस 20 के बारे में बात करते हुए सलमान खान ने कहा था, बिग बॉस का हर सीजन एक नया खेल, नए समीकरण और अनएक्सपेक्टेड मोड़ लेकर आता है. लेकिन इस सीजन में एक ऐसा रहस्य छिपा है, जो इसे पहले देखे गए किसी भी सीजन से अलग बनाता है. पहला संकेत पहले ही मिल चुका है, बस आपको इसे दो बार देखना होगा. टीजर तो बस बिग बॉस हिंदी सीजन 20 शुरू होने पर सुराग़ों को जोड़ने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं.

बिग बॉस 20 का प्रोमो ऑनलाइन वायरल होते ही, नेटिजन्स सलमान और मेकर्स के करण अर्जुन ट्विस्ट के पीछे के मकसद का अंदाजा लगाने में जुट गए हैं. कुछ फैंस का मानना है कि शाहरुख खान रियलिटी शो में मातृभूमि एक्टर सलमान खान के साथ नजर आएंगे, वहीं कुछ का अनुमान है कि यह शो के पुराने कंटेस्टेंट्स की वापसी (पुनर्जन्म) हो सकती है. सलमान और शाहरुख खान की बात करें तो, दोनों ने पहली बार 1995 में आई पुनर्जन्म पर आधारित एक्शन ड्रामा फिल्म करण अर्जुन में एक साथ काम किया था. इसके बाद, वे कुछ कुछ होता है और हम तुम्हारे हैं सनम में भी साथ नजर आए थे. तब से, उन्होंने एक–दूसरे की फिल्मों जैसे टाइगर 3, पठान, जीरो और ट्यूबलाइट में कैमियो किया है.

बिग बॉस 20 का प्रीमियर 6 सितंबर को जियो हॉटस्टार और कलर्स टीवी पर होगा. पिछले कुछ सीजन के उलट, इस साल सेट का डिजाइन फिल्म निर्माता ओमंग कुमार के बजाय आर्ट डायरेक्टर कंचन और रूपाली ने किया है. हालांकि अभी तक कंटेस्टेंट्स के नाम की लिस्ट सामने नहीं आई है, लेकिन माही विज, गीता बसरा, जन्नत ज़ुबैर, फैसल शेख (मिस्टर फैसु), सुनील पाल, निया शर्मा, पर्ल वी पुरी और शोविक चक्रवर्ती जैसे सेलेब्स के नाम संभावित कंटेस्टेंट के तौर पर सामने आ रहे हैं.

एक्सरसाइज शुरू करने की सोच रहे हैं? हुला हूप को आजमाएं

अगर आप एक्सरसाइज करने की शुरुआत करने जा रहे

हैं तो यह आपके लिए एक अच्छा फैसला हो सकता है। हालांकि, इस दौरान आपको यह समझ नहीं आता कि कौन सी एक्सरसाइज को चुना जाए तो हुला हूपिंग को आजमाएं। यह एक मजेदार और असरदार तरीका है, जिससे आप न केवल फिट रह सकते हैं, बल्कि इससे आपका मूड भी अच्छा रहेगा। आइए जानते हैं कि हुला हूपिंग क्यों एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।वजन कम करने में है मददगारहुला हूपिंग एक ऐसी गतिविधि है, जो वजन कम करने में काफी मदद कर सकती है। इसे रोजाना करने से आपके शरीर की कैलोरी बर्न करने की क्षमता बढ़ सकती है।इसके अलावा यह आपके शरीर की ऊर्जा को तेज करता है, जिससे वजन घटाने में आसानी होती है।हुला हूपिंग करने से पेट की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर की चर्बी कम होती है। इससे आप फिट और आकर्षक दिख सकते हैं।दिल की सेहत के लिए है फायदेमंदहुला हूपिंग एक बेहतरीन दिल की सेहत को सुधारने वाली गतिविधि भी है। यह आपके दिल की धड़कन को तेज करती है और रक्त प्रवाह को बेहतर बनाती है।इससे आपका दिल स्वस्थ रहता है और शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है, जिससे आप अधिक ऊर्जावान महसूस करते हैं।नियमित रूप से हुला हूपिंग करने से आपके दिल की धड़कनें बेहतर होती हैं और आप अधिक सक्रिय महसूस करते हैं, जिससे आपकी सेहत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।मानसिक तनाव को कम करने में है सहायकआजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक तनाव आम बात हो गया है। हुला हूपिंग करने से आपका मन शांत होता है और तनाव कम होता है।जब आप हुला हूपिंग करते हैं तो आपका ध्यान केवल उस पर केंद्रित होता है, जिससे आपकी चिंता और परेशानी दूर होती है।यह एक प्रकार का ध्यान अभ्यास भी हो सकता है, जो आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है।लचीलेपन को बढ़ाने में है कारगरहुला हूपिंग करने से शरीर की लचीलापन बढ़ती है।इसके नियमित अभ्यास से आपकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर की गति क्षमता सुधरती है। इससे न केवल आपकी शारीरिक ताकत बढ़ती है बल्कि आप चोटों से भी बच सकते हैं।इसके अलावा हुला हूपिंग करने से आपकी त्वचा पर भी निखार आता है। यह एक मजेदार तरीका है जिससे आप फिट रह सकते हैं और अपने शरीर को स्वस्थ बना सकते हैं।

परिवार के साथ मिलकर करने का है अच्छा तरीका हुला हूपिंग केवल एक एक्सरसाइज नहीं बल्कि एक पारिवारिक गतिविधि भी हो सकती है। इसे परिवार के साथ मिलकर करने से आपसी संबंध मजबूत होते हैंऔर सभी लोग मिलकर आनंद लेते हैं।बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी इस गतिविधि का आनंद ले सकते हैं और एक–दूसरे के साथ समय बिता सकते हैं।इस प्रकार हुला हूपिंग कई प्रकार से आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती है। इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और फिट रहें!

अभिनय को लेकर बहुत लालची हूं, जैस्मिन भसीन ने अपने जुनून पर की बात

अभिनेत्री जैस्मिन भसीन इन दिनों एक साथ कई चुनौतियों का सामना कर रही हैं। वह जहां एक तरफ स्टंट–आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 15 में खतरनाक टास्क करती नजर आ रही हैं, वहीं दूसरी तरफ अपनी आगामी पंजाबी फिल्म जुदा की रिलीज को लेकर भी उत्साहित हैं। अलग–अलग भाषाओं और प्लेटफॉर्म पर काम करने के अपने अनुभव को लेकर जैस्मिन का कहना है कि अभिनय उनके लिए सिर्फ एक पेशा नहीं बल्कि उनका सबसे बड़ा जुनून है।इसलिए वह हर नए मौके को स्वीकार करना चाहती हैं और खुद को अलग–अलग भूमिकाओं में आजमाना चाहती हैं। जैस्मिन भसीन ने अपने करियर और अभिनय के प्रति अपने लगाव को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि अभिनय को लेकर मैं बहुत लालची हूं, क्योंकि यह मेरा सबसे बड़ा प्यार और मेरा जुनून है।मेरे सामने चाहे कुछ भी आए, मैं हमेशा उसे एक्सप्लोर करना चाहती हूं और अपना पूरा योगदान देना चाहती हूं। मेरे लिए यह मायने नहीं रखता कि काम किस भाषा या प्लेटफॉर्म पर है, मेरे लिए सबसे जरूरी है कि मुझे कुछ नया करने और सीखने का मौका मिले। उन्होंने कहा, मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत और आभारी महसूस करती हूं कि मुझे अलग–अलग भाषाओं और प्लेटफॉर्म पर काम करने का मौका मिल रहा है।अलग–अलग तरह के दर्शकों से जुड़ना मेरे लिए बहुत खास अनुभव है। अभिनेत्री ने कहा, एक साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम करना आसान नहीं होता। यह सफर व्यस्त जरूर है लेकिन मुझे इससे कोई शिकायत नहीं है। मैं चाहती हूं कि मेरे हर दिन में कोई नई चुनौती हो। एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा खुद को आगे बढ़ाना चाहती हूं और कुछ नया सीखना चाहती हूं।

आवारापन 2 के साथ लौटेगा इमरान हाशमी का दर्दभरा गाना, पुराने जख्मों को करेगा ताजा

इमरान हाशमी अपने चर्चित किरदार शिवम पंडित के साथ दोबारा पर्दे पर लौट रहे हैं। उनकी फिल्म आवारापन 2 रिलीज के लिए तैयार है, जो 2007 में इसी नाम से आई फिल्म का सीक्वल होगी। इस बार उनके साथ मुख्य किरदार दिशा पाटनी नजर आएंगी, जिसकी झलक टीजर में देखने को मिल चुकी है। दिलचस्प बात ये है कि निर्माता सिर्फ सीक्वल नहीं ला रहे, बल्कि पहली किस्त में मौजूद इमरान हाशमी का दर्दभरा कल्ट गाना भी रीक्रिएट कर रहे हैं।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।